@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 23 जून 2025

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 223 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

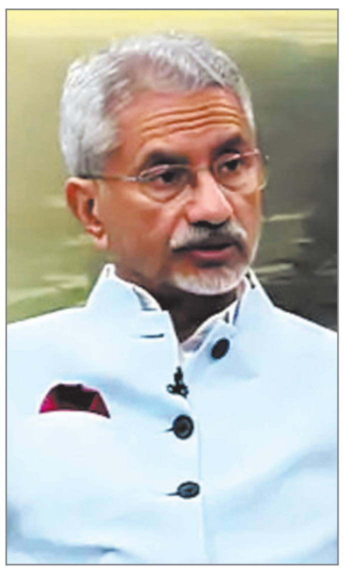

पड़ोसी देशों से रिश्ते हमेशा आसान नहीं होते

एस जयशंकर बोले-लेकिन भारत ने मजबूत समझदारी बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों से हमेशा अच्छे और आसान रिश्तों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लेकिन भारत ने ऐसी समझदारी वाली नीति बनाई है, जिससे चाहे किसी देश में सरकार बदले, रिश्ते फिर भी ठीक बने रहें। जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे हर पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर काम करने से उनका फायदा होता है और न करने से नुकसान। कुछ देशों को इसे समझने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपवाद है, क्योंकि वहां की पहचान सेना के इर्द-गिर्द बनी है, उसमें शुरू से ही भारत के प्रति दुश्मनी भरी रहती है। विदेश मंत्री ने कहा-पहले की सरकारों की नीति में पाकिस्तान को लेकर नरमी थी, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ रिश्तों में कभी-कभी अनिश्चितता होती है, इसलिए भारत ने उसके साथ ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव बनाए ताकि रिश्ते संतुलित रहें। चीन के बारे में उन्होंने कहा कि सीमा पर हालात कई बार बहुत मुश्किल हो गए, खासकर गलवान की झड़प के बाद। इसलिए हमें सीमा पर सड़कें और जरूरी सुविधाएं बनानी पड़ीं, जो पहले की सरकारों ने नजरअंदाज कर दी थीं। उन्होंने कहा-पहले सरकारों ने बॉर्डर पर विकास नहीं किया, जो बड़ी गलती थी। आज हम चीन के सामने मजबूती से खड़े हैं, क्योंकि हमने वहां जरूरी ढांचा तैयार किया है। जयशंकर ने कहा कि पिछले 11 सालों में मोदी सरकार ने भारत के पड़ोसी देशों से रिश्ते मजबूत करने पर खास ध्यान दिया है। उन्होंने बताया-श्रीलंका में सरकार बदली, लेकिन भारत से रिश्ते अच्छे बने रहे। मालदीव से शुरू में थोड़ी परेशानी थी, पर अब संबंध सुधर गए हैं। नेपाल की राजनीति में भारत को कई बार घसीटा जाता है, लेकिन हमें इससे परेशान नहीं होना चाहिए। जयशंकर ने कहा;-रिश्तों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन हमें समझदारी से काम लेना चाहिए। मुश्किल समय में हार नहीं माननी चाहिए, क्योंकि ऐसा करना कमजोर योजना का संकेत होता है। जयशंकर ने 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताते हुए कहा कि अब भारत सिर्फ जवाब नहीं देता, बल्कि जरूरत पड़ने पर खुद भी पहल करता है। उन्होंने कहा कि अब पाकिस्तान को यह नहीं लगता कि वो कुछ भी कर लेगा और उसे सजा नहीं मिलेगी।

पहले पाकिस्तान पर नरमी थी, मोदी सरकार ने सख्ती दिखाई

आखिर इजराइल-ईरान की जंग में कूद पड़ा अमरीका

ईरान के 3 एटमी ठिकानों पर बी 2 बॉम्बर से की बमबारी

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया है। ये ठिकाने फोर्डो, नतांज और इस्फहान हैं। हमला भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4.30 बजे हुआ।

- **ईरान का पलटवार, इजराइल के 14 शहरों पर मिसाइलें दागीं**

ट्रम्प ने ईरान पर हमले के 3 घंटे बाद देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ईरान की अहम न्यूक्लियर साइट्स पूरी तरह से तबाह कर दी गई हैं। फोर्डो पर बमों की एक पूरी खेप गिरा दी गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। अमेरिका के हमले के जवाब में ईरान ने इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने कहा कि उन्होंने इजराइल पर सबसे बड़ा अटैक किया है और 14 अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। वहीं, टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हाइफा और तेल अवीव के मिलिट्री और रिहायशी ठिकानों पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं। इजराइल में अब तक 86 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। इस बीच पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान से फोन पर बात की। इसकी जानकारी देते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा- हमने मौजूदा हालात पर विस्तार से चर्चा की। हाल की घटनाओं में बढ़ते तनाव पर गहरी चिंता जताई। हालात को तुरंत शांत करने, बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ाने की जरूरत है।

कच्चे तेल की खरीद को लेकर सतर्क हुआ भारत

ईरान-इजरायल युद्ध के बाद बदली रणनीति, अब इराक पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर

अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं।

हमने शुरू किया, अमेरिका ने इसे अंजाम तक पहुंचाया

ईरान के परमाणु स्थलों पर हमले के बाद बोले नेतन्याहू, ट्रंप को बताया सबसे अच्छा दोस्त

तेल अवीव (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान की तीन प्रमुख न्यूक्लियर साइट्स फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर हमला कर तबाह करने का दावा किया है। पूरा अपडेट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में दिया। इस एयर स्ट्राइक के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका को अपना करीबी मित्र बताया। हिब्रू भाषा में जारी वीडियो स्टेटमेंट में इजरायली पीएम ने कहा कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने जो शुरू किया उसे अमेरिका ने अंत तक पहुंचाया। बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने संघर्ष की शुरुआत से ही ईरान की 'न्यूक्लियर फैसिलिटी' तबाह करने का वादा पूरा कर दिया है। अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी के खिलाफ वह काम पूरा किया है, जिसे 'आईडीएफ' ने 13 जून को शुरू किया था। नेतन्याहू ने कहा, ऑपरेशन की शुरुआत में, मैंने आपसे वादा किया था कि ईरान की न्यूक्लियर फैसिलिटी को किसी न किसी तरह से तबाह कर दिया जाएगा। यह वादा पूरा किया गया है। इजरायली पीएम ने अमेरिकी प्रेसीडेंट से टेलीफोन पर हुई बातचीत का भी ब्योरा दिया। कहा, मैंने अमेरिकी ऑपरेशन खत्म होने के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई देने के लिए फोन किया था। यह बहुत गर्मजोशी और भावुक बातचीत थी। नेतन्याहू ने आगे कहा, उन्होंने (ट्रंप) मुझे बधाई दी। उन्होंने हमारी सेना को और उन्होंने हमारे लोगों को बधाई दी। राष्ट्रपति ट्रंप दृढ़ता के साथ स्वतंत्र विश्व का नेतृत्व कर रहे हैं। वह इजरायल के बहुत अच्छे मित्र हैं, ऐसे मित्र जैसा कोई और नहीं। बता दें कि ईरान पर एयर स्ट्राइक के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने बताया है कि उनका इरादा ईरान की न्यूक्लियर एनरिचमेंट कैपेसिटी को तबाह करना था।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद से की बात, पश्चिम एशिया के हालात पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशिकयान से फोन पर बातचीत की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने मौजूदा हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि किसी भी मुद्दे का हल कूटनीति और संवाद से ही निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि मैंने ईरान के राष्ट्रपति पजशिकयान के साथ क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हमने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। मैंने तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की अपील की है। साथ ही, क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की आवश्यकता पर भी बल दिया।

यह बातचीत क्यों मानी जा रही अहम

पश्चिम एशिया में ईरान और इज़राइल के बीच लंबे समय से तनावपूर्ण हालात चल रहे हैं, ऐसे में अमेरिका का ईरान के परमाणु क्षेत्रों में हमला मामले को और गंभीर बनाता प्रतीत हुआ है। वैसे भी दोनों देशों में हाल के दिनों में हमलों और जवाबी कार्रवाइयों से हालात और बिगड़े हैं। भारत के लिए पश्चिम एशिया रणनीतिक, ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतियों की सुरक्षा और व्यापार के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। ऐसे में भारत की शांति और स्थिरता की अपील अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक संतुलित और जिम्मेदार रुख के तौर पर देखी जा रही है।

'पानी-पानी' हुए राजस्थान और गुजरात

उफान पर दोनों राज्यों की कई नदियां, बाढ़ जैसे बन गए हैं हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। इस वजह से सिरोही जिले में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भर गया। वहीं, जोधपुर में पुलिया पर पानी के बीच से निकल रही कार नाले में गिर गई। पानी में डूबने से तीन लोगों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश के चित्रकूट जिले में शुक्रवार रात से हो रही बारिश से बाढ़ जैसे हालात हो गए। गुप्त गोदावरी पहाड़ी पर पानी का बहाव तेज होने से श्रद्धालुओं की एंट्री रोक दी गई है। गुना जिले के फतेहगढ़ में कोहन नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली बहने से तीन युवकों की मौत हो गई। उधर गुजरात के उत्तरी इलाकों में भी भारी बारिश हो रही है। बनासकांठा जिले के अमीरगढ़ में रविवार सुबह दो घंटे में 101.6 एमएम (4 इंच) बारिश होने से बाढ़ जैसे हालात बन गए। यहां की स्थानीय नदी कालेडी उफान पर है। इससे आसपास के गांवों में घुटने तक पानी भर गया है। मौसम विभाग के अनुसार, जब 24 घंटे में 65.4 एमएम (करीब 2.5 इंच) से ज्यादा बारिश होती है तो उसे भारी बारिश और इससे ऊपर जाने पर बहुत भारी बारिश की कैटेगरी में रखा जाता है। 19 राज्यों में ऑरेंज अलर्ट, ओडिशा में बाढ़ जैसे हालात मानसून का अब केवल दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में ही पहुंचना बाकी है। मौसम विभाग ने रविवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 19 राज्यों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड समेत आठ राज्यों में यलो अलर्ट है। दिल्ली में शनिवार शाम जोरदार बारिश हुई। ओडिशा के बालासोर जिले में सुवर्णरेखा नदी में अचानक आई बाढ़ से 50 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। नदी का जलस्तर खतरे के निशान (10.36 मीटर) को पार कर गया है। मौसम विभाग ने रविवार और सोमवार के लिए मध्यम से भारी वर्षा का यलो अलर्ट जारी किया है। उधर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू में वर्षा होने से राहत के साथ परेशानी का सामना भी करना पड़ा। कुछ स्थानों पर भूस्खलन भी हुआ है।

दिल्ली-गुजरात हाईवे पर भरा पानी एमपी-राजस्थान में 6 की मौत

यूपी में अवैध मदरसों पर योगी का ऐक्शन जारी

- **संभल के बाद अब नेपाल बॉर्डर से सटे इलाके में बुलडोजर अभियान**

श्रावस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अवैध मदरसों पर कार्रवाई जारी है। संभल के बाद अब श्रावस्ती में भी एक अवैध मदरसे पर बुलडोजर चलाया गया।रविवार को प्रशासन ने सरकारी जमीन पर बने इस मदरसे को तोड़ दिया। यह मदरसा जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में बना था। जमीन सरकारी रिकॉर्ड में खाद गड्ढे के लिए दर्ज थी। मदरसे का नाम जामिया रजविया शम्सुल उलूम था और यह बिना मान्यता के चल रहा था। इससे पहले संभल में भी एक मस्जिद को लोगों ने खुद ही तोड़ दिया था, क्योंकि वह नगर पालिका की जमीन पर बनी थी। श्रावस्ती में जिस मदरसे को तोड़ा गया, वह जमुनहा तहसील क्षेत्र के हरदत्त नगर गिरंट में स्थित था। सरकारी दस्तावेजों में यह जमीन खाद गड्ढे के लिए थी लेकिन, इस पर अवैध रूप से कब्जा करके पक्का निर्माण कर लिया गया था।

हथियार डाल दो, नहीं तो बारिश में भी सोने नहीं देंगे, छीसगढ़ में गृह मंत्री शाह की नसलियों को चेतावनी

रायपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और एक केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। शाह राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जिसके दौरान वह एक सुरक्षा शिविर का दौरा करेंगे और चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों पर बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ की आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए बहुत महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि आज इसे आधुनिक बनाने के लिए 3 नई पहल की जा रही हैं। एक- आज नवा रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के परिसर की आधारशिला रखी गई। दो- आज नवा रायपुर में केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की भी नींव रखी गई। तीन, जब तक हस्रस विश्वविद्यालय का नया भवन तैयार नहीं हो जाता, तब तक इसके स्थायी परिसर की भी आज शुरुआत हो गई है।

अमित शाह ने कहा कि ये तीनों पहल न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि आने वाले दिनों में पूरे मध्य भारत के लिए आपराधिक न्याय प्रणाली को एक आधार प्रदान करेंगी। इसके साथ ही आज छत्तीसगढ़-आईहब का भी उद्घाटन किया गया है। विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सरकार बनने के बाद निवेश शिखर सम्मेलन हुआ, जिसमें 5 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। छत्तीसगढ़ में कई उद्योग आ रहे हैं। मैं यहां छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्पष्ट कहने आया हूं। जब तक युवा स्वयं उद्योगपति नहीं बनेंगे, तब तक छत्तीसगढ़ का निवेश औद्योगिक क्रांति का कारण नहीं बन सकता।

गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की सरकार और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि उन्होंने रुके हुए नक्सल ऑपरेशन को तेज़ गति से शुरू किया। मैंने देखा है कि सरकार बनने के बाद से इस सरकार ने न सिर्फ़ नक्सल विरोधी अभियान को तेज़ किया है बल्कि समय-समय पर इसका मार्गदर्शन भी किया है। पुलिस और सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है और इस लड़ाई को कुशलतापूर्वक आगे बढ़ाया है... मैंने कहा था कि 31 मार्च 2026 को यह देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और मैं आज फिर दोहराना चाहूंगा कि जिस तरह से सुरक्षा बलों ने वीरता दिखाई है, हम इस लक्ष्य को ज़रूर हासिल करेंगे।

शाह ने नक्सलियों से हिंसा छोड़ने और मुख्यधारा में शामिल होने का अनुरोध करते हुए कहा कि बातचीत की कोई जरूरत नहीं है, बस हथियार छोड़ दें, विकास की यात्रा में शामिल हों और आकर्षक आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाएं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, ÷हर बार बारिश के मौसम में नक्सली थोड़ा आराम करते थे (क्योंकि घने जंगल के अंदर उफनती नदियां और नाले नक्सल विरोधी अभियानों में बाधा डालते हैं), लेकिन इस बार, हम उन्हें मानसून के दौरान सोने नहीं देंगे और हम 31 मार्च के लक्ष्य को हासिल करने के लिए और आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि वह नक्सलवाद की राह पर चले गए भटके युवाओं से हथियार छोड़ने की अपील करना चाहते हैं।

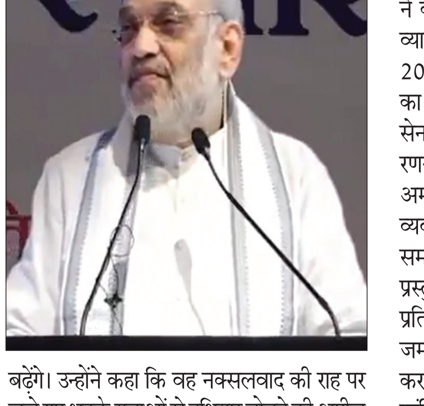

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र पहुंचे कश्मीर, सुरक्षा संबंधी तैयारियों का लिया जायजा

* विकास और जनसंख्या उत्थान की पहल की हुई तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर क्षेत्र का दौरे के दौरान सुरक्षा ग्रिड की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा संबंधी तैयारियों का भी जायजा लिया। वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने सेना प्रमुख को वर्तमान स्थिति और व्यापक रणनीतिक परिदृश्य से अवगत कराया। उन्हें अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए की जा रही सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। इस दौरान सेना प्रमुख के समक्ष उन्नत तकनीकों के एकीकरण पर भी एक प्रस्तुति दी गई। इसका उद्देश्य निर्णय क्षमता, निगरानी और प्रतिक्रिया प्रणाली में और दक्षता लाना है। जनरल द्विवेदी ने जम्मू कश्मीर में तैनात चिनार कॉर्प्स के सभी रैंकों की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद विरोधी अभियानों के जरिए शांति और स्थिरता बनाए रखने में चिनार कॉर्प्स का योगदान बहुत सराहनीय रहा है। उन्होंने क्षेत्र के विकास और स्थानीय जनसंख्या के उत्थान के लिए की जा रही पहलों की भी तारीफ की। बता दें पिछले दिनों ही सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र स्थित अग्रिम चौकियों का दौरा किया था। वह यहां तैनात जवानों से मिले थे। उन्होंने यहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की और उनकी परिचालन व प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की। सेना प्रमुख ने सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की तारीफ करते हुए उन्हें देश की सीमाओं की रक्षा में निरंतर सजग रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बलों को उच्चतम स्तर की तैयारी और सतर्कता बनाए रखने की जरुरत पर भी बल दिया था। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 21 जून को जम्मू और कश्मीर में उधमपुर स्थित उत्तरी कमान में करीब 2,500 सैनिकों के बीच पहुंचे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री ने भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। यहां ऑपरेशन सिंदूर को आत्म नियंत्रण का एक शानदार उदाहरण बताते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन के दौरान संयम, संतुलन और सटीकता का प्रदर्शन किया, जो योग के अभ्यास से प्राप्त उनकी आंतरिक शक्ति का प्रतिबिंब है।

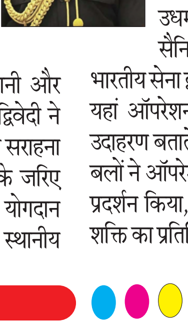

संक्षिप्त समाचार

ईरान-इस्राइल संघर्ष विराम के लिए यूरोप की पहल, फ्रांसीसी राष्ट्रपति ने किया प्रस्ताव का खुलासा

पेरिस, एजेंसी। ईरान ेर इस्राइल के बीच संघर्ष विराम की कोशिशें शुरू हो गई हैं। यूरोप के देशों द्वारा इसे लेकर एक प्रस्ताव तैयार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इस प्रस्ताव का खुलासा किया है, जिसके अनुसार, ईरान को यूरेनियम संवर्धन का काम रोकना होगा। साथ ही ईरान को अपने बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को रोकना होगा और पूरे पश्चिम एशिया में सक्रिय उग्रवादी संगठनों को भी अपना समर्थन देना बंद करना होगा। ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए हुए हैं और ईरान यूरेनियम संवर्धन को अपना अधिकार बताता है। ईरान का कहना है कि उसका यूरेनियम संवर्धन करना अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत वैध है। लेकिन बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव और खासकर इस्राइल के ताजा हमलों के बाद ईरान पर परमाणु समझौता करने का दबाव बढ़ गया है।

यूके और उत्तरी यूरोप में गर्मी का अलर्ट

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन और फ्रांस के अधिकारियों ने इस सप्ताहांत बहुत गर्मी पड़ने की चेतावनी जारी की है। लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। उत्तरी यूरोप में यह साल की पहली गर्मी की लहर है। ब्रिटेन की मौसम एजेंसी मेट ऑफिस के अनुसार, इस हफ्ते मौसम पहले से ही बहुत गर्म है और शनिवार को पूर्वी इंग्लैंड में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। यह इस मौसम के लिए आमतौर पर होने वाले तापमान से करीब 12 डिग्री ज्यादा है। फ्रांस में और ज्यादा गर्मी पड़ने की उम्मीद है। वहां के मौसम वैज्ञानिकों ने बताया है कि देश के पश्चिमी और दक्षिणी इलाकों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप खारिज

कुआलालंपुर, एजेंसी। मलयेशिया की एक अदालत ने शुक्रवार को जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रजाक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तीन आरोप हटा दिए। यह मामला सरकारी फंड एक एमबीडी (मलेशिया डेवलपमेंट बेरहद) से अरबों डॉलर की लूट से जुड़ा है। नजीब को पहले ही भ्रष्टाचार के एक मामले में 12 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसे 2024 में घटाकर 6 साल कर दिया गया था। नजीब पर आरोप था कि उनके बैंक खातों में 27 मिलियन रिंगित (6.3 मिलियन डॉलर) की अवैध राशि प्राप्त हुई थी। हालांकि, उनके वकील मुहम्मद शफी अब्दुल्ला ने बताया कि अभियोजन पक्ष की प्रक्रियात्मक देरी के कारण मामला छह साल तक लटका रहा और अदालत ने आरोप हटा दिए। अभियोजन पक्ष अदालत को यह नहीं बता सका कि वह मुकदमा कब शुरू करने के लिए तैयार होगा। वकील ने स्पष्ट किया कि आरोप हटाने का मतलब बरी होना नहीं है और अभियोजन पक्ष को भविष्य में फिर से आरोप लगाने का अधिकार सुरक्षित है। हालांकि, नजीब इस फैसले से खुश हैं और अब वह एक एमबीडी से जुड़े मुख्य मामले पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं।

पनामा में हिंसक प्रदर्शन के बाद सुरक्षा कानून अस्थायी निलंबित

पनामा, एजेंसी। पनामा सरकार ने शुक्रवार को उत्तर-पश्चिम के बोकास डेल टोरो प्रांत में अगले पांच दिनों के लिए कुछ सांविधानिक सुरक्षा अधिकारों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। इसका कारण वहां चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शन हैं, जो पिछले दो महीनों से हो रहे हैं और अब और भी उग्र हो गए हैं। राष्ट्रपति मंत्री जुआन कार्लोस ओरिलैक ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि सरकार कानून-व्यवस्था दोबारा स्थापित कर सके और उग्र समूहों से इलाके की रक्षा की जा सके।

हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है: रूसी राष्ट्रपति पुतिन

मास्को, एजेंसी। दुनिया भर में चल रहे युद्धों को लेकर एक बात सभी की जुबान पर आती है कि क्या मानव सभ्यता तीसरे विश्व युद्ध की तरफ बढ़ रही है? सेंट पिट्सबर्ग में जब यह सवाल रूसी राष्ट्रपति से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है और यह लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं, इसलिए हां मैं चिंतित हूं कि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। सेंट पीटर्सबर्ग में तमाम वैश्विक मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए पुतिन ने यूक्रेन में रूस के अपने युद्ध और इजरायल ईरान संघर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि ईरान में रूसी वैज्ञानिक दो नए परमाणु रिएक्टर केंद्र बना रहे हैं। ऐसे में ईरान के परमाणु केंद्रों के आसपास जो कुछ हो रहा है उससे वह बहुत ज्यादा चिंतित हैं। पुतिन ने कहा, यह बहुत परेशान करने वाला है। मैं बिना किसी मजाक या व्यंग्य के बोल रहा हूं। बेशक, दुनिया में संघर्ष की बहुत संभावना है.. और यह लगातार हमारी नाक के नीचे बढ़ रहा है और यह हमें सीधे तौर पर प्रभावित करता है। इसलिए.. यह जाहिर है कि यह घटनाओं पर हमें सावधानी पूर्वक ध्यान देने की जरूरत हैं और इसके साथ ही हमें इसका समाधान भी खोजना होगा।

पाकिस्तान में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण, जबरन कबूल करवाया इस्लाम, इंसाफ मांग रही मां

शाहदादपुर, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में हिंदुओं के साथ अत्याचार की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां शाहदादपुर में चार हिंदू भाई-बहनों का अपहरण कर लिया गया और उन्हें जबरन इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया गया। 22 वर्षीय जिया बाई, 20 वर्षीय दिया बाई और 16 वर्षीय दिशा बाई के अलावा, इन तीनों बहनों के 13 वर्षीय भाई हरजीत कुमार को किडनैप कर इस्लाम कबूल करवाया गया। इस घटना ने स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश पैदा कर दिया है और पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवस्थित उत्पीड़न पर सवाल उठाए हैं। बच्चों की मां न्याय के लिए भटक रही है।

क्या है पूरा मामला : रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना सिंध प्रांत के शाहदादपुर में हुई, जहां इन चारों भाई-बहनों को अगवा कर लिया गया। पीड़ितों की मां ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्थानीय कंप्यूटर शिक्षक फरहान खासखेली पर बच्चों को बहकाने और अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने आंखों में आंसू लिए कहा, मेरे पास तीन बेटियां थीं, और फरहान ने उन सभी को ले लिया। मां ने विशेष रूप से अपने 13 वर्षीय बेटे की वापसी की गुहार लगाई, जिसके बारे में उनका कहना है कि वह इतनी छोटी उम्र में धर्म के बारे में समझने में सक्षम नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में इन बच्चों के तथाकथित धर्मांतरण को दर्शाया गया है, जिसे कई लोगों ने सांस्कृतिक आतंकवाद करार दिया है। हिंदू पंचायत के प्रमुख राजेश कुमार ने इस घटना को न केवल एक पारिवारिक त्रासदी बल्कि सामुदायिक आपदा बताया। उन्होंने पीड़ित बच्चों की तस्वीरें दिखाते हुए सवाल उठाया कि क्या ये बच्चे इतने परिपक्व हैं कि वे स्वेच्छा से धर्म बदलने का निर्णय ले सकें।

पुलिस की कार्रवाई और पाक मीडिया का दावा : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, परिवार के विरोध के बाद पुलिस ने इन बच्चों को शाहदादपुर की एक अदालत में पेश किया। जहां दो बालिग लड़कियों को आश्रय गृह में भेजने का आदेश दिया गया तो वहीं एक नाबालिग लड़की और लड़के को मां-बाप को सौंप दिया। पाक मीडिया का दावा है कि इन चारों भाई-बहनों ने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है। वहीं परिवार का कहना है कि पुलिस के दबाव में बच्चे डरे हुए हैं। माता-पिता के वकील ने अदालत में दलील दी कि पुलिस ने चारों को कराची से बरामद किया था, जहां पर उन्हें शाहदादपुर से अगवा कर जबरन धर्म परिवर्तन कराया गया था। सभी की दलीलें सुनने के बाद, जज ने दो लड़कियों जिया बाई और दीया बाई को कराची के एक आश्रय गृह में रहने की अनुमति दे दी। दोनों लड़कियां मेडिकल छात्राएं हैं। इस बीच, अदालत ने आदेश दिया कि दो नाबालिगों 15 वर्षीय मैट्रिक छात्रा दिशा बाई और उसके 13 वर्षीय चचेरे भाई हरजीत कुमार को उनके माता-पिता को सौंप दिया जाए। लड़कियों के बयानों के आधार पर अदालत ने दो आरोपियों, जुल्फिकार खासखेली और फरहान को अपहरण के आरोपों से भी बरी कर दिया।

एक गहरी जड़ें जमा चुकी समस्या : यह घटना कोई अलग-थलग मामला नहीं है। सिंध और पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में हिंदू लड़कियों और हाल ही में लड़कों के अपहरण, बलात्कार, जबरन धर्मांतरण और उनके अपहरणकर्ताओं से विवाह की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। जानकारों का कहना है कि यह धार्मिक अतिवाद, पितृसत्तात्मक मानसिकता और संस्थागत उदासीनता का परिणाम है। हिंदू समुदाय के लिए, विशेष रूप से सिंध में, अपहरण और जबरन धर्मांतरण का डर एक निरंतर छाया की तरह बना हुआ है। 2016 में सिंध प्रांतीय विधानसभा ने जबरन धर्मांतरण को रोकने के लिए एक विधेयक पारित करने की कोशिश की थी, लेकिन धार्मिक दलों के विरोध के कारण यह प्रभावी नहीं हो सका। इस तरह की घटनाओं से अल्पसंख्यक समुदायों के लिए कानूनी संरक्षण की कमी उजागर होती है।

बंद होने के कगार पर अमेरिकी न्यूज चैनल वीओआई, ट्रंप प्रशासन ने 639 पत्रकारों को निकाला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की मशहूर और 83 साल पुरानी सरकारी न्यूज एजेंसी वॉयस ऑफ अमेरिका (वीओए) पूरी तरह से बंद होने के कगार पर है। कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रशासन ने वॉयस ऑफ अमेरिका और उसे चलाने वाली यूएस एजेंसी फोर ग्लोबल मीडिया (यूएसएजीएम) के 639 कर्मचारियों को छंटनी का नोटिस दिया गया।

इस साल मार्च से अब तक कुल 1,400 कर्मचारियों की नौकरी जा चुकी है, जो पूरी एजेंसी के 85त्न कर्मचारियों की संख्या है। ट्रंप प्रशासन की सलाहकार और एजेंसी की वरिष्ठ अधिकारी कारी लेक ने इसे बेहद जरूरी सुधार बताया और कहा कि सरकार अब इस फिजूलखर्च और जवाबदेही से दूर एजेंसी पर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करेगी।

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुई थी शुरुआत : बता दें कि वीओए की शुरुआत द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी के लोगों को अमेरिकी लोकतंत्र की बातें बताने से हुई थी। समय के साथ यह नेटवर्क दर्जनों भाषाओं में उन देशों में समाचार पहुंचाता रहा, जहां स्वतंत्र प्रेस की परंपरा नहीं थी। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि दुनिया भर में वीओए के प्रसारण की जगह कौन लेगा। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रंप समर्थक नेटवर्क वन अमेरिका न्यूज (ओएएन) ने अपना सिग्नल देने की पेशकश की है।

ईरानी सेवा के पत्रकारों के साथ सख्ती : मीडिया रिपोर्ट की माने तो वायस ऑफ अमेरिका की फारसी (पर्शियन) सेवा से जुड़े कुछ पत्रकारों को पिछले सप्ताह अचानक ड्यूटी पर बुलाया गया था, जब ईरान पर इस्राइल का हमला हुआ था। लेकिन शुक्रवार को जब उनमें से कुछ लोग ऑफिस से बाहर निकले, तो उनके पहचान पत्र जब्त कर लिए गए और उन्हें अंदर नहीं लौटने दिया गया। एक कर्मचारी ने डर के कारण ऑफिस छोड़ने से इनकार कर दिया, क्योंकि उन्हें अंदेशा था कि उन्हें भी बाहर कर दिया जाएगा। हालांकि कि मामले में तीन वरिष्ठ महिला पत्रकार जेसिका जेरियाट, केट नीपर और पैटसी विडाकुसवारा ने ट्रंप सरकार के खिलाफ अदालत में केस दायर किया है।

न्यूयॉर्क का एक स्कूल बेहद खास, यहां 500 में से 30 बच्चे हैं जुड़वां

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक स्कूल बेहद खास है, जहां पढ़ने वाले 500 छात्रों में से 30 छात्र जुड़वां हैं। इस हफ्ते ये छात्र इस स्कूल से ग्रेजुएट हो जाएंगे। इनमें से कई तो बचपन से साथ ही पढ़ाई कर रहे हैं। इन छात्रों के माता-पिता भी एक दूसरे को अच्छे से जानते हैं। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में स्थित जॉन एफ कैनेडी हाई स्कूल के कई छात्र को नर्सरी स्कूलों से एक दूसरे को जानते हैं। इन जुड़वां युवाओं के माता-पिता भी एक जुड़वां क्लब के माध्यम से जुड़े हुए हैं और अक्सर मिलते रहते हैं। ऐसा नहीं है कि न्यूयॉर्क का ये हाई स्कूल ही इस मामले में खास है। पिछले साल बोस्टन के एक मिडिल स्कूल में 23 जोड़ी जुड़वां भाई-बहन पढ़ाई करते थे। इसी तरह इलिनोइस के विननेटका में न्यू ट्रायर हाई स्कूल में 2017 में 44 जुड़वां बच्चे थे। स्नातक होने के बाद अब ये जुड़वां भाई-बहन अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं। एक भाई-बहन ही हैं, जो दोनों फ्लोरिडा विश्वविद्यालय जा रहे हैं। जो अलग-अलग कॉलेजों में जा रहे हैं, वो अपने साथी से दूर रहने के बारे में आशंकित हैं। सिडनी और कायला जसर ने कहा कि वे दोनों फैशन डिजाइन की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न कॉलेजों में। सिडनी डेलावेयर विश्वविद्यालय में भाग ले रही है जबकि कायला इंडियाना विश्वविद्यालय में पढ़ाई करेगी। कायला ने कहा, हम एक ही कॉलेज में जा सकते थे।

इजराइली हमले में ईरान के ड्रोन कमांडर की मौत, अब तक 12 अफसरों की हत्या

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल-ईरान के बीच जारी संघर्ष का आज 9वां दिन है। इस बीच इजराइल ने ईरान के ड्रोन कमांडर अमीन पोर जोदखी को हवाई हमले में मारने का दावा किया है। इससे पहले इजराइल ने 13 जून को ड्रोन यूनिट के चीफ ताहर फुर की हत्या कर दी थी। इसके बाद से जोदखी के पास ही ड्रोन यूनिट की जिम्मेदारी थी। इजराइल अब तक ईरान के 12 से ज्यादा सैन्य अफसरों की हत्या कर चुका है। इसमें ईरानी सेना के चीफ मोहम्मद बाघेरी, आईआरजीसी चीफ होसैन सलामी समेत कई और बड़े नाम हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे इजराइल को जंग रोकने के लिए नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर कोई जीत रहा है तो उसे रोकना मुश्किल है। ईरान और इजराइल के बीच शनिवार को भी जंग जारी है। ईरान ने सुबह इजराइल में तेल अवीव समेत दूसरे शहरों पर मिसाइल हमला किया। इससे कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, इजराइल ने भी जवाबी हमला करते हुए ईरान में कोम, इस्फहान में मिसाइल हमले किए। इसमें 2 लोगों की मौत हुई है और 4 घायल हैं। बीते 8 दिनों में इजराइल में 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 900 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं ईरान में 657 लोगों की

मौत हुई है और 2000 से ज्यादा घायल हैं। यह आंकड़ा वॉशिंगटन स्थित ईरानी ह्यूमन राइट्स ग्रुप ने दिया है।

इजराइल ने हमास को पैसा भेजने वाले ईरानी कमांडर को मारा इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बताया कि ईरान की कुद्स फोर्स में फिलिस्तीनी मामलों के प्रमुख सईद इजादी को इजराइली सेना ने ईरान के शहर कोम में एक अपार्टमेंट पर हमले में मार गिराया है। काट्ज ने कहा कि इजादी वही शख्स था जिसने 7 अक्टूबर 2023 हमले के लिए हमास को पैसा मुहैया कराया था। काट्ज ने इजादी के मारे जाने पर खुशी जताई और कहा कि इजराइल अपने दुश्मनों को कहीं से भी ढूंढ़ निकालने में काबिल है। काट्ज ने पुराने डॉक्यूमेंट का भी जिक्र किया जिसमें लिखा था कि 2021 में हमास नेताओं ने ईरानी सेना के एक बड़े अधिकारी को पत्र भेजकर इजराइल पर हमला करने के लिए 500 मिलियन डॉलर की मदद मांगी थी।

फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद, टला बड़ा हादसा; जांच जारी

फ्लोरिडा, एजेंसी। फ्लोरिडा में फाइबर ऑप्टिक लाइन कटने से कुछ समय के लिए रडार बंद हो गया। इससे एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स को थोड़ी देर के लिए रडार की जानकारी मिलनी बंद हो गई। हालांकि, इस आउटेज की वजह से कोई खास दिक्कत नहीं हुई। यह घटना उस तरह की गंभीर नहीं थी, जैसी इस साल वसंत में न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर हुई थी। उस समय वहां का सिस्टम बंद हो गया था और कई उड़ानों में बड़ी देरी हुई थी। नियंत्रक दक्षिण-पूर्व में पांच राज्यों में विमानों को निर्देशित करना जारी रखने में सक्षम थे, क्योंकि एक बैकअप सिस्टम डिजाइन के अनुसार चालू हो गया था।

जैक्सनविले में रडार केंद्र चालू रहा : संघीय उड्डन प्रशासन ने बताया कि फ्लोरिडा में जो रडार केंद्र जैक्सनविले में है, वह चालू रहा। हालांकि, वहां अलर्ट की स्थिति रही क्योंकि उसकी मुख्य संचार लाइन कट गई थी। एक ठेकेदार शुक्रवार दोपहर उस फाइबर लाइन की मरम्मत कर रहा था। अधिकारियों ने यह नहीं बताया गया कि फाइबर लाइन कैसे और कहां कटी।

एफएए ने नहीं बताया- रडार कितनी देर तक बंद रहा : फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) ने यह भी नहीं बताया कि रडार कितनी देर तक बंद रहा। हालांकि, पहले जब फिलाडेल्फिया में इसी तरह का रडार बंद हुआ था, तब उसे दोबारा चालू होने में 90 सेकंड लगे थे। लेकिन उस समय न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर काफी परेशानी हुई थी। नेवार्क में सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं और कुछ कंट्रोलर्स ने काम से छुट्टी ले ली थी। तब से उस हवाई अड्डे पर परिचालन में काफी सुधार हुआ है। जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया एएफए के प्रवक्ता ने बताया कि इस बार जैक्सनविले में बैकअप सिस्टम समय पर चालू हो गया, इसलिए कोई जरूरी हवाई सेवा बंद नहीं हुई। यह केंद्र अमेरिका के पांच राज्यों- अलबामा, जॉर्जिया, फ्लोरिडा, नॉर्थ कैरोलिना और साउथ कैरोलिना के बड़े हिस्से में लगभग 160,000 वर्ग मील के हवाई क्षेत्र में उड़ने वाले विमानों को निर्देश देता है। न्यूर्क में समस्याओं के लिए पुराने तांबे के तारों की विफलता को जिम्मेदार ठहराया गया था, जिस पर देश का अधिकांश हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली अभी भी निर्भर है। परिवहन अधिकारियों ने कहा कि न्यूर्क की समस्याओं ने सिस्टम के बहु-मिलियन डॉलर के ओवरहाल की आवश्यकता को प्रदर्शित किया है, जिसे वे कांग्रेस से मंजूरी दिलाने के लिए पैरवी कर रहे हैं।

ट्रंप का दर्द छलका, कहा- कुछ भी करूं, नोबेल नहीं मिलेगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार को लेकर अपनी इच्छा को सोशल मीडिया के माध्यम से जाहिर की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि उन्होंने दुनिया में कई बड़े शांति प्रयास किए हैं, लेकिन फिर भी उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।

चाहे कुछ भी कर लूं, मुझे नहीं मिलेगा... ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा कि मैंने कांगो और रवांडा के बीच समझौता करवाया, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रोका, सर्बिया और कोसोवो के बीच शांति लाई, मिस्र और इथियोपिया के बीच टकराव रोका और मिडिल ईस्ट में अब्राहम समझौते किए। फिर भी मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने आगे लिखा कि अगर सब कुछ सही चला, तो अब्राहम समझौते में और देश भी जुड़ेंगे और मिडिल ईस्ट पहली बार एकजुट हो पाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि चाहे वो रूस-यूक्रेन या इस्राइल-ईरान जैसे बड़े मुद्दों को भी सुलझा लें, तब भी उन्हें यह पुरस्कार नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि मैंने क्या किया है और मेरे लिए वही सबसे ज्यादा मायने रखता है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब नोबेल पुरस्कारों को लेकर वैश्विक बहस जारी है कि किसे और क्यों दिया जाता है।

ईरान के मुद्दे पर ट्रंप ने अपनी ही खुफिया एजेंसी को बताया गलत : वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के परमाणु हथियार को लेकर उनकी खुफिया एजेंसी की जानकारी गलत है। पत्रकारों ने ट्रंप से इस पर सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि तो मेरी खुफिया एजेंसी गलत है। जब बताया गया कि ये बात तुलसी गबार्ड ने कही है, तो ट्रंप ने साफ कहा, वो गलत हैं। बता दें कि अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने मार्च में संसद में बताया था कि अमेरिका की एजेंसियों के मुताबिक ईरान ने अब तक परमाणु बम बनाने का कोई फैसला नहीं किया है। बता दें कि हाल ही में ट्रंप के साथ लंच करने व्हाइट हाउस गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने भी ट्रंप को नोबेल दिए जाने का समर्थन किया था। इसी बीच पाकिस्तान ने औपचारिक रूप से भी ट्रंप को नामित कर दिया है, ऐसी खबरें सामने आई हैं।

लॉस एंजिलिस हिंसा के लिए जेडी वेंस ने डेमोक्रेट्स को ठहराया दोषी

लॉस एंजिलिस, एजेंसी। अमेरिका के लॉस एंजिलिस शहर में संघीय आव्रजन विभाग के छापों को लेकर हुई हिंसा के लिए उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम और लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास को दोषी ठहराया। इसके अलावा वेंस ने पहले लैटिन अमेरिकी सीनेटर एलेक्स पैडिला को जोस पैडिला कहा। जोस पैडिला राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के प्रशासन के दौरान अलकायदा आतंकवाद के एक दोषी साजिशकर्ता का नाम है। जिसे 20 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। सीनेटर जोस पैडिला को एक सप्ताह पहले अधिकारी जबरन जमीन पर ले गए थे और हथकड़ी लगाई थी। क्योंकि उन्होंने लॉस एंजिलिस में आव्रजन छापों पर होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम के एक समाचार सम्मेलन के दौरान अपनी बात रखी थी। वेंस ने कहा कि मुझे उम्मीद थी कि जोस पैडिला यहां सवाल पूछने के लिए आएंगे। मुझे लगता है कि उन्होंने इसलिए नहीं आने का फैसला किया क्योंकि वहां कोई थिएटर नहीं था। और बस यही बात है।वेंस ने कहा कि पैडिला अपने वामपंथी समूहों में वापस जाना चाहते हैं और कहना चाहते हैं, देखो, मैं सीमा प्रवर्तन के खिलाफ खड़ा हुआ था। मैं डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ खड़ा हुआ था।

लॉस एंजिलिस के दौरे पर पहुंचे जेडी वेंस : उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने लॉस एंजिलिस में मल्टीएजेंसी फेडरल जॉइंट ऑपरेशन सेंटर और मोबाइल कमांड सेंटर

का दौरा किया। ट्रंप ने वेंस को लॉस एंजिलिस ऐसे समय में भेजा है जब इस्राइल-ईरान युद्ध और इसमें अमेरिका की भावी भूमिका को लेकर उथल-पुथल मची हुई है। इससे साफ है कि ट्रंप अपनी कठोर आव्रजन नीतियों को राजनीतिक महत्व देते हैं। कैलिफोर्निया में जो हुआ वह त्रासदी थी संघीय आव्रजन प्रवर्तन कार्यालयों का दौरा करने के बाद वेंस ने कहा कि गैविन न्यूसम और कैरेन बास ने शहर को एक अभयारण्य शहर के रूप में मानते हुए मूल रूप से कहा है कि यह संघीय कानून प्रवर्तन के लिए खुला मौका है। यहां जो हुआ वह एक त्रासदी थी। आपके पास ऐसे लोग थे जो कानून लागू करने का सरल काम कर रहे थे और उनके पास गवर्नर और मेयर द्वारा उकसाए गए दंगाई थे, जिससे उनके लिए अपना काम करना मुश्किल हो गया। यह शर्मनाक है। और यही कारण है कि राष्ट्रपति ने इतनी जोरदार प्रतिक्रिया दी है।

न्यूसम और वास ने दिया जवाब : जेडी वेंस के बयान के बाद गवर्नर न्यूसम के प्रवक्ता इजी गार्डन ने कहा कि उपराष्ट्रपति का दावा पूरी तरह से झूठा है। गवर्नर ने लगातार हिंसा की निंदा की है और अपना रुख स्पष्ट किया है। वहीं मेयर करेन बास ने कहा कि वेंस झूठ और बकवास फैला रहे हैं। संघीय सरकार ने एक स्टंट पर करोड़ों डॉलर बर्बाद कर दिए। आपने यह कहने की हिम्मत कैसे की कि शहर के अधिकारी हिंसा को बढ़ावा देते हैं? हमने शांति बनाए रखी। वहीं सीनेटर पैडिला के प्रवक्ता टेस ओसवाल्ड ने कहा कि पैडिला और वेंस पहले सीनेट में सहकर्मी थे और कहा कि वेंस को बेहतर जानकारी होनी चाहिए। ओसवाल्ड ने कहा कि उन्हें सस्ते शॉट्स लेने के बजाय हमारे शहर को सैन्य मुक्त करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा राष्ट्र निर्माण में श्रमिक संगठन का बहुमूल्य योगदान रहा

कौमी पत्रिका

हरिद्वार 22 जून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को ऋषिकुल आर्युवेदिक कॉलेज ऑडिटोरियम में भारतीय मजदूर संघ उत्तराखंड द्वारा आयोजित युवा कार्यकर्ता सम्मेलन एवं संघ के स्वर्णिम सत्तर वर्षों का समापन समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि ऋषिकुल के इतने बड़े संस्थान में एक बड़ा सेन्टर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन, अध्यात्म, शिक्षा, आयुर्वेद ज्योतिष ध्यान के क्षेत्र में एक केन्द्र बने। इसके लिए घोषणा की कि मदन मोहन मालवीय राज्य शोध संस्थान की स्थापना इस ऋषिकुल में की जायेगी, जिसमें योग, ध्यान एवं अध्यात्म आदि अनेक विधाओं का अध्ययन किया जायेगा। इससे स्प्रिचुअल टूरिज्म को ब ?ाने में भी मदद मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आज भारतीय मजदूर संघ एक विस्तारित रूप में संगठित है, संगठन कों सुरूआती दौर में अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा। 23 जुलाई 2025 को यह संगठन अपनी स्थापना के 70 वर्ष पूर्ण कर रहा है। उन्होंने कहा कि सात दशक की यात्रा में तपस्या एवं राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिए एवं स्वदेशी विचारधारा को लिए हुए संगठन ने श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए तथा भारतीय संस्कृति से युक्त राष्ट्र निर्माण में श्रमिक संगठन का बहुमूल्य योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन ने श्रम योगी से राष्ट्र योगी बनने का मार्ग प्रशस्त किया। देश की आजादी के बाद देश में संसाधनों की कमी थी लेकिन हमारे श्रमिकों द्वारा राष्ट्र निर्माण में जो कार्य किया है वह अविश्वनीय है। आज देश में संसाधनों की कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि 7 दशक पूर्व देश में श्रामिकों द्वारा संचालित आंदोलनों पर विदेशी विचारधारा से प्रभावित होने के कारण स्वदेशी विचारधारा शून्य रहती थी। उस समय आंदोलनो में वंदे मातरम एवं भारत माता की जय का उद्घोष करने पर विकट स्थिति उत्पन्न हो जाया करती थी। संगठन एक विशाल वृक्ष बनकर श्रमिकों के हितों के लिए कार्य कर रहा है। संगठन ने देश के श्रमिकों, विद्यार्थियों, एवं युवाओं को एक नई विचारधारा दी है। आज हमारी सरकार श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखकर अनेक योजनाओं के अंतर्गत कार्य कर रही है, देश के अंतिम छोर के व्यक्ति तक इन योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। सरकार द्वार चलाए जा रहे श्रम पोर्टल पर करो ?ा श्रमिकों का पंजीकरण हुआ है। हमारी सरकार श्रमिकों के हितों के इएसआई, इएफओं, बीमा की सुविधा दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास के मूल मंत्र के साथ श्रमिकों का कल्याण कर रही है। श्रमिक भाइयों के हितों के लिए कई योजनाएं लागू की है उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा स्वास्थय एवं मोबाइल की सुविधा दे रही है, उनके 75 मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु रुद्रपुर टेक्निकल इंस्टीट्यूट में उच्च तकनीकि शिक्षा प्रदान करा रही है, जिन्हें, शिक्षा, आवास भोजन पूर्ण रूप से नि:शुल्क उपलब्ध करा रहे है, जिससे वे बिना किसी आर्थिक बाधा के अपने भविष्य का निर्माण कर सकें। उन्होंने कहा कि श्रमिक केवल श्रम के साधक ही नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण के पथ निर्माता भी हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की विशेष भूमिका रहने वाली है। उन्होंने कहा विश्व का सबसे युवा देश भारत है, जिसकी आबादी का 65 प्रतिशत लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाया गया, सही मार्गदर्शन मिलेगा तो जल्दी हमारा देश महाशक्ति के रूप में उभर सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने स्किल इण्डिया के लिए पहली बार डिपार्टमेंट बनाया। यह अभियान युवाओं को रोजगार से जो ?ने के साथ ही आत्मनिर्भर भारत अभियान में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हमारी हमारी सांस्कृति विरासत भी पुनरोत्थान की दिशा में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में संशक्त समृद्ध राष्ट्र के संकल्प के साथ विकसित और आत्म निर्भर राष्ट्र बनने की दिशा में हम आगे ब ? रहे हैं। आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जे के श्रमेव जयते के मन्त्र को धरातल पर उतारते हुए श्रमिकों के कल्याण के लिए व्यापक स्तर पर अनेक काम किये

जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनेक ऐंसी योजनाएं लाई जा रही हैं, जिसके कारण से समाज के अन्तिम छोर पर काम करने वाले हमारे श्रमिक भाई, उनका उत्थान हो, कल्याण हो, हर प्रकार से उनकी प्रगति हो, वह भी विकास की मुख्य धारा से जु ?ें। उन्होंने कहा कि देश के 29 पुराने और जटिल श्रम कानूनों के सरलीकरण के उद्देश्य से उनकों चार व्यापक श्रम संहिताओं में समाहित किया गया है। ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के करो ?ा श्रमिकों का पंजीकरण करते हुए औपचारिक अर्थव्यवस्था से भी जो ?ा गया है। जिसके माध्यम से करो ?ा श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हुई है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए श्रमयोगी मानधन योजनान्तर्गत एक हजार रूपये पेंशन की व्यवस्था भी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए श्रमिकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध होकर काम कर रही है। श्रमिकों के लिए आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा कार्ड, स्वास्थ्य बीमा जैसी योजनाएं संचालित कर रही है। सरका यह सुनिश्चित कर रही है कि श्रमिकों को किसी भी स्तर पर उपेक्षित न रहना प ?, कहीं परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्ननिर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के माध्यम श्रमिकों के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2015 में माननीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में स्किल डेवलपमेंट विभाग की स्थापना की गई है, सांस्कृतिक विरासत के क्षेत्र में अनेक कार्य किये जा रहे हैं उन्हें भगवान रामचंद्र का जन्म स्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण कार्य, बाबा विश्वनाथ का कॉरिडोर निर्माण कार्य, बद्रीनाथ धाम का मास्टर प्लान का कार्य एवं वर्ष 2013 में आई श्री केदारनाथ में भीषण आपदा के बाद श्री केदारनाथ का पुन: निर्माण कार्य हो इन सब के निर्माण में हमारे श्रमिकों द्वारा जितनी तेजी से इनका निर्माण कार्यों को सजाने सवारने में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आज उत्तराखंड चारधाम यात्रा में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या में अकल्पनीय बढ़ोतरी हुई है, इस वर्ष की चारधाम यात्रा में अभी तक एक माह 21 दिन में 12 लाख से अधिक यात्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं, वही चारों धाम में 33 लाख से अधिक का आंक ?ा पार कर चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे सभी स्थान तेजी से आगे ब ? रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में कोई भी आंतकी घटना घटित होती है तो विश्व की नजर भारत की ओर रहती है भारत का स्टैंड क्या रहने वाला है। आज दुनिया में एक ही विचारधारा वाले देश आपस में युद्ध से प्रभावित हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी सेना के शौर्य को पूरी दुनिया ने देखा हम वो देश नहीं जो सिर्फ टेबल टॉक करने वाले है, हमने सीधे दुश्मन के घर में घुस कर दुश्मनों के ठिकानों को नेस्तानाबूत किया, जिसका परिणाम यह रहा कि चार दिन में ही पाकिस्तान ने घुटने टेक दिए, हमारी मिसाइलो ने दुश्मनों के आतंकवादी ठिकानो को चुन-चुन कर तबाह किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अंदर लैंड जिहाद, लव जिहाद, थूक जिहाद पर हमारी सरकार शक्ति से कार्य कर रही है, पहले कहीं भी कोई भी पीला, नीली हरी चादर बिछाकर एवं दूसरे तरीके से लैंड कब्जाने का कार्य करते थे, ऐसे लैंड माफियाओं से अभी तक हमारी सरकार ने 6500 एक? अवैध जमीन को मुक्त कराया एवं अवैध निर्माणों को हटाया गया है। जब भी हम दुनिया के दूसरे देशों में जाते हैं उनसे भेंट वार्ता करते हैं तो वे हमें पूछते हैं आप कहां से आए हैं अपना परिचय देते हुए जब हम कहते हैं हम भारतवर्ष के उत्तराखंड राज्य से आए हैं उनके के चेहरों के भाव बदल जाते हैं कहते हैं कि आपक देव भूमि उत्तराखंड से आए हो उस वक्त हमें गर्व अनुभूति होता है। देवभूमि के मूल अस्तित्व के साथ कोई छे?-छा ? नहीं कर सकता, हल्द्वानी की वन भूलपुरा में हुई दंगों को देखते हुए हमारी सरकार ने प्रदेश में सशक्त दंगा कानून लाए इसके साथ ही पहले प्रदेश के प्रतिभावान छात्र, युवा चार-पांच साल से तैयारी में लगे रहने के बाबजूद भी चयन नहीं हो पता था नकल विरोधी कानून लाने से अब प्रदेश के प्रतिभावान छात्र एवं युवा तीन से चार प्रतियोगिता परीक्षाओं में चयन कर रहे है अब चयन का आधार नकल नहीं प्रतिभा है। हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस के तहत कार्य कर रही है जो भी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने पद, कर्तव्यों एवं जानकल्याण के हितों के कार्यों में लापरवाही बरतेगा उन्हें बख्सा नहीं जाएगा, अब छोटी-बड़ी मछलियों के साथ ही बड़े-बड़े मगरमच्छो को भी नहीं छोड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि 2022 से अभी तक हमारी सरकार ने 200 से अधिक जिन्होंने अपने कर्तव्य की प्रति ढलाई दिखाई उन्हें सजा दिलाई है। हमारी सरकार का जो संकल्प यात्रा है

चरणजीव मल्होत्रा ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लोगों को योग के लिए किया प्रेरित

नई दिल्ली। 22 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर गौ माता को राष्ट्रमाता की मांग करने वाले प्रख्यात समाजसेवी व कोरोना योद्धा और प्रेरणास्त्रोत चरणजीव मल्होत्रा ने योग के महत्व को रेखांकित करते हुए लोगों को नियमित योग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक वैज्ञानिक पद्धति है, जो तन, मन और आत्मा को संतुलन में लाकर व्यक्ति को स्वस्थ एवं सकारात्मक बनाती है। इस अवसर पर उन्होंने स्थानीय पार्क में आयोजित सामूहिक योग सत्र में भाग लिया, जिसमें सैक ?ों की संख्या में नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत सूर्य नमस्कार से हुई, उसके पश्चात ता ?ासन, वज्रासन, अनुलोम-विलोम, कपालभाति एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया। चरणजीव मल्होत्रा ने अपने संबोधन में कहा, योग हमारे पूर्वजों की अनमोल देन है। यह केवल भारत की नहीं, अब संपूर्ण विश्व की धरोहर बन चुका है। जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और मानसिक स्थिरता लाने के लिए योग एक सशक्त साधन है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और कामकाजी वर्ग को योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। उनकी प्रेरक वाणी और व्यक्तिगत उदाहरण से लोगों में योग के प्रति उत्साह देखा गया। कई प्रतिभागियों ने यह भी कहा कि चरणजीव मल्होत्रा की सक्रिय भागीदारी ने उन्हें जीवन में अनुशासन और आत्म-देखभाल के प्रति जागरूक किया है।

मल्होत्रा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन धरोहर है जो न केवल शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन और आत्मा को भी संतुलन में लाता है। आज की भागदौ ? भरी ज़िंदगी में योग मानसिक शांति और शारीरिक मजबूती का सर्वोत्तम माध्यम है। आगे उन्होंने कहा कि जब आज पूरी दुनिया योग को केवल शारीरिक व्यायाम के रूप में देखती है, तब हमारे रसोईघर के कर्मचारी योग के वास्तविक उद्देश्य—आत्म-संयम, सेवा भाव और ईश्वर से जु ?ाव—को अपनाकर एक प्रेरणास्पद उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। यह अभ्यास न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को संतुलित करता है, बल्कि समाजसेवा में उनकी प्रतिबद्धता को भी और अधिक दृ ? करता है। कार्यक्रम के अंत में चरणजीव मल्होत्रा ने सभी को यह संकल्प दिलाया कि वे प्रतिदिन कम से कम 30 मिनट योगाभ्यास अवश्य करेंगे और अपने परिवार व समाज में भी योग के प्रति जागरूकता फैलाएंगे। इस अवसर पर स्थानीय गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षकगण, जिनमें युवा, बुजुर्ग, महिलाएं और बच्चे विद्यार्थियों एवं महिलाओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य, सद्भाव और सामाजिक चेतना की दिशा में एक सफल पहल सिद्ध हुआ। चरणजीव मल्होत्रा का यह प्रयास एक प्रेरणा के रूप में सामने आया, जिससे योग को जन-जन तक पहुंचाने की मुहिम को नई ऊर्जा मिली। उन्होंने न केवल स्वयं योग करके उदाहरण प्रस्तुत किया, बल्कि पूरे समाज को भी स्वास्थ्य और अनुशासन की ओर अग्रसर किया। उनका यह कार्य समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

मानसून सीजन की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

चंडीगढ़, 22 जून। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने आगामी मानसून सीजन के दौरान संभावित जलभराव और बाढ़ की स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी सतर्कता और तत्परता के साथ फील्ड में सक्रिय रहकर आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में पीने के पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए और इसके लिए पानी की आपूर्ति व्यवस्था पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ नियत्रंण से संबंधित आवंटित कार्यों की सभी परियोजनाओं को समय रहते पूरा किया जाए, ताकि प्रदेश में मानसून के दौरान कोई जलभराव की स्थिति उत्पन्न ना हो। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने सोमवार को चंडीग? में मानसून के दौरान संभावित जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए और प्रदेश में पानी की व्यवस्था को लेकर सिंचाई विभाग व पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सिंचाई मंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश में कुल 873 ड्रेन में से 676 साफ किया जाना है, जिसमें से 470 ड्रेन साफ की जा चुकी हैं, शेष ड्रेन की सफाई 20 जून तक करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बाढ़ नियंत्रण के लिए अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक परियोजनाओं के संबंध में सभी जिलाधिकारियों से जिलावार रिपोर्ट भी ली। बैठक में मंत्री को इस बात से भी अवगत कराया कि 56वीं हरियाणा राज्य सूखा राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में 209 लघु अवधि की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी जिनमें से 194 का कार्य प्रगति पर है जिनमें से 8 कार्य पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी कुशलता से काम करें और सुनिश्चित करें कि ये परियोजनाएं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरी हों, अन्यथा सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री मोहम्मद शाईन ने मंत्री को अवगत करवाया कि ऐसे जिले जहां बारिश से जलभराव की आशंका अधिक रहती है वहां पानी की निकासी के लिए विभिन्न प्रकार के पंप, मोटर, पैनल आदि की खरीद और पाइपलाइन बिछाने, ड्रेन की सफाई व सीवरेज की सफाई का कार्य भी जल्द से जल्द पूरा कर लिया जाएगा। सिंचाई मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां-जहां ड्रेन सफाई का काम हो रहा है, वहां पर अधीक्षक अभियंता स्तर के अधिकारी मौके पर जाएं और इस कार्य की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया पर लाइव व पोस्ट करें ताकि लोगों को लगे की काम पूरी तरह से पारदर्शिता के साथ हो रहे हैं। श्रुति चौधरी ने अंत में यह दोहराया कि बाढ़ से पहले तैयारी, जनता की सुरक्षा की गारंटी है। प्रदेश सरकार हर नागरिक की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। बैठक में हरियाणा जल संसाधन एवं प्राधिकरण की चेयरपर्सन श्रीमती केशनी आनंद अरोड़ा व विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

विनियमन और व्यापार सुधारों में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बना हरियाणा

चंडीगढ। हरियाणा के मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य एक ऐसा शासन मॉडल बनाना है जो सुरक्षा या जवाबदेही से समझौता किए बिना उद्योगों को ब ?ावा दे। लालफीताशाही को कम करके, डिजिटल समाधानों को अपनाकर, सरकार का लक्ष्य प्रदेश को निवेश और नवाचार के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के तौर पर स्थापित करना है। मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में आज यहां हुई उच्च स्तरीय विनियमन समीक्षा बैठक में, नौकरशाही से जु ?ी बाधाओं को कम करने, विनियमों को सरल बनाने और कारोबार करने में सहुलियत को ब ?ावा देने के लिए, इन्हें राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के बनाने के उद्देश्य से एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया गया। गौरतलब है कि हरियाणा ने विनियमन और अनुपालन में कमी करके स्वयं को व्यापार-अनुकूल राज्य के तौर पर स्थापित किया है। सुधारों के इस सफर में क्षमता निर्माण कार्यशालाओं, एमआईएस ओरियंटेड सत्रों और औद्योगिक आउटरीच के माध्यम से हितधारकों के साथ निरंतर जु ?ाव शामिल है। कैबिनेट सचिवालय की हालिया समीक्षा ने विभागों को विनियमन पोर्टल पर डेटा अपलोड करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे पारदर्शिता ब ?ेगी। हरियाणा श्रम सुधारों में अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है। राज्य ने 14 जोखिम वाले उद्योगों में काम करने वाली महिलाओं से पुराने प्रतिबंधों को हटा दिया है। अब सुरक्षा उपायों के साथ गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं की भागीदारी की अनुमति दी गई है। रात्रि पाली में महिलाओं के रोजगार की शर्तों को युक्तिसंगत बनाया गया है, अनिवार्य अनुमतियां हटा दी गई हैं, कोरम की आवश्यकताएं कम की गई हैं और साझा परिवहन और जीपीएस-सक्षम वाहनों जैसे सुरक्षा प्रोटोकॉल पेश किए गए हैं। इसके अलावा, नौकरी से हटाने, छंटनी करने और किसी इकाई को बंद करने के लिए सरकार से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने की सीमा 100 से ब ?ाकर 300 कर्मचारी कर दी गई है। उद्योगों के लिए परिचालन सम्बन्धी लचीलापन ब ?ाने के उद्देश्य से काम के घंटे और ओवरटाइम सीमा ब ?ाने के लिए भी संशोधन प्रस्तावित हैं। राज्य अपने भूमि उपयोग और निर्माण विनियमों में तत्परता से सुधार कर रहा है। ट्रांजिट-ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) जोन के बाहर मिक्सड लैंड यूज को ब ?ावा देने के लिए एक नया जोनिंग ढांचा विकसित किया जा रहा है। भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) प्रक्रिया के डिजिटलीकरण से दस्तावेजी आवश्यकताएं और प्रोसैसिंग टाइम कम हो गया है। उपायुक्तों को एक एक? तक के सीएलयू आवेदनों को स्वीकृत करने का अधिकार दिया गया है, जिससे विकेंद्रीकरण को ब ?ावा मिला है। भवन विनियमों के सम्बन्ध में, हरियाणा ने स्व-प्रमाणन और थर्ड-पार्टी प्रमाणन प्रणाली को अपनाया है। एचओबीपीएएस पोर्टल से कम जोखिम वाली इमारतों के लिए आठ दिन की समय-सीमा के अन्दर डिजिटल अनुमोदन हो जाता

कार्यालय-दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद, जिला-बालोद (छ.ग)

// ई-निविदा सूचना //

ई-निविदा क्र. 170476, 170477, 170481, व 170482 **दिनांक- 21/06/2025**

दंतेश्वरी मैया सहकारी शक्कर कारखाना मर्यादित बालोद द्वारा पेराई सत्र 2025-28 हेतु मरम्मत के लिए विभिन्न **अधिकृत व मेक सामग्रीयों के क्रय** एवं विभिन्न **सर्विसिंग कार्यों** हेतु द्वितीय एवं दैनिक ठेका श्रमिक नियोजन हेतु प्रथम ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा हेतु इच्छुक फर्मों/निविदाकार द्वारा भाग लेने के लिए ई-टेण्डर के वेबसाईट में जाकर पृथक-पृथक ई-निविदा हेतु फार्म राशि 1000/- + 311/- चिप्स के द्वारा ली जाने वाली सर्विस चार्ज ऑनलाईन के माध्यम से जमा कर शासकीय ऑनलाईन वेबसाईट (E-procurement Portal:http://eproc.cgstate.gov.in) में फार्म अपलोड किया जाना है।

नोट:-निविदा की शर्ते व नियम निविदा प्रपत्र कारखाने के वेब साईड www.dmsskm.com में भी अवलोकन कर सकते है। ई-निविदा हेतु तकनीकि सहयोग के लिए सम्पर्क-7987900070 एवं अन्य जानकारी हेतु 9098817773

प्रबंध संचालक

करोड़ों की फसलों और वन संपदा को चट कर रही दीमक

रंगस (हमीरपुर), 22 जून। हमीरपुर और आसपास के अधिकतर क्षेत्रों में दीमक (सीणक) दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। फसलों और घरों में लगी लकड़ी के साथ-साथ अब पेड़-पौधों को भी दीमक नष्ट कर रही है। हर वर्ष भारत में दीमक की वजह से करोड़ों रुपये की फसलों, वन संपदा, इमारती लकड़ी एवं भंडारण को नुकसान होता है। नेरी महाविद्यालय में कीट विज्ञान विभाग के एचओडी डॉ. वीरेंद्र राणा ने नेरी महाविद्यालय में दीमक की बामी का निष्कासन किया, जो मृदा के करीब तीन फुट नीचे थी। इसकी चौड़ाई 3.8 फुट एवं बामी की चिमनियों की लंबाई लगभग तीन फुट थी। कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान बामी से टरमाइट क्वीन को निष्काषित किया। बामी से निष्काषित रानी दीमक 9.85 सेंटीमीटर लंबी थी। इसकी आयु लगभग तीन वर्ष की थी, जो कि बहुत ही युवा है। दीमक की विभिन्न प्रजातियों में से मुख्य रूप से माइक्रोटर्मिस ओवैसी हिमाचल प्रदेश में पाई जाती है। वर्षा ऋतु में दीमक प्रजनन करने वाली अवस्था में विद्युत बल्ब या फिर किसी भी रोशनी की तरफ आकर्षित होती है। इसी समय उनकी प्रजनन प्रक्रिया शुरू होती है। रानी दीमक केवल अंडे देने का काम करती है। दीमक रानी एक सेकेंड में एक अंडा देती है और 5 से 25 वर्ष तक अंड निक्षेपण का कार्य करती है। इसी दौरान प्रजनन कर सकती है। दीमक के लाइफ साइकिल पर भी अध्ययन शुरू किया गया है। डॉ. राणा ने बताया कि दीमक का प्रकोप ज्यादा हो, तो आसपास की बामी को सावधानीपूर्वक खोदें और रानी दीमक को नष्ट कर दें। इसके अतिरिक्त बुवाई से पहले या बाद में क्लोरपायरीफॉस 20-ईसी का दो से तीन लीटर प्रति हेक्टेयर या फिर दो-तीन मिलीलीटर प्रति एक लीटर पानी की मात्रा से मृदा में छि ?काव किया जा सकता है। हालांकि दीमक को पूर्णत: नष्ट नहीं किया जा सकता। वहीं, इसके नुकसान के अलावा प्रकृति में इसके फायदे भी हैं

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री ज़ीशान खान पुत्र श्री याकूब खान, ग्राम मकनपुर, परगना लोनी, तहसील दादरी, जनपद गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश स्थित एक भूखंड क्रय करने का इरादा रखते हैं। यह भूखंड खसरा संख्या 1227 मिन से संबंधित है, जिसका क्षेत्रफल 6 बिस्वा, 13 साहि और 1/3 बिस्वंसी पुख्ता है, जिसे श्री पवन कुमार से खरीदा जा रहा है। उक्त संपत्ति के मूल स्वामित्वधारी श्रीमती सुशीलावती पत्नी श्री नरेंद्र नाथ शर्मा श्री पवन कुमार पुत्र श्री नरेंद्र नाथ शर्मा इन्होंने यह संपत्ति श्री सुरेंद्र लाल पुत्र श्री रामलाल से खरीदी थी, जो श्री रामलाल के पावर ऑफ अटॉर्नी धारक थे। यह विक्रय विलेख दिनांक 29.03.1982 को पंजीकृत की गई थी। दुर्भाग्यवश, श्रीमती सुशीलावती का निधन 09.05.1992 को हो गया, जबकि उनके पति श्री नरेंद्र नाथ शर्मा का उनसे पूर्व 21.12.2006 को निधन हो चुका था। उनके इकलौते वैध उत्तराधिकारी श्री पवन कुमार हैं, जो अब इस संपत्ति के पूर्ण और एकमात्र स्वामी हैं। यह संपत्ति सभी प्रकार के विवादों, भारों, देयों, दावों या किसी भी प्रकार की रुकावट से मुक्त है, और इसका वित्तपोषण आरबीएल बैंक, गाज़ियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE
I, YASH PAL S/O SHYAM LAL R/O T1-1202, BESTECH PARK, WIEW DELIGHT APARTMENTS, DHARUHERA, REWARI, HARYANA-123106,HAVE CHANGED MY NAME TO YASHPAL ARORA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE
I, HARMINDAR KAUR W/O JASVINDER SINGH R/O A-20, VISHNU GARDEN WEST DELHI, DELHI 110018, I HAVE CHANGED MY NAME FROM HARMINDAR TO HARMINDAR KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSE.

NAME CHANGE
I, MUSTARI KHANAM W/O SIRAJUDDIN QASMI residing at H NO-HOUSE NO-12, NALA MARKET, WEST PATEL NAGAR, DELHI-110008 have changed my name to MUSHTARI KHANAM for all future purpose.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JUJJURI POTHULURAIAH CHARY Father of JC-781407A Rank-NB SUB Name-JUJJURI SREENIVASA CHARI Presently residing at HOUSE NUMBER: 4-78, VILL- CHEGOMMA, PO-CHEGOMMA, TEH-KUSUMANCHI, DIST-KHAMMAM, TELANGANA-507170, in my son s service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 05/07/1953 vide Affidavit dated 21/06/2025 before Notary Public, Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, JUJJURI JAYAMMA Mother of JC-781407A Rank-NB SUB Name-JUJJURI SREENIVASA CHARI Presently residing at HOUSE NUMBER: 4-78, VILL- CHEGOMMA, PO-CHEGOMMA, TEH-KUSUMANCHI, DIST-KHAMMAM, TELANGANA-507170, in my son s service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1967 instead of my correct date of birth as 06/08/1958 vide Affidavit dated 21/06/2025 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN I.E. ORIGINAL SALE DEED DT. 07.03.2007 IN FAVOUR OF MRS. SARASWATI DEVI VIDE DOC. NO. 2507, VOLUME NO. 4152, ON PAGES NO. 1-10 IN SRO-3-GZB & ORIGINAL SALE DEED DT. 25.01.2011 IN FAVOUR OF MRS. SHANTI DEVI VIDE DOC. NO. 620, VOLUME NO. 6956, ON PAGES NO. 327-348 IN SRO-3-GZB, BOTH THE SALE DEEDS EXECUTED FOR PLOT NO. 37, AREA 97.97 SQ.YDS. KHASRA NO. 53, AT VILLAGE SIHANI, GHAZIABAD,, HAVE BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. JAGMENDRA BHATI SON OF MR. SHISH RAM BHATI, R/O D-365, NANDGRAM, GHAZIABAD AND SAID OWNER MR. JAGMENDRA BHATI PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE SALE DEED DT. 26.04.2012 VIDE DOC. NO. 4806, VOLUME NO.8173, ON PAGES NO. 225-244 IN SRO-3-GHAZIABAD, U.P AND NOW MR. SANJAY S/O MR. KARAN SINGH, R/O H. NO. 69-B, SECTOR-10-B, VASUNDHARA, GHAZIABAD, U.P. IS GOING TO PURCHASE THE SAID PROPERTY, FROM OWNER / SELLER MR. JAGMENDRA BHATI, WHICH WILL BE MORTGAGED WITH EASY HOME FINANCE LIMITED AS SECURITY AGAINST HOUSING LOAN FOR PURCHASING OF SAID PROPERTY. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEEDS IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 07 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.
ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, MANSAROVAR PARK,
SHAHDARA, DELHI-110032
MOBILE NO. 9999042521

NAME CHANGE
I, MOHD ABID KHAN Son of MOHD ZAHID KHAN, R/o H.No. 192/2, Gali No-5A, Zakir Nagar, Jamia Nagar, Okhla, New Delhi-110025, have changed the name of my minor daughter MAHUM, aged 15 years and he shall hereafter be known as MAHAM NOOR.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Deepak & Smt. Vinita** is/are purchasing of the Flat on Ground Floor without roof rights Back Side area measuring 82 sq. yds. built on Property No. B-42 out of Khasra No. 1076/5/2/305 situated at Dilshad Extn. No. 1 now known as Dilshad Colony in the area of village Jhilmil Tahirpur Illaqa Shahdara Delhi 110095 from Smt. Usha Kaur who is the owner of the property vide Relinquishment Deed dated 24.11.2023 registered as doc No. 9222 registered in SRO IV A Shahdara and Intend to mortgage the said property with **SMFG India Home Finance Company Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Aman Jha** is/are purchasing of the Plot of Land, area admeasuring 45 Sq. Yds., out of total area measuring 500 Sq. Yds., part of Khasra No. 21/19min., situated in the area of Village Burari, colony known as B-Block, Kaushik Enclave, New Delhi-110084 from Sanjay Kumar who is the owner of the above-mentioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 14.12.2016 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Limited.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

NAME CHANGE
I, Chanpreet Kaur Mundra alias W/O Vikas Mundra D/O Parmjeet Singh R/O C-44 Kailash Apartment Kailash Colony South Delhi 110048 Have changed my name to Chanpreet Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Mohammad Ghazi, S/o Akhtar Abbas, residing at F-36, Third Floor, Nafees Road, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, District South East Delhi, Delhi 110025, have changed my name Mohd Ghazi

NAME CHANGE
I INDERJEET KAUR W/O PARGAT SINGH PATTI BABA JIWAN SINGH V-P-O SULTAN WIND AMRITSAR PIN - 143001 PUNJAB I HAVE CHANGED MY NAME FROM INDERJIT KAUR TO INDERJEET KAUR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, syed Akhtar abbas s/o,syed muharram ali Abbas, residing at F-36, Third Floor, Nafees Road, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, District South East Delhi, Delhi 110025, have changed my name to akhtar abbas

NAME CHANGE
I, Rajender Verma S/O Mahinder Pal R/O 236 1st floor Pocket-1 Paschim Puri, Paschim Vihar West Delhi 110063 Have changed my name to Rajinder Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Manju D/O Ramesh Kumar W/O Rajender Verma R/O 236 1st floor Pocket-1 Paschim Puri, Paschim Vihar West Delhi 110063 have changed my name to Manju Verma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, shabab zahra w/o Akhtar Abbas, residing at F-36, Third Floor, Nafees Road, Batla House, Jamia Nagar, Okhla, District South East Delhi, Delhi 110025, have changed my name to shabab zehra

NAME CHANGE
I, Mohd Naeem s/o Aziz Ahmed R/O 6496, Gali Ishwari Parsad, Bara Hindu Rao, Delhi-110006, have changed my name to Naeem Ahmad for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHABIR AHMED S/o SUMAR KHAN R/o H NO-12C/1, GROUND FLOOR, BASANT GAON, NEW DELHI-110057, have changed my name from SHABIR AHMED to SHABIR AHMAD for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GULAM FATIMA W/o SHABIR AHMAD R/o H NO-12C/1, GROUND FLOOR, BASANT GAON, NEW DELHI-110057, have changed my name from GULAM FATIMA to GULAM FATAMA for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ASHA W/O SHASHI PAL residing at H NO-334, BUDHVIHAR, MUNIRKA VILLAGE, DELHI-110067 have changed my name to ASHA PAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Jaza w/o Mohd Amir R/O 8037, GALI TYRE WALI, BARA HINDU RAO, North Delhi, 110006, have changed my name to Jaza Naeem for all future purposes.

NAME CHANGE
I hitherto known as Suresh Sharma alias Suresh Kumar alias S.K.Sharma S/O Mohanlal Sharma R/O E-219 Paramount Golef Foreste Sector Zeta1 Greater Noida Tilpata Karanwas Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh - 201306,have changed my name and shall hereafter be known as SURESH SHARMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as MANITA KUMAR alias MANITA D/o MOHINDER SINGH KUMAR W/o MANISH MIDHA, R/o B-3/22, Third Floor, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi - 110063 have changed my name and shall hereafter be known as MANITA MIDHA

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sunil Chaudhary** is the purchasing the Plot No. 99 Area measuring 60 Sq. Yds. (Out of Total Area of 100 Sq. Yds.), out of Khasra No. 36/13 Min. (2-0), 18(2-1), 19(6-0), 20/1(1-3), Situated in Village Nangli Sakrawati Ranaji Enclave Najafgarh Delhi - 110043 from Mr. Suresh Chand Meena who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 26.09.2024 and intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.
Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony,
New Delhi-110048,
Contact no.- 49774545

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारी ग्राहक आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल श्रीमती सविता देवी और श्री हरेंद्र सिंह फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट के मालिक हैं, जिसका कुल क्षेत्रफल 370.52 वर्ग है। मीटर, (41.82 वर्ग मीटर + 62.31 वर्ग मीटर + 62.31 वर्ग मीटर + 78.62 वर्ग मीटर + 125.46 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 201 के भाग से उत्पन्न, ग्राम शाहपुर जाटत, परगना तहसील और जिला हापुड, उत्तर प्रदेश के क्षेत्र में स्थित है। विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2014 के आधार पर, पृष्ठ संख्या 347-360 एसआर-हापुड़-द्वितीय और पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 3756 में दस्तावेज़ संख्या 6131 के आधार अन्य विक्रय विलेखों की, श्रृंखला में नीचे उल्लिखित दस्तावेज़ उपलब्ध नहीं हैं यानी
(1) मूल विक्रय विलेख दिनांक 09.02.2011,
(2) मूल विक्रय विलेख दिनांक 01.08.2013,
(3) मूल विक्रय विलेख दिनांक 01.08.2013,
(4) मूल विक्रय विलेख दिनांक 28.11.2013,
(5), मूल विक्रय विलेख दिनांक 28.11.2013,
अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, जिसका वित्तपोषण उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड शाखा राज नगर उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाएगा। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अधिकारी व कर्मचारी योग के लिए समय निकालें : अनुराग़ रस्तोगी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग़ रस्तोगी ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रतिदिन सुबह योग अथवा सैर के लिए अवश्य समय निकालना चाहिए ताकि वे मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहें। मुख्य सचिव 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हरियाणा सिविल सचिवालय चंडीगढ़ के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए हरियाणा निवास में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। अनुराग़ रस्तोगी ने कर्मचारियों एवं अधिकारियों को योग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि योग करने से असीम शक्ति एवं ऊर्जा मिलती है। इससे कार्यालय में काम करने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। उन्होंने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग से स्वास्थ्य ठीक रहता है और घर-परिवार में सुख समृद्धि आती है। इसके बाद, योग आयोग के कंसलटैंट राजेश शर्मा ने सभी उपस्थित जनों को कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया।

गरीबों की आशा बनी है भाजपा: डॉ. अरविंद शर्मा

सोनीपत। सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार पर आज हर गरीब और वंचित को पूर्ण भरोसा है। बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थिति को सशक्त किया है। डॉ. शर्मा गांव पूठी में पंप सैट का उद्घाटन करने पहुंचे। ग्रामीणों ने उनका व उनकी धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा का फूल मालाओं से स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनकल्याणकारीयोजनाओं का सफल क्रियान्वयन हो रहा है, जिससे गरीबों को आशा की नई किरण मिली है। देश के अंदर व्यवस्था बेहतर हुई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि सशक्त हुई है। उन्होंने बताया कि सरकार ने हर वर्ग को संरक्षण देकर भाजपा के प्रति जनविश्वास को मजबूत किया है। डॉ. शर्मा ने ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं से संवाद करते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान आदि योजनाओं पर प्रतिक्रिया प्राप्त की। लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए इन योजनाओं को जीवन बदलने वाला बताया।

बस-कार की भिड़ंत में दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल की मौत

गुरुग्राम। सुबह यहां गुरुग्राम-जयपुर रोड पर बिलासपुर के पास बस व कार के बीच भीषण टक्कर हो गई। बस राजस्थान रोडवेज की थी, जो पलटी खाकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कई लोग घायल हुए। बस में सवार दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल अशोक कुमार यादव की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार राजस्थान रोडवेज की बस नंबर-आरजे20-पीबी2421 दिल्ली से जयपुर की तरफ जा रही थी। जैसे ही बस बिलासपुर चौक के पास पहुंची तो एक वैगनआर कार नंबर-एचआर26-डीएस5626 के साथ बस की भीषण टक्कर हो गई। बस इतनी तेज गति में थी कि टक्कर लगने के बाद करीब 50 मीटर दूरी जाकर पलटी। गनीमत यह रही कि बस की चपेट में कोई राहगीर नहीं आया। कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बस में भी काफी नुकसान हो गया। बस की छत तक दो जगह से इस हादसे में फट गई। बस में सवार कई लोग बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों में दिल्ली पुलिस के एक हेड-कांस्टेबल अशोक कुमार यादव भी शामिल थे। अस्पताल में उपचार के दौरान हेड-कांस्टेबल की मौत हो गई। घायलों को प्रकाश अस्पताल और फोर्टिस अस्पताल गुरुग्राम में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद बस का चालक मौके पर फरार हो गया।

पूरी दुनिया ने भारत का अनुशरण कर योग पद्धति को अपनाया: सुमन बहमनी

एजेंसी

यमुनानगर। 11 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरी दुनिया में धूमधाम के साथ मनाया गया। इसी कड़ी में जिला यमुनानगर के सरकारी, निजी शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी जिले के सभी खंड व तहसील स्तर पर अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न स्थानों पर इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में पहुंचे छात्र, छात्राओं व नागरिकों ने योग किया। तहसील बिलासपुर की अनाज मंडी में आयोजित अंतराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम की महापौर ने शिरकत की और योग किया। महापौर ने इस मौके पर कहा कि हजारों वर्षों से हमारे ऋषि, मुनियों ने योग पद्धति के माध्यम से अपने तन और मन को स्वस्थ करने के साथ-साथ अपने अध्यात्म जीवन को भी मजबूत बनाया है। इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए योग गुरु रामदेव ने इस आधुनिक समय में योग के महत्व को समझाते हुए पूरी दुनिया को इसका महत्व समझाया है। जिसके कारण आज पूरा विश्व योग पद्धति की शक्ति से परिचित हुआ है और भारत का अनुशरण कर योग को अपने जीवन में अपना रहा है और अपने जीवन का महत्वपूर्ण अंग मान रहा है। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन सुबह कुछ ही मिनटों के योग करने मात्र से आम आदमी पूरा दिन चुस्त दुरुस्त रहता है और बीमारियों से भी बचा रहता है। इसीलिए हमें प्रतिदिन अपनी प्रारम्भिक क्रिया में योग को अपनाना चाहिए।

लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन में एक नई शक्ति बनेगा हरियाणा : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन के क्षेत्र में एक नई शक्ति बनकर उभरेगा। धीरपुर (कुरुक्षेत्र) का अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित भारत-विकसित हरियाणा के निर्माण में मील का पत्थर साबित होगा। इससे प्रदेश के किसानों, उद्यमियों व व्यापारियों की समृद्धि बढ़ेगी और हमारे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इनलैंड कंटेनर डिपो धीरपुर के पीएम गति शक्ति कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा में दुबई के सर्राफ ग्रुप का निवेश

राज्य की आर्थिक नीतियों और यहां के व्यापार-अनुकूल माहौल के गहरे विश्वास को दर्शाता है, जो भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत होते आर्थिक संबंधों का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक आधुनिक लॉजिस्टिक सुविधा का लोकार्पण नहीं है, बल्कि यह हरियाणा के सामर्थ्य, किसानों, व्यापारियों व उद्यमियों की समृद्धि और युवाओं के भविष्य को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोई भी राष्ट्र अपने अतीत की नींव पर ही अपने भविष्य का निर्माण करता है। कुरुक्षेत्र की पहचान हमेशा से बड़े और साहसिक फैसलों के लिए रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से लैस यह कंटेनर डिपो 18 एकड़ भूमि पर बनाया गया है। इसके अलावा, सर्राफ ग्रुप द्वारा पलवल में 115 एकड़ भूमि पर मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक पार्क संचालित किया जा रहा है। रेवाड़ी में भी 30 एकड़ भूमि पर ट्रांसशिप हब विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब यहां भी कस्टम क्लीयरेंस से लेकर वेयरहाउसिंग और कोल्ड स्टोरेज तक की आधुनिक सुविधाएं एक ही जगह पर मिलेंगी। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, सर्राफ ग्रुप के वाइस चेयरमैन शराफुद्दीन सर्राफ, सर्राफ ग्रुप के अध्यक्ष सलाह सर्राफ सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

पेयजल किल्लत पर ग्रामीणों ने जलघर के बाहर लगाया धरना

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिला के गांव फूलकां पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों ने वाटर वर्क्स के बाहर धरना लगा दिया। ग्रामीणों ने विभागीय कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की। सूचना मिलने पर विभागीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत करवाया। ग्रामीणों ने दो दिन का अल्टीमेटम देते हुए धरना समाप्त किया। जानकारी अनुसार गांव में सुचारू तरीके से पेयजल सप्लाई न होने से नाराज ग्रामीण सुबह जलघर में पहुंचे तो वहां पब्लिक हैल्थ विभाग द्वारा तैनात चार कर्मचारियों में से एक भी कर्मचारी मौजूद नहीं था। करीब दस बजे दो कर्मचारी पहुंचे तो ग्रामीणों ने उनको काफी खरी-खोटी सुनाई। ग्रामीण रामजी लाल खिचड़, युवराज कुलडिया़, कुलदीप, ओमप्रकाश, भरतसिंह आदि ने विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि आलाधिकारियों को बार-बार अनुरोध के बावजूद वाटर सप्लाई की समस्या का हल नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा यहां चार कर्मचारी तैनात किए गए हैं, जिनमें से एक कर्मचारी ही नियमित रूप से डयूटी दे रहा है, जबकि बाकी कभी-कभार ही पहुंचते हैं। जिससे पेयजल सप्लाई सही तरीके से नहीं चल पा रही। वहीं गांव में कई जगह पेयजल पाइप लीकेज है, जिस कारण पानी गांव के अंतिम छौर पर बसे घरों तक पूरा नहीं पहुंच पाता। ग्रामीणों ने विभाग को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आगामी दो दिनों में पेयजल आपूर्ति की समस्या ठीक नहीं हुई तो जलघर पर तालाबंदी की जाएगी, जिसकी जिम्मेवारी विभाग के आलाधिकारियों की होगी। ग्रामीणों ने जलघर में सिरसा मेजर नहर से सप्लाई देने की तैयार कार्ययोजना को लागू नहीं करने को लेकर धरना शुरु कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी द्वारा गांव के लिए सिरसा मेजर नहर से पेयजल सप्लाई को मंजूरी दी गई थी।

रोहतक में अतिक्रमण के विरूद्ध कई जगह चला पीला पंजा

एजेंसी

रोहतक। नगर निगम प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कारवाई करनी शुरू कर दी है। इसी कड़ी के तहत नगर निगम की टीम पीला पंजा लेकर छोटूराम चौक पर पहुंची और दुकानदारों द्वारा सडक़ पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान कई दुकानदारों ने विरोध भी किया, लेकिन भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। दुकानदारों का आरोप है कि बिना नोटिस के ही निगम की टीम जानबूझ कर परेशान करने के लिए कारवाई कर रही है, जबकि निगम अधिकारियों का कहना है कि पहले भी दुकानदारों को कई बार अतिक्रमण हटाने के लिए नोटिस दिया जा चुका है, लेकिन अभी तक अतिक्रमण को नहीं हटाया गया, जिसके चलते आज यह कारवाई की गई है। दरअसल शहर में कई स्थानों पर गंदे पानी की निकासी के लिए सडक़ के साथ बरसाती नाले बनाए गए है, जिनके ऊपर दुकानदारों द्वारा पक्का अतिक्रमण किया गया है और बरसाती नालो की अच्छे तरीक्के से साफ सफाई नहीं हो पाती है और मामूली सी बरतात होने पर ही जलभराव हो जाता है। बरसाती द्वारा दुकानदारों को पहले ही नोटिस भी दिए गए थे, लेकिन दुकानदारों द्वारा अतिक्रमण हटाने में कोई सहयोग नहीं किया गया, जिसके चलते अब नगर निगम की टीम ने दुकानों के बाहर किए

मौसम में जलभराव ना हो इसके लिए नगर निगम प्रशासन द्वारा नालो की सफाई को लेकर विशेष अभियान चलाया गया है और इसी के तहत नालो के ऊपर दुकानदारों द्वारा किए गए अतिक्रमण को भी हटाया जा रहा है। बकायदा इसके लिए नगर निगम गए अतिक्रमण को हटाना शुरू कर दिया है। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और अगर किसी भी दुकानदार ने नालो के ऊपर अतिक्रमण किया तो उसके खिलाफ कारवाई भी अमल में लाई जाएगी।

कारगिल युद्ध के शहीदों को सेना घर घर जाकर दे रही सम्मान

एजेंसी

पानीपत। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ के अवसर पर भारतीय सेना शहीदों के घर-घर पहुंचकर वीर सैनिकों के स्वजनों व देश के नागरिकों को अवगत करा रही है कि देश के वीर सपूतों ने अदम्य साहस और शौर्य की प्रकाष्ठा दिखाते हुए किस प्रकार मां भारती के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन सभी वीर सेनानियों के घर-घर जाकर भारतीय सेना सम्मानपूर्वक स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित कर रही है। सेनाधिकारियों और जवानों ने अपने भावों को दर्शाया है कि हम अपने वीर साथियों को कभी नहीं भूलते और न कभी भूलेंगे नहीं। पानीपत के गांव बापौली में नायब सूबेदार कमल कांत ने बताया यह हमारा कर्तव्य और हमारी भावना है कि हम उनके परिजनों को बताएं कि हमारे वीर सेनानियों का बलिदान व्यर्थ नहीं गया है। हमारे वीर बलिदानियों का परिवार अकेला नहीं है, समस्त भारतीय सेना उनका परिवार है और पूरी भारतीय सेना हमेशा उनके साथ खड़ी है। इस

दौरान हरियाणा में नायक रियासत अली गांव बपौली जिला पानीपत, नायक हनुमान सिंह गांव नारनौल जिला महेंद्रगढ़, सिपाही वीरेंद्र कुमार गांव मोहना जिला फ़रीदाबाद, सिपाही रवींद्र गांव रोहन जिला सोनीपत, लांस नायक राजबीर सिंह सेक्टर 16 जिला फरीदाबाद, लांस नायक आज़ाद सिंह गांव मुमताजपुर जिला गुड़गांव, सिपाही विजेंदर कुमार गांव दौलताबाद जिला गुड़गांव, गर्नेडियर संजय कुमार गांव मधमाधवी जिला भिवानी, नायक अहमद गांव गुध जिला नूह, सिपाही पवित्र कुमार गांव मिल्कापुर 1 जिला हिसार, राइफ़लमैन आशीष कुमार गांव घुमनी जिला जींद व सिपाही अशोक कुमार गांव सीहोर जिला महेंद्रगढ़ के घर सेनाधिकारी पहुंचे और परिजनों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

एनएचएम कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर विधानसभा उपाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

एजेंसी

झज्जर। स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर झज्जर में विश्व योग दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा को ज्ञापन देकर मांगों को पूरी करवाने की गुहार लगाई। एनएचएम कर्मचारी संदीप कुमार जांगड़ा ने बताया कि उन्हें न तो सालाना बढ़ोतरी मिल रही है और न ही सरकार द्वारा 2021 में की गई घोषणा अनुसार सातवां वेतन मिल पा रहा। यहां तक कि जो हर महीने समय पर सैलरी मिलती थी अब उस सैलरी के भी घर चलाने के लिए लाले पड़ गए हैं। कभी आधी सैलरी मिलती है तो कभी मिलती ही नहीं। अगले महीने पर बात चली जाती हैडॉ. कृष्णलाल ने आश्वासन देते हुए कहा कि मंगलवार तक उनकी मांगों को मुख्यमंत्री के समक्ष

रख दिया जाएगा। कर्मचारियों ने बताया कि कोरोना काल में एनएचएम कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बिना ही जनता की रक्षा के लिए करोना को मात देने में सफलता हासिल की, नितिन कर्मचारियों के हितों की अनदेखी की जा रही है। भाजपा नेताओं ने चुनाव से पहले कहा था कि पार्टी की सरकार आते ही उनकी सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। पार्टी चुनाव भी जीत गई है इसलिए एनएचएम कर्मचारियों की लंबित मांगों को पूरा करें। इस मौके पर सतपाल शर्मा, डॉ. भूपेंद्र, डॉ रोबिन, योगाचार्य बलदेव व अन्य एनएचएम कर्मचारी मौजूद रहे।झज्जर की पंजाबी धर्मशाला में समाज की ओर से आयोजित समझ में डॉक्टर कृष्ण लाल का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी लोगों को समाज के सर्वांगीण विकास के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ना चाहिए। मुख्य अतिथि ने विशेष तौर पर नप की पूर्व चेयरपर्सन कविता नंदवानी, पार्षद सुषमा तिलक गोंसाई, नवीन बिट्टू छाबड़ा, स्व. हिमांशु हंस हन्नी के भाई सुधांशु हंस, नप चेयरपर्सन जिले सिंह सैनी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने ऊर्जा मंत्री विज के आवास पर पहुंच उनका हालचाल जाना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंबाला छावनी में ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री को मंत्री अनिल विज ने शॉल भेंट कर सम्मानित किया। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री अनिल विज के पांव में फ्रेक्चर की वजह से चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग को योग में उत्कृष्ट कार्यों एवं योगदान के लिए किया सम्मानित

एजेंसी

हिसार। आर्ट ऑफ लिविंग ने कार्यक्रम में विधायक सावित्री जिंदल के सानिध्य में आयोजित 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भाग लिया। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महावीर स्टेडियम में आयोजित किया गया था। स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता ने बताया कि इस अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जिला सभागार में 'योग एवं आयुर्वेद' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया था जिसमें आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक परीक्षित आर्य ने योग पर अपना संबोधन दिया।

इस उपलक्ष पर हिसार में योग में उत्कृष्ट कार्य एवं योग के प्रचार प्रसार के लिए नगराधीश हरीराम ने आर्ट ऑफ लिविंग को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षक एवं स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर नीरज गुप्ता, डिस्ट्रिक्ट टीचर कोऑर्डिनेटर सुरेश जैन और परीक्षित आर्य ने संस्था की ओर से सम्मान प्राप्त

किया।

आर्ट ऑफ लिविंग ने सीटीएम हरीराम, जिला योग समन्वयक डॉ. बलराज, जिला योग विशेषज्ञ पूजा, आयुष योग सहायक रैना, योग इंस्ट्रक्टर शालू को उनके द्वारा किए उत्कृष्ट कार्यों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग उत्पाद भेंट किए। नीरज गुप्ता ने हरियाणा सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि जिला प्रशासन ने आर्ट ऑफ लिविंग के योग के प्रचार प्रसार के प्रयासों को सराहा है जिसका आर्ट ऑफ लिविंग का पूरा परिवार स्वागत करता है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी आर्ट ऑफ लिविंग को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष पर सम्मानित किया गया था।

विधायक ने किया नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण

एजेंसी

जींद। उचाना से भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री अचानक नागरिक अस्पताल पहुंचे। यहां पर मरीजों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जाना। सरकार द्वारा जो-जो स्वास्थ्य सेवाएं मुहैय्या करवाई जा रही है उनके बारे में जानने के साथ-साथ यहां पर पर्ची काउंटर, वार्ड का दौरा भी किया। विधायक ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं का लाभ हर किसी को मिले ये सरकार का प्रयास है। पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार आयुष्मान कार्ड से लाभार्थी करवा सकते है। 50 बैड के अस्पताल में जो भी मांग है, उसको पूरा करवाने को लेकर वो स्वास्थ्य मंत्री से जल्द मिलेगे। रंगीन अल्ट्रासाउंड के अलावा जो मांगे हैं वो स्वास्थ्स मंत्री से मिलकर रखेंगे। यहां पर एएनएम सेंटर बने इसका भी प्रयास रहेगा ताकि उसका लाभ क्षेत्र के युवाओं को मिले। इस मौके पर डा. सुशील गर्ग, डा. राजेश मित्तल, डा. योगेश कुमार मौजूद रहे।

मंत्री राव नरबीर ने किया सडक़ निर्माण कार्य का शिलान्यास

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम के साउथ सिटी-1 स्थित ब्लॉक-एन वार्ड-12 में प्रस्तावित 18 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। यह सड़क स्थानीय निवासियों की वर्षो पुरानी मांगों में से एक थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। राव नरबीर सिंह ने नारियल फोड़कर और भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में सुदृढ़ सड़कीय ढांचा नागरिकों की बुनियादी आवश्यकता है। सरकार की प्राथमिकता है कि शहरी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि यह सड़क साउथ सिटी-1 के निवासियों को आवागमन में सहूलियत देगी और ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करेगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने स्थानीय निवासियों से संवाद भी किया और उनकी समस्याएं सुनीं। नागरिकों ने सीवरेज, स्ट्रीट लाइट, जलभराव, कूड़ा प्रबंधन और पार्कों की देखरेख जैसे मुद्दे उठाए। मंत्री ने संबंधित विभागों के

अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि सरकार विकास कार्यों के साथ-साथ जनसमस्याओं को भी गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि जनसंवाद लोकतंत्र की आत्मा है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर नागरिक की बात सुनी जाए और उस पर समयबद्ध कार्रवाई हो। इस अवसर पर गुरुग्राम के एसडीएम परमजीत चहल, बादशाहपुर के एसडीएम संजीव सिंगला, पार्षद गगनदीप, प्रधान राज चोपड़ा, अश्विनी दुग्गल, आरडब्ल्यूए प्रधान चीकू जून, प्रधान भूपेंद्र यादव और अरुण खन्ना सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

NAME CHANGE

I hitherto known as SILAK S/o SANT RAM, R/o Halalpur (235), Halalpur, Sonipat, Haryana - 131103 have changed my name and shall hereafter be known as RAJ KUMAR

वायदे पूरे नहीं होने से भाजपा का अध्यक्ष रहता है परेशान :जयप्रकाश

एजेंसी

जींद। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश ने कहा कि भाजपा का प्रदेशाध्यक्ष बहुत परेशान हैं। भाजपा जो जनता के सामने झूठे वायदे करके सत्ता में आई थी वो पूरे नहीं कर पाई। अब जनता के बीच ये जा नहीं सकते। इसलिए नया एक शोसा छोड़ा कि कांग्रेस के विधायक हमारे साथ है। जो लोग हमसे गए थे कांग्रेस छोड़ कर उनके अनुभव जनता ने देख लिए हैं। कांग्रेस पार्टी का कोई भी विधायक इनके साथ जाने का प्रश्न ही नही उठता है बल्कि परिस्थितियां जब ठीक होंगी तब भाजपा में ही भगदड़ मचेगी। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश उचाना खंड के गांव कुचराना खुर्द, करसिंधु पहुंचे और कार्यकर्ताओं से बातचीत की। यहां कांग्रेस सांसद द्वारा भाजपा पर जमकर निशाना साधते

हुए कहा गया कि भाजपा का हश्र बुरा होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगर एमएसपी को कानून का दर्जा देते हैं तो वो भी उनकी तारिफ करेंगे लेकिन अगर कानून का दर्जा नही देते तो भाजपा वालों को हमारे साथ मिल कर विरोध करना चाहिए। अभय सिंह चौटाला द्वारा एक दिन का सीएम बनाए जाने के बयान पर सांसद जयप्रकाश ने कहा कि जब छह साल के लिए लोगों ने बनाए थे तब ही गुंडागर्दी खत्म नही कर सकें। किस तरीके से जेलों के अंदर से सिस्टम चलता था, यह सब जानते हैं। जब जनता ने इनको राज दिया था, उस समय तो राज चलाया नही। सांसद जयप्रकाश ने कहा कि नायब सिंह सैनी की नाक के नीचे सबसे ज्यादा अपराध हो रहे है। वो चाहे यमुनानगर का इलाका हो या कुरूक्षेत्र का इलाका हो। हरियाणा में बहुत ज्यादा अपराध बढ़ रहा है। नायब सिंह सैनी तो पूरे प्रदेश के सीएम है। हर रोज दो से चार मर्डर हो रहे हैं। शराब के ठेकों की नीलामी को लेकर मर्डर तक हो रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था आज जीरो है। आज बेरोजगारी, महंगाई चरम सीमा पर है। स्कूलों में अध्यापक नही हैं, अस्पताल में डॉक्टर नही हैं। नहरों में पानी नही है।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की छह कंपनियों का मार्केट कैप 1.62 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) सामूहिक रूप से 1,62,288.06 करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे अधिक लाभ में भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण बढ़ गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत घट गई। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,055.96 करोड़ रुपये बढ़कर 11,04,469.29 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 50,070.14 करोड़ रुपये बढ़कर 19,82,033.60 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 38,503.91 करोड़ रुपये बढ़कर 15,07,281.79 करोड़ रुपये हो गया। वहीं इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 8,433.06 करोड़ रुपये जोड़े और कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,73,751.09 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,012.13 करोड़ रुपये बढ़कर 10,18,387.76 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक की 3,212.86 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 7,10,399.75 करोड़ रुपये हो गई। इस रुख के` विपरीत बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 17,876.42 करोड़ रुपये घटकर 5,62,175.67 करोड़ रुपये रह गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मूल्यांकन में 4,613.06 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 12,42,577.89 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 3,336.42 करोड़ रुपये घटकर 5,41,557.29 करोड़ रुपये रह गया।

मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज

- ठग ग्राहकों तक बना रहे अपनी पहुंच

नोएडा ।

नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी-आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्तावः दीपक पारेख

- मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की अहम भूमिका रही

मुंबई ।

एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था। यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा` कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं। पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा` कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई छूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इंश्योरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।

भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति बदली

- रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ाई

नई दिल्ली ।

इजरायल और ईरान का युद्ध चल रहा है। इस बीच अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला बोला दिया है। इन सबके बीच भारत ने कच्चे तेल की खरीद को लेकर अपनी रणनीति में बदलाव किया है। बाजार में आए उतार-चढ़ाव के बीच भारत ने जून में रूस से कच्चे तेल की खरीद बढ़ा दी है। भारत की जून में रूस से तेल खरीद पश्चिम एशिया के आपूर्तिकर्ताओं, सऊदी अरब और इराक से आयातित मात्रा से अधिक रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने रविवार सुबह ईरान में तीन स्थलों पर हमला किया। वह इस युद्ध में सीधे इजरायल के साथ शामिल हो गया है। इजरायल ने 13 जून को सबसे पहले ईरानी परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। एक वैश्विक व्यापार विश्लेषक कंपनी के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि भारतीय रिफाइनरी कंपनियां जून में रूस से प्रतिदिन 20 से 22 लाख बैरल कच्चा तेल खरीद रही हैं। यह दो साल का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इसके साथ ही यह इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और कुवैत से खरीदी गई कुल मात्रा से अधिक है। मई में रूस से भारत का तेल आयात 19.6 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था। जून में अमेरिका से भी आयात बढ़कर 4,39,000 बीपीडी हो गया। पिछले महीने यह आंकड़ा 2,80,000 बीपीडी था।

स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

- यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला

मुंबई ।

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर) ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी।

इस गड़बड़ी के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी, जिससे उसे काफी परेशानी, मानसिक पीड़ा और वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा।

डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

मुंबई ।

विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुता बिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई–मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रतिलिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

रांची । कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अे धिकारी ने यहां मीडियाके र्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू–राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचा रियों ने छंटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू–राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध–आधारित या 'फीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू–राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

इजरायल-ईरान संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों का कारोबार भी शेयर बाजार को प्रभा वित करेगा

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार की दिशा इजरायल-ईरान संघर्ष और इससे वैश्विक आपूर्ति प्रभो वित होने और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियां शेयर बाजार की चाल पर प्रभाव डालेगी। एक विशेषज्ञ ने कहा कि बीते सप्ताह पश्चिम एशिया के संघर्ष और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल को नजरअंदाज करते हुए शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। इस सप्ताह वैश्विक संकेतक बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। इसमें ईरान और इजरायल के बीच भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी आर्थिक आंकड़े और फेडरल रिजर्व के अधिकारियों की टिप्पणियों पर सभी की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर निवेशक मानसून की प्रगति, मासिक अनुबंधों के निपटान से संबंधित अस्थिरता, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियों पर नजर रखेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि भू-राजनीतिक अभी अनिश्चितता बनी हुई है। निवेशक अमेरिका के आगामी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर और व्यक्तिगत उपभोग खर्च के आंकड़ों पर भी कड़ी नज़र रखेंगे। इसके अलावा उनकी नजरें भारत के खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़ों पर भी रहेगी। निवेशक अमेरिका के विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों के अलावा भू-राजनीतिक मोर्चे पर आगे के घटनाक्रमों पर नजर रखेंगे। उन्होंने कहा` कि अप्रैल में विदेशी पोर्टफोलियो निवेश की प्रवृत्ति में उलटफेर हुआ तथा मई में इसमें काफी मजबूती आई। मई में दर्ज किया गया निवेश पिछले आठ महीनों में सबसे अधिक रहा, जो भारतीय बाजारों में विदेशी निवेशकों की बढ़ती रुचि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष सहित अन्य भू-राजनीतिक घटनाक्रमों की वजह से जून में बाजार में सतर्कता के साथ आशावादी रुख देखने को मिल रहा है।

म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा

मुंबई । सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया` कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है। सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है।

बीते सप्ताह सरसों, पाम-पामोलीन, बिनौला तेल में तेजी, मूंगफली में गिरावट रही

- सोयाबीन व मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे रहे

नई दिल्ली । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में पाम-पामोलीन और सोयाबीन तेल, सरसों तेल-तिलहन के भाव में तेजी का रुख रहा। वहीं मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट देखी गई। बाजार के जानकारों ने कहा` कि सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के अच्छे दाम नहीं मिलने और तेल पेराई मिलों की मांग में कमजोर रहने से सोयाबीन तिलहन के भाव पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहे। बाजार के जानकारों ने कहा कि देश का तेल-तिलहन कारोबार मुख्यत~ शिकॉगो और मलेशिया एक्सचेंज के उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है, जहां लगभग पूरे सप्ताह तेजी बनी रही। विदेशी बाजारों की इस तेजी की वजह से कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा सोयाबीन तेल कीमतों में समीक्षाधीन सप्ताह में सुधार आया। लेकिन सोयाबीन डीओसी के बेहतर दाम नहीं मिलने की वजह से देशी पेराई मिलें सोयाबीन खरीद में कम दिलचस्पी ले रही हैं। इसके अलावा हाजिर बाजार में सोयाबीन के साथ-साथ मूंगफली का दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 10-15 प्रतिशत नीचे है। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश~ 4,425-4,475 रुपये और 4,175-4,225 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर बने रहे। वहीं सोयाबीन दिल्ली का दाम 100 रुपये बढ़कर 12,700 रुपये, सोयाबीन इंदौर तेल का दाम 150 रुपये बढ़कर 12,550 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 50 रुपये तेज होकर 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली फसल मंडियों में आने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 50 रुपये टूटकर 5,675-6,050 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश~ 150 और 25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश~ 13,650 रुपये क्विंटल और 2,210-2,510 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। वहीं सीपीओ तेल का दाम 100 रुपये बढ़कर 14,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारतीय बाजार में बिक्री बढ़ाने यूरोपीय ब्रांड कर रहे संघर्ष

नई दिल्ली ।

पिछले तीन वित्त वर्षों में भारतीय बाजार में यूरोपीय ब्रांडों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। यूरोप के प्रमुख वाहन ब्रांड रेनो, फॉक्सवैगन और स्कोडा भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वैश्विक वाहन उद्योग को आंकड़े और विश्लेषण उपलब्ध कराने वाली एक कंपनी ने कहा कि भारत में रेनों की बिक्री में बड़ी गिरावट देखी गई है। भारतीय बाजार में कंपनी की बिक्री 2024–25 में घटकर 37,900 इकाई रह गई। यह आंकड़ा 2023–24 में 45,439 इकाई और 2022–23 में 78,926 इकाई था। इसी तरह स्कोडा की भारतीय बाजार में बिक्री 2024–25 में 44,866 इकाई रही। यह 2023–24 के 44,522 इकाई से मामूली अधिक है। हालांकि, 2022–23 के आंकड़े 52,269 इकाई से काफी कम है। दूसरी ओर, फॉक्सवैगन ब्रांड ने 2024–25 में 42,230 गाड़ियां बेचीं। 2023–2024 में कंपनी की बिक्री 43,197 इकाई और 2022–2023 में 41,263 इकाई रही थी।

क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे?

आनन्द अग्निहोत्री

शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे?

इस्त्राईल -ईरान के बीच छिड़े आधुनिक युद्ध ने पूरे विश्व को स्तब्ध व चिंतित कर दिया है। इस्त्राईल गत कई वर्षों से ईरान को युद्ध में खींचने की पूरी कोशिश कर रहा था परन्तु ईरान सीधे युद्ध में कूदने से बचता आ रहा था। परन्तु गत 13 जून को इस्त्राईल ने ईरान पर एक बड़ा हवाई हमला कर दिया। इस हमले के कुछ ही समय बाद इस्त्राईली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपने एक टी वी प्रसारण में इस हमले को उचित ठहराते हुये ईरान पर परमाणु बम बनाने का प्रयास करने का आरोप लगाया और अपनी चिंता दोहराई कि ईरान का परमाणु बम इस्त्राईल को नष्ट कर सकता है। इस्त्राईल ने ईरान के कई परमाणु वैज्ञानिक और शीर्ष सेना कमांडर भी मार दिये। इस्त्राईल ने 13 जून को ईरान पर हमला उस समय किया जबकि दो दिन बाद ही यानी 15 जून को ईरान और अमरीका के मध्य परमाणु समझौता होने की तारीख तय थी और यह समझौता किसी निष्कर्ष पर पहुँचने की उम्मीद भी की जा रही थी। परन्तु इस्त्राईल ने समझौते के पहले ही हमला कर ईरान को बड़ा धोका दे दिया। इस्त्राईली हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी यह कहकर सबको चौंका दिया कि उन्हें इस हमले की पहले से जानकारी थी और इस हमले में कई ईरानी कट्टरपंथी (परमाणु वातार्कार) मारे गए हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह समझौता नहीं करता, तो और बड़े हमले झेलने पड़ सकते हैं। यही नहीं बल्कि ट्रंप ने इस्त्राईल की पीठ थपथपाते हुये इस्त्राईली हमलों को ₹शानदार₹ बताया और कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इच्छा छोड़नी होगी। साथ ही ट्रंप ने अमेरिका को इस्त्राईल का सबसे बड़ा सहयोगी भी बताया। साफ है ईरान पर इस्त्राईल द्वारा धोखे से किये गये इस हमले का अमेरिका भी बराबर का साझीदार है।

अब जरा 2003 के उस दौर को भी याद कीजिये जब इराक में सद्दाम हुसैन के शासनकाल में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश प्रशासन, ने यह दावा किया था कि सद्दाम हुसैन के पास रासायनिक, जैविक और संभवतः परमाणु हथियार भी हैं जो वैश्विक सुरक्षा के लिए खतरा हो सकते हैं। यह दावा खुफिया जानकारी पर आधारित बताया गया था। इसी 'खुफिया जानकारी' को बहाना बनाकर अमेरिका ने 'ऑपरेशन इराकी फ्रीडम' के नाम से इराक पर बड़ी सैन्य कार्रवाई की और इराक को तबाह कर के छोड़ा। यहाँ तक कि स्थानीय अदालत का गठन कर सद्दाम हुसैन

को फांसी पर चढ़ा दिया। इराक में सत्ता परिवर्तन के बाद वहां रासायनिक, जैविक और सामूहिक विनाश के हथियार होने की जानकारी गलत साबित हुई। वहां ऐसे हथियार होने के कोई सबूत नहीं मिले। जगजाहिर है कि अमेरिका द्वारा इराक पर सैन्य कार्रवाई वहां के तेल संसाधनों पर नियंत्रण और मध्य पूर्व में अमेरीकी सामरिक प्रभाव बढ़ाने की इच्छा के तहत की गयी। इराक की तबाही व सत्ता परिवर्तन के बाद अमेरिका ने यह तर्क भी दिया था कि सद्दाम हुसैन का तानाशाही शासन इराकी जनता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए हानिकारक था।

बहरहाल आज वही अमेरिका जिसने केवल इराक ही तबाह करने की कोशिश नहीं की बल्कि वह जापान पर 6 और 9 अगस्त 1945 को परमाणु बम गिराने का भी गुनहगार है.वह अमेरिका जो कोरिया, ग्वाटेमाला, इंडोनेशिया, क्यूबा, कांगो, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया, ग्रेनेडा, लेबनान, सीरिया, लीबिया, अल साल्वाडोर, निकारागुआ, ईरान(1987) पनामा, इराक, कुवैत, सोमालिया, बोस्निया, सूडान, अफगानिस्तान, योगोस्लाविया जैसे देशों पर हमले करने व वहां की सत्ता को अस्थिर करने का जिम्मेदार हो, क्या वह अमेरिका तय करेगा कि किस देश को परमाणु शस्त्र रखना चाहिए और किसे नहीं? या फिर फिलिस्तीन की जमीन पर अमेरिका ब्रिटेन की शह पर कब्जा जमाये बैठा वह अवैध देश इस्त्राईल जिसपर गजा में लगभग 82, 000 लोगों को मारने व लगभग 20 लाख लोगों को बेघर कर क्षेत्र में मानवीय संकट खड़ा का आरोप है वह तय करेगा कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिए और किसे नहीं? जो देश स्वयं पूरे विश्व में अस्थिरता फैलाने, क्षेत्रीय संघर्ष भड़काने, शस्त्रों के व्यवसाय तथा तेल जैसी सम्पदा पर गिद्ध दृष्टि रखते हों पड़ोसी देशों में फूट डलवाकर युद्ध भड़काना ही जिनका वयवसाय बन चुका हो वह देश कैसे निर्धारित कर सकते हैं कि परमाणु शस्त्र किसे रखना चाहिये किसे नहीं?

आज विश्व में जिनदेशों के पास परमाणु शस्त्र हैं उनमें सबसे बड़ा जखीरा संयुक्त राज्य अमेरिका के पास है। इसके अतिरिक्त रूस, चीन, फ्रांस, यूके (ब्रिटेन), इस्त्राईल, उत्तर कोरिया, भारत व पाकिस्तान जैसे देश भी परमाणु शस्त्र धारक देशों में गिने जाते हैं। बावजूद इसके कि ईरान अभी तक यह कहता आया है कि उसके द्वारा किया जा रहा परमाणु संवर्धन उसकी ऊर्जा सम्बन्धी जरूरतों को पूरा करने जैसे शांतिपूर्ण कार्यों के लिये है। फिर भी यह क्यों जरूरी नहीं कि मानवता का सबसे बड़ा हत्यारा देश इजराईल जो भूखे, निहत्थे बच्चों व बुजुर्गों औरतों का लगातार नरसंहार करता आ रहा, जो अपनी सैन्य शक्ति और अमेरिका की शह के बल पर अपने कब्जे की जमीन का लगातार विस्तार करता जा रहा हो जो उसे पनाह देने वाले देश फिलिस्तीन के लोगों को ही उनकी मातृभूमि से बेदखल करने की साजिश रच रहा हो, जो अमरीका के इशारे पर पूरे मध्य एशिया में फूट डालने वाली राजनीति कर रहा हो आखिर क्षेत्रीय संतुलन बनाने के लिये उसके सामने ईरान जैसे देश का डटकर खड़ा होना जरूरी क्यों नहीं? क्या इस पूरे मध्य क्षेत्र को अमेरिका इस्त्राईल के रहम-ो-करम पर जीने के लिये छोड़ देना चाहिये? ताकि जब चाहें और जिस देश को चाहें गजा, यमन व लेबनान बना सकें? निश्चित रूप से युद्ध से बुरी कोई स्थिति नहीं होती। हमेशा इस त्रासदी का शिकार बेकुसूर महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग होते आये हैं। युद्ध से मानवता आहात होती है। सही मायने में तो पूरे विश्व को ही न केवल परमाणु शस्त्र मुक्त बल्कि पूरा विश्व निःशस्त्र भी होना चाहिये। परन्तु अमेरिका इजराईल जैसे देशों द्वारा जब अपनी ताकत का दुरूपयोग दशकों से किया जाता रहा हो और यह सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा हो ऐसे में इन्हें 'वाक ओवर' देने के बजाये इनके सामने अपने स्वाभिमान के लिये संकल्पबद्ध होकर खड़े होना कौन सा जुर्म है? अमेरिका व इस्त्राईल के सामने ईरान के सिर उठाकर खड़े होने जैसे फौलादी इरादों की आज दुनिया सराहना कर रही है। परन्तु यह देश आज कभी ईरान के निष्कासित रजा शाह पहलवी के पुत्र के काँधे पर सवार होकर तो कभी भीतरी फूट डालकर कभी मोसाद का इस्तेमाल कर ईरान को अस्थिर करने की पुरजोर कोशिश में लगा है। इनकी गिद्ध दृष्टि इस बात पर टिकी है कि किसी तरह वर्तमान संकल्पवान व स्वाभिमानी ईरानी सत्ता को बेदखल कर अपनी पिट्ठू सरकार बनाई जाये और ईरान को अस्थिर कर यहाँ भी मनमर्जी से तेल दोहन किया जा सके। परन्तु शहादत को अपना आभूषण समझने व दास्तान ए करबला से प्रेरणा लेना वाला यह देश अमेरिका व इजराईल की घुड़कियों को कुछ भी नहीं समझ रहा। क्या ईरान को आत्मरक्षा का अधिकार नहीं? क्या नरसंहार की इबारत लिखने वाले देश ही यह तय करेंगे कि परमाणु शस्त्र कौन रखे और कौन न रखे?

संपादकीय

टूटा भरोसा

भारत में जैसे भ्रष्टाचार को लगभग स्वीकृति सी मिल चुकी है, किसी भी विभाग में कोई भी काम कराना हो चपरासी से लेकर अफसर तक सबकी यथायोग्य भेंट पूजा को आम जनता ने खुशी से आत्मसात सा कर लिया है। आए दिन पड़ने वाले छापों में होने वाली ऊपर की कमाई की बरामदगी की खबरा से कोई नहीं चौंकता, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की आधी रात को लगी आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन कर्मियों को अधजले नोटों की गड्डियां मिलने की खबर जब आई थी तो सब चौंक गए थे। जज के घर से नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना थी, मगर कार्रवाई के नाम पर उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। वर्मा खुद को निदरेष बताते हुए अपने खिलाफ षड ?ंत्र की बात कहते रहे। मामले की जांच के लिए गठित समिति की शुरूआती रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश कर चुके हैं। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। 64 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने जस्टिस वर्मा की बेगुनाही की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। अग्निकांड के अगले ही दिन तड़के कोठी से अधजले नोटों की सफाई कर देने की घटना ने बड़ा मात्रा में नकदी होने के संदेहों को पुख्ता कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा के घरेलू स्टाफ ने अपने मालिक के पक्ष में बयान दिए, लेकिन अग्निशमन और दिल्ली पुलिस के स्वतंत्र गवाहों के बयान से साफ है कि जज के सरकारी आवास पर 4-5 बोरियों में नोटों की गड्डियां थीं। परस्पर विरोधी बयानों का विश्लेषण करने के बाद समिति ने घरेलू कर्मचारियों का झूठ पकड़ लिया। समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा की दलीलें सच्चाई से कोसों दूर हैं। पाया गया कि स्टोर पर घर वालों का गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था। घटना की एफआईआर न कराने और वर्मा के चुप्पी साध लेने से मामला खुल गया।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है। अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो सकती है, जिस क्षण आत्मा या चैतन्य के साथ उसका संबंध स्थापित हो जाता है। यह स्थिति पतंजलि के शब्दों में धारणा के रूप में निरूपित की गई है। धारणा की धाराप्रवाह प्रतीति ध्यान है और ध्यान में पूर्ण तन्मयता का नाम समाधि है। संयम की पूर्णता के लिए धारणा, ध्यान और समाधि तीनों ही आवश्यक हैं। ध्यान साधना के अनुशासन की पूरी प्रक्रिया शिविर-साधना को आगे बढ़ाती है। साधक की शारीरिक और मानसिक स्थिति में संयम या साधना के अनुशासन की पूर्ण स्वीकृति ही शिविर-साधना का ठोस आधार है।

अतुल्य भारत, अजेय भारतः मोदी युग ने पर्यटन को कैसे नया स्वरुप दिया

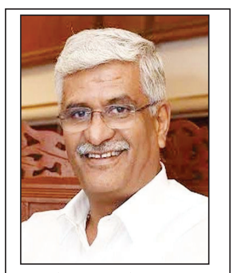

गजेंद्र सिंह शेखावत

पिछले दशक में, भारत की पवित्र भूमि को सिर्फ.देखा ही नहीं गया है - बल्कि इसे फिर से खोजा गया है। पहाड़ अब सिर्फ.परिदृश्य नहीं रह गए हैं; वे जीवित अभयारण्य हैं। केदारनाथ और बद्रीनाथ के बर्फ से ढके मंदिरों से लेकर बोधगया की ध्यानपूर्ण शांति और सारनाथ की सुनहरी नीरवता तक, भारत की आध्यात्मिक आत्मा ने एक-एक तीर्थयात्री की भावना को उद्वेलित किया है। इस युग में पर्यटन, विवरण पुस्तिका (ब्रोशर) के जरिए नहीं, बल्कि भक्ति, स्मृति और फिर से जुड़ने की सभ्यतागत प्रेरणा के जरिए तैयार किया गया था।

2014 और 2024 के बीच, इस आध्यात्मिक जागृति ने देश के सांस्कृतिक मानचित्र को नया स्वरुप दिया। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी का प्रतीक था, फीनिक्स की तरह उभरा - 2024 में यहां 16 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री आये, जबकि एक दशक पहले यह संख्या केवल 40,000 थी। उज्जैन को महाकाल के शहर के रूप में पुनर्जीवित किया गया, इसने 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों का स्वागत किया। प्रकाश और पवित्रता में पुनर्जन्म लेने वाली काशी ने 11 करोड़ लोगों को अपनी पवित्र गलियों में भ्रमण करते देखा। बोधगया और सारनाथ की गूंज कई महाद्वीपों में सुनायी दी, दोनों तीर्थस्थलों ने 2023 में 30 लाख से ज्यादा साधकों को आकर्षित किया। और फिर एक ऐसा क्षण आया, जो आंकड़ों से पार चला गया –जनवरी 2024 में अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा। यह कोई उद्घाटन नहीं था; यह सभ्यता की धड़कन का जीर्णोद्धार था। महज छह महीनों में, 11 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं का आगमन हुआ –न सिर्फ देखने के लिए, बल्कि इससे जुड़ने के लिए। लगभग इतना ही ऐतिहासिक था, महाकुंभ 2025, जो दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम था, जिसमें 65 करोड़ से ज्यादा तीर्थयात्री आस्था और उत्कृष्टता के संगम पर पहुंचे। अयोध्या और प्रयागराज, साथ मिलकर, भारत के आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दो प्रकाश स्तंभ बन गए। यह पर्यटन नहीं था–यह घर वापसी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस वापसी को आकार, अवसंरचना और आत्मा दी गई। अब पर्यटन एक जांच सूची (चेकलिस्ट)-संचालित उद्योग नहीं रहा, बल्कि पवित्र ह्यस्वह्न को फिर से खोजने का एक राष्ट्रीय मिशन बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी मंत्र - भारत में विवाह करें, भारत की यात्रा करें, भारत में निवेश करें - ने पर्यटन को एक सांस्कृतिक आह्वान में बदल दिया। मोदी सरकार ने प्रारंभ से ही पर्यटन को राष्ट्रीय पुनरुत्थान की ताकत के रूप में देखा है। स्वदेश दर्शन और इसके उन्नत रूप, स्वदेश दर्शन 2.0 के माध्यम से, पर्यटन मंत्रालय ने रामायण, बौद्ध, तटीय और आदिवासी जैसे विषयगत सर्किट के तहत 110 परियोजनाएँ विकसित कीं। 2014-15 में शुरू की गई मूल योजना में कुल 5,287.90 करोड़ रुपए की लागत से 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई थी। स्वदेश दर्शन 2.0 में, स्थाई गंतव्यों को विकसित करने के लिए 2,106.44 करोड़ रुपए के साथ 52 परियोजनाएँ जोड़ीं गईं। चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) उप-योजना के तहत, 623.13 करोड़ रुपए की 36 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जबकि एसएएससीआई योजना के अंतर्गत राज्य के नेतृत्व में पर्यटन अवसंरचना के विस्तार के लिए 3,295.76 करोड़ रुपए की 40 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। इसके साथ ही, प्रसाद योजना के जरिये उन्नत सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था और स्वच्छता के साथ 100 तीर्थ शहरों को पुनर्जीवित किया गया। इन प्रयासों से भारत में 2023 में 250 करोड़ से अधिक घरेलू पर्यटकों की यात्रा दर्ज की गयी - जो अब तक का सबसे अधिक है।

2024-25 के केंद्रीय बजट में एक ऐतिहासिक घोषणा के तहत 50 पर्यटन स्थलों को विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया, उन्हें निवेश और वित्तपोषण को आसान बनाने के लिए अवसंरचना सामंजस्य मास्टर सूची (आईएचएमएल) में जोड़ा गया। पुनरुद्धार केवल पवित्र स्थानों तक सीमित नहीं था। 2018 में अनावरण की गई स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, देश के सबसे अधिक देखे जाने वाले स्मारकों में से एक बन गई, जिसे 2023 में 50 लाख से अधिक आगंतुक देखने आये। इसके चारों ओर इको-टूरिज्म पार्क, टेंट सिटी और आदिवासी संग्रहालय विकसित हुए हैं - जो सम्मान को अवसर में बदल रहे हैं।

भारत का सभ्यतागत आत्मविश्वास इसकी कूटनीति में परिलक्षित होने लगा। फ्रांस, जापान, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के राजनेताओं का, न केवल दिल्ली में, बल्कि वाराणसी, उदयपुर, अयोध्या और महाबलीपुरम में भी स्वागत हुआ। सॉफ्ट पावर अब सॉफ्ट नहीं रही - यह 3डी अनुभव हो गयी। रिवर क्रूज, दीपोत्सव, आध्यात्मिक भ्रमण और सांस्कृतिक प्रदर्शन ने राजकौशल को आत्मा के शिल्प में बदल दिया।

इस बीच, अतुल्य भारत 2.0 ने देश को स्मारकों की भूमि से बदलकर बदलाव की भूमि बना दिया। ऋषिकेश में योग, केरल में आयुर्वेद, पूर्वोत्तर में जनजातीय त्योहार और कच्छ में शिल्प ने पर्यटन इकोसिस्टम को जीवंत व विशिष्ट स्थान प्रदान किया। विपणन को अब स्मृति से अलग करना मुश्किल था। इस क्षेत्र की आर्थिक स्थिति भी बहुत प्रभावशाली रही। अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 के बीच, भारत ने पर्यटन में 18 बिलियन डॉलर से अधिक का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित किया। प्रमुख आतिथ्य अवसंरचना परियोजनाओं में 2014-22 के दौरान 9 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ। केवल 2023 में, भारत ने 9.52 मिलियन विदेशी पर्यटकों के साथ 2.31 लाख करोड़ रुपए (28.7 बिलियन डॉलर) की विदेशी मुद्रा अर्जित की, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 47.9% की वृद्धि दर्ज की गयी। इस क्षेत्र ने 2023-24 में 84.63 मिलियन नौकरियों का सृजन किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.46 मिलियन अधिक थीं झ्र इस प्रकार पर्यटन क्षेत्र भारत के विकास और रोजगार की आधारशिला के रूप में उभरा।

भारत देश आत्मनिर्भर है और किसी आतंकी हमले को नहीं सहेगा

संजय गोस्वामी

आज हमारे देश की ताकत भगवान राम जी के आदर्श हैं उन्होंने शांति से जीना भी सिखाया, और नारी सम्मान के लिए युद्ध करना भी सिखाया, हमारा देश किसी भी अपने मामले में किसी दूसरे देश की दखलअंदाजी बिलकुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ देश 140 करोड़ लोगों का एक लोकतान्त्रिक देश है देश पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर है और आतंकवादी घटना बिल्कुल बर्दास्त नहीं करेगा क्योंकि ऐ बात प्रधानमंत्री मोदीजी ने जी -7 सम्मलेन पर कहा, इससे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुपी साध ली और लंच पर बुलाया लेकिन श्री मोदीजी ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि ट्रम्प ने दोनों देशों को एक ही नजरिये से ट्रेड का बहाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीफ लंच करने गए इससे ऐ सिद्ध होता है अमेरिका पर भरोसा करना बिल्कुल ठीक नहीं है इसका हमेशा पुराना इतिहास रहा है भारत के लोगों ने अंग्रेजी हुकूमत को हटाया है अटलजी जब प्रधानमंत्री थे तो कारगिल युद्ध में सेटेलाइट इमेज माँगा था जो अमेरिका ने देने से मना कर दिया ऐ तो भारत के सेना का जज्बा था कि कारगिल युद्ध में विजय रहा भारत के जवान हमारे वैज्ञानिक हमारे देश के नायक हैं जिन्होंने अमेरिका के दबाब में भी 1998 में परमाणु परीक्षण भी कर लिया और भारत परमाणु संपन्न देश है जो ना तो किसी से डरेगा ना ही किसी के लालच में पड़ेगा क्योंकि भगवान राम का आशीर्वाद है।भारत देश ना तो किसी से डरा है ना किसी की चापलूसी की प्रधानमंत्री से साफ कह दिया आतंकवादी को किसी भी कीमत पर बक्शा नहीं जायेगा भारत पाकिस्तान पर भारी पड़ा और पाकिस्तान ने ही युद्ध रोकने की कोशिश की थी और प्रधानमंत्री जी ने चीजफायर कराता मोदीजी हमेशा आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की ओर लगे है हमारी शक्ति को दुनिया ने देखी है हम भारतीय दुश्मन को मार सकते हैं चाहे शहीद क्यों ना होना पड़े और जब 140 करोड़ भारतीय आतंकी के खिलाफ लड़ेंगे तो उसे मिट्टी में मिला देंगे भारत परमाणु संपन्न देश है और डी आर डी ओ, इसरो, ब्रह्ममोश और कई ऐसी मिसायल टेक्नोलॉजी की कंपनी है जो विश्व स्तर का मिसाइल सिस्टम है हम लोग देश के लिए मर मिटने वाले में से हैं लेकिन गुलामी या आतंकी पसन्द नहीं है इसलिए अंग्रेजो को हराया आखिर मोदीजी क्यों नहीं गए ट्रम्प के बुलावे पर क्योंकि अब वो भारत नहीं है जो आतंकवादी हमले पर चुप वैठने वाला है ऐ वीर शिवाजी, महाराणा प्रताप, गुरू गोविंद सिंह और कई वीर योद्धाओ का देश है जो शहीद होना पसंद करेगा लेकिन आतंकी के खिलाफ झुकना नहीं और उसे युद्ध माना जायेगा ऐ प्रधानमंत्री जी ने खुद कहा है पाकिस्तान के परमाणु बम पर दूसरे देश जो डिनर पर बुलाते हैं उसका नियंत्रण है जबकी हमारी ताकत किसी दूसरे देश पर बिल्कुल निर्भर नहीं है और ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेनाओ ने पाकिस्तान को जबरदस्त सिकस्त दि थी ऐ दुनिया ने देखा है जहाँ तक इजराइल और ईरान के युद्ध का सवाल है इसमें भारत ने किसी का पक्ष नहीं रखा है जबकी ईरान के समर्थन में अब रूस और चीन सामने आ गए हैं ऐ ट्रम्प महोदय केवल युद्ध भड़का रहें हैं और दूसरे के घर में बेबजह झाँक कर खुद ही मजाक के पात्र बन गए है इसलिए वहाँ के जानेमाने उद्योगपति स्टॉर्लिंक के मालिक एलेन मस्क बै दुरी बना ली भारत को उसी समय सचेत रहना चाहिए जब हमारे भारतीय जिसमें कुछ भारतीय डंकी रुट ने नहीं गए थे वो भी कार्गो प्लेन में हथकड़ी बाँधकर भारत में उस स्थान अमृतसर पर भेजा गया जहाँ गुरू का स्वर्ण टेम्पल है ट्रम्प केवल बोल कर एक देश से दूसरे देश को लड़ा रहें है और बाद में उसे अकेले छोड़ देते हैं जैसे यूक्रेन को अकेले छोड़ दिया और भरी सभा में उसकी बेईजत भी कर दि हर देश का अपना रक्षा करने का अधिकार है पहले इजराइल को ईरान से एटमबम बनाने से रोकने के लिए उकसाया और इजराइल ने आक्रमण किया जबकी उसे लड़ाई के हर दिन का खर्ज 600 करोड़ रुपए के आसपास है लेकिन हिम्मत है उसे मालूम होगा ईरान की ताकत लेकिन वो सोचा होगा की अमेरिका मदद करेगा और अब हर दिन मीटिंग चल रहा जबकी उसके शहरों को भारी नुकसान ईरान के मिसाइल से हो रहा युद्ध में उसी ने झोंका है क्योंकि वो लागातार ऐ बोलते नजर आ रहे हैं कि ईरान कभी परमाणु बम नहीं बना सकता इसलिए इजराइल को जंग में ढकेल कर पीछे हट रहें हैं क्योंकि जिसे करना रहता है वो इसपर इतना नहीं सोचेगा और इतने दिनों में शत्रु इसका फायदा उठा सकेगा भारत को तटस्थ है क्योंकि दोनों उसके लिए महत्वपूर्ण है अतः ट्रम्प केवल कागजी शेर की तरह बड़ी बड़ी बातें करते है और जब किसी की जरुरत पड़ती है तो युद्ध को भड़का कर हाथ पीछे कर लेते हैं इस तरह का बयान देना कि हमें पता है ईरान का सुप्रीम लीडर कहाँ है तेहरान खाली करो इसके क्या मायने हैं और अगले सप्ताह होने तक दोनों देश में कितना खून खराबा होगा कहते है कि भारत और पाकिस्तान का जंग मैंने रुकवाया तो पहली बात ऐ भारत का पाकिस्तान से नहीं उसके आतंकवादी से था और जो इसका सरगना आशिर मुनीर जो वहाँ का सेना प्रमुख था उसे अमेरिका बुलाकर ऐ तो सिद्ध हो जाता है कि आतंकवादी को कमजोर नहीं उसमें हौसला बढ़ा रहें हैं जिससे उनकी ही बदनामी हो रही है यदि सही मायने में जंग रुकवाना है तो इजराइल और ईरान में रुकवा दें जिसमें दोनों को भारी नुकसान हो रहा है इजराइल तो छोटा देश है लेकिन उसका हौसला बड़ा है लेकिन आगे इसे शांतिपूर्ण तरीके से रोकना चाहिए अमेरिका की साख इससे गिर रही है क्योंकि उसे महाशक्ति के रूप में जानते हैं जब ईराक और अफगानिस्तान में कुछ ही दिनों में उसे घुटने पर लें आया था और अफगानिस्तान में ही सबसे ज्यादा बंकर

ब्लस्टर बम का उपयोग पहाड़ी के अंदर छिपे आतंकवादी को मारने में की थी और इराक जो ईरान से बर्षो से युद्ध लड़ा उसके अंदर कब्जा कर लिया और सद्दामहुसैन को फांसी दें दि अरब में जो हो रहा है वो खलीफा के लिए हो रहा है जहाँ एक से दूसरे देश में काफी मतभेद हैं शिया औ? सुन्नी को लेकर इसलिए वहाँ मुस्लिम देश एकमत नहीं है यदि होता तो सीरिया में तख्तापलट नहीं होता खैर युद्ध में विनाश ही होता है और इसका असर पुरे विश्व पर पड़ता है अब ऐ बात समझ लेनी चाहिए की किसी दूसरे देश के बहकावे में नहीं बल्कि आगे के भविष्य को देखते हुए ही युद्ध में हाथ डालें और उसको दूरगामी परिणाम को देखते हुए ही युद्ध करें हमें तो लगता है जो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाईडन का प्रशासन इससे अच्छा था क्योंकि उसने इजराइल को ईरान में ऐसे हमले से सतर्क किया था और उसके परमाणु सयन्त्र पर हमले ना करने की सलाह दि थी और वो खुद ही इजराइल गए थे जब आतंकी हमला हुआ था उससमय इजराइल मजबूत नजर आ रहा था लेकिन आज कमजोर नजर आ रहा है जैसे लगता है अमेरिका के बहकावे में ऐ कदम उठाया जिसे बहुत सोच समझ कर करनी चाहिए थी और सबकुछ तो शांत चल रहा था कोई क्या कर रहा उससे क्या मतलब अपनी ताकत ठीक होनी चाहिए और इजराइल एक परमाणु संपन्न देश है इसलिए कोई क्या बना रहा है उसमें उलझना नहीं चाहिए अगर उलझना भी है तो पहले उसकी ताकत को देखकर और अपने ताकत का आकलन कर ही युद्ध में कूदना चाहिए।

महिला पायलट यौन शोषण मामले में कैब ड्रायवर समेत 3 पर मामला दर्ज

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन पर एक महिला पायलट के यौन शोषण का मामला दर्ज कराया है। घटना 19 जून की रात की है, जब महिला पायलट साउथ मुंबई से अपने घर घाटकोपर जा रही थी। पुलिस ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। महिला पायलट ने बताया कि उसका पति नौसेना में अधिकारी है, लेकिन उन्हें अब तक सरकारी आवास नहीं मिला है। इस वजह से पति नौसेना के आवासीय परिसर में रहतै हैं, जबकि वह घाटकोपर में रहती है। पुलिस के मुताबिक महिला का आरोप है कि कैब ड्राइवर ने 25 मिनट बाद रूट बदल दिया और दो अन्य पुरुषों को कैब में बैठा लिया। उनमें से एक पीछे की सीट पर महिला के पास बैठा था। उसने महिला को गलत ढंग से छुआ। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उस शख्स ने महिला को धमकाया। इस दौरान कैब ड्राइवर ने कुछ नहीं कहा। आगे कुछ दूरी पर पुलिस की चेकिंग चल रही थी। यह देखकर दोनों पुरुष कैब से उतरकर भाग गए। घर पहुंचने पर महिला ने ड्राइवर से उन पुरुषों को कैब में बैठाने की वजह पूछी तो ड्राइवर ने कोई जवाब नहीं दिया। अगले दिन सुबह जब महिला ने अपने पति को पूरी घटना बताई, तब दंपती ने घाटकोपर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सीट पर बैठने को लेकर ट्रेन में विवाद, लोगों ने युवक को पीट-पीट कर मार डाला

बागपत (एजेंसी)। यूपी के बागपत में ट्रेन में सीट के विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी। युवक सहारनपुर-दिल्ली ट्रेन से बागपत आ रहा था। फखरपुर स्टेशन के पास सीट पर बैठने को लेकर उसका विवाद हो गया। 15 से 20 लोगों ने लात-घूंसों और बेल्ट से उसकी जमकर पिटाई कर दी। बागपत से 10 किमी पहले खेकड़ा स्टेशन पर ट्रेन रुकी तो आरोपी उतरकर भाग गए। ट्रेन में सवार युवक के एक साथी ने जीआरपी और परिवार को सूचना दी। घायल युवक को ट्रेन से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि दीपक दिल्ली में नौकरी करता था और हर शुक्रवार दिल्ली से बागपत अपने घर आता था। घटना शुक्रवार की है, लेकिन इसका वीडियो शनिवार को सामने आया है। बता दें दो दिन पहले झांसी में भी वंदे भारत एक्सप्रेस में भी सीट एक्सचेंज को लेकर एक यात्री के साथ मारपीट हुई थी।

मानसरोवर की झील में स्नान पर प्रतिबंध है

देहरादून (एजेंसी)। चीन ने 5 साल बाद मानसरोवर यात्रा के लिए रास्ता खोल दिया है। चीन ने मानसरोवर यात्रियों के लिये इस बार कड़ी गाइडलाइन तैयार की है। मानसरोवर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को चीन ने चेतावनी है। यात्री पवित्र झील में स्नान नहीं करेंगे। पवित्र झील का जल बोतल में भरकर ला सकते हैं। चीन के सुरक्षाकर्मी भारतीय श्रद्धालुओं के सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को लगातार चेक कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के ऊपर चीन द्वारा कड़ी निगाहें रखी जा रही है। मानसरोवर के लिए पहला जत्था नाथुला दर्रे से रवाना हो चुका है। उत्तराखंड के लिपूलेख दर्रे से जाने वाला पहला जत्था 30 जून को दिल्ली से रवाना होगा। 4 जुलाई को टनकपुर पहुंचेगा। यहां से चीन के ताकलाकोट के लिए रवाना होगा। यह जत्था एक रात के लिए नाभीटांग में रुकेगा। इसके बाद चीन के अधिकारी यात्रियों की निगरानी और देखरेख करेंगे। यहां से करीब तीन किलोमीटर की यात्रा पैदल होती है।

हुगली में बीजेपी नेता का शव घर में लटका मिला, पुलिस जांच में जुटी

हुगली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के गोघाट क्षेत्र में शनिवार को बीजेपी के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शेख बकीबुल्ला का शव उनके आवास की दूसरी मंजिल की बालकनी में लटका मिला। इस संबंध में पुलिस ने बताया सूचना पर जब पुलिस टीम मृतक के शव को कब्जे में लेने उनके घर पहुंची तो स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। बकीबुल्ला की पत्नी ने कहा कि रात का खाना खाने के बाद वह अपना फोन देख रहे थे और उन्होंने कहा था कि वह बाद में सो जाएंगे। मुझे नहीं पता कि वह कब बालकनी में चले गए। गोघाट के एक बीजेपी नेता ने कहा कि बकीबुल्ला क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उन्होंने कहा कि हम यह तय करेंगे कि उन्हें न्याय मिले। जिले के टीएमसी नेताओं ने मांग की है कि घटना के पीछे का 'सच' सामने आना चाहिए। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

जांच की आड़ में कुख्यात अपराधियों के घर में नहीं घुस सकती पुलिस : हाईकोर्ट

तिरुवननंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि पुलिस को जांच की आड़ में संदिग्ध व्यक्तियों और कुख्यात अपराधियों के दरवाजे खटखटाने या रात में उनके घरों में घुसने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति वी जी अरुण ने यह फैसला एक व्यक्ति की याचिका पर सुनाया। जिस याचिका में आरोप लगाया गया है कि उस व्यक्ति ने पुलिस अधिकारियों को तब अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से रोका, जब पुलिस ने उसे कुख्यात अपराधियों से जुड़ी जांच के दौरान देर रात घर से बाहर आने को कहा था। याचिका स्वीकार करते हुए कोर्ट ने उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी और उससे संबंधित सभी कार्यवाही को रद्द कर दिया और कहा कि जांच की आड़ में पुलिस कुख्यात अपराधियों के दरवाजे नहीं खटखटा सकती या उनके घरों में जबरन नहीं घुस सकती है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस अधिकारियों को यह समझना चाहिए कि घर की अवधारणा आवास के रूप में अपनी भौतिक अभिव्यक्ति से परे है और भावनात्मक एवं सामाजिक आयामों के एक समृद्ध ताने-बाने को समेटे हुए है। कोर्ट ने कहा कि दूसरे शब्दों कहे कि हर आदमी का घर उसका महल या मंदिर होता है। किसी व्यक्ति के जीवन के अधिकार में गरिमा के साथ जीने का अधिकार शामिल है और गरिमा से समझौता नहीं किया जा सकता।

मोरारी बापू से मिले बाबा रामदेव और बोले- बापू महापुरुष, उनकी आलोचना उचित नहीं

-रामकथा के अंतिम दिन भी बापू ने मांगी क्षमा

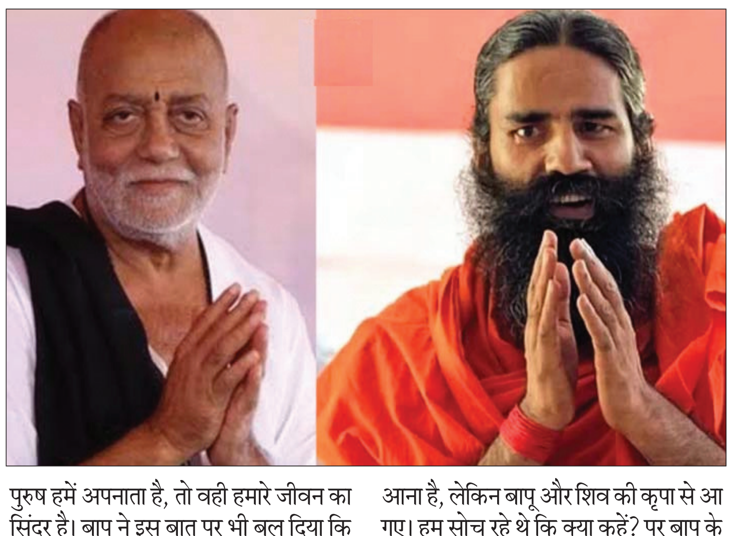

वाराणसी (एजेंसी)। प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू की नौ दिवसीय रामकथा का रविवार को काशी में समापन हो गया। कथा के अंतिम दिन बापू ने यह कहते हुए एक बार फिर सभी महापुरुषों से क्षमा मांगी कि उन्हें लग रहा है मानो कथा अभी अधूरी है। बापू इसी के साथ वचन दिया कि अगली बार वे काशी कबीर मानस लेकर आएंगे। इस अवसर पर योगगुरु बाबा रामदेव विशेष रूप से बापू से मिलने पहुंचे थे। बाबा रामदेव ने यहां कहा कि बापू की आलोचना न तो उचित है और न ही आवश्यक। बापू तो राष्ट्र और संस्कृति की धरोहर हैं। वे बचपन से रामकथा कहते आ रहे हैं। उनके जीवन का उद्देश्य केवल राम की महिमा का गुणगान है। इसी के साथ रामदेव ने बापू को महापुरुष की संज्ञा भी दी।

इस अवसर पर मोरारी बापू ने कहा, योग जरूरी है, लेकिन परमात्मा और परस्पर प्रेम उससे भी अधिक जरूरी है। अगर प्रेम नहीं है, तो योग, ज्ञान, कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रह जाता। उन्होंने सिंदूर की आध्यात्मिक व्याख्या करते हुए कहा, शिव-पार्वती का सिंदूरदान आधि-दैविक है, जबकि राम द्वारा जानकी की मांग भरना आध्यात्मिक है। अगर कोई बुद्ध पुरुष हमें अपनाता है, तो वही हमारे जीवन का सिंदूर है। बापू ने इस बात पर भी बल दिया कि हिंदू सनातन धर्म सर्वश्रेष्ठ है, क्योंकि यह सभी को स्वीकार करता है, सभी का सम्मान करता है।

बापू के आगे बेटा क्या बोलेगा : रामदेव

बाबा रामदेव इस अवसर पर भावुक हो गए और कहा, कि हमें नहीं पता था कि काशी आना है, लेकिन बापू और शिव की कृपा से आ गए। हम सोच रहे थे कि क्या कहें? पर बाप के सामने बेटा क्या बोलेगा। उन्होंने मंच से कहा कि बापू के दो पुत्र हैं - एक पार्थिक और दूसरा पारमार्थिक, और हम सभी उनकी आत्मिक संतान हैं। बाबा रामदेव ने आगे कहा कि बापू की आलोचना अगर विधर्मी करते तो समझ आता, लेकिन सनातनी खुद क्यों तनातनी में लगे हैं? यह सनातन धर्म की संस्कृति नहीं है। बाबा रामदेव ने मंच से स्पष्ट किया कि बापू और मैं किसी भी राजनीति से नहीं जुड़े हैं। न हमें किसी नेता ने बुलाया है, न हम किसी राजनीतिक उद्देश्य से यहां हैं। उन्होंने कहा कि बापू के पास इतनी शक्ति है कि वह राजनेता बना सकते हैं, लेकिन कोई राजनेता उन्हें नहीं बना सकता।

पहले कुछ ही मुसलमान आते थे अब संख्या बढ़ गई

बाबा रामदेव ने कहा कि कथा स्थल पर पहले कुछ ही मुसलमान आते थे, लेकिन अब उनकी संख्या बढ़ गई है, जो सनातन धर्म की व्यापकता और समावेशी स्वरूप को दर्शाता है। काशी की यह कथा केवल राम की महिमा तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्रेम, स्वीकार्यता और सनातन संस्कृति का ऐसा मंच बन गई, जहां से बापू और बाबा रामदेव ने समाज को विचार और आत्मचिंतन का संदेश दिया। मोरारी बापू का यह कथन कि मैं नित्य प्रसन्न हूं, क्योंकि मेरे बुद्ध पुरुष ने मेरी मांग भरी है, आध्यात्मिक प्रेम की गहराई को दर्शाता है, जो सनातन संस्कृति का मूल है।

आरएसएस के प्रांत प्रचारकों की बैठक 4 जुलाई से

- बैठक में भाजपा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की कर सकती है घोषणा

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सभी प्रमुख अधिकारी अपनी क्षेत्रीय इकाइयों के पदाधिकारियों के साथ वार्षिक प्रांत प्रचारक बैठक के लिए जुलाई के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय राजधानी में होंगे। बैठक में 11 क्षेत्रीय प्रमुख, 46 प्रचारक और विभिन्न प्रांतों से वरिष्ठ आरएसएस स्वयंसेवक भाग लेंगे। इसमें मई और जून में आयोजित प्रशिक्षण सत्रों का भी मूल्यांकन किया जाएगा और अगले वर्ष के कार्यक्रमों की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसका लक्ष्य आंतरिक समन्वय को तेज करना और आगामी संगठनात्मक मील के पत्थर और सामाजिक-राष्ट्रीय पहलों के लिए रणनीति को बढ़ाना है। 4 जुलाई से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक की अध्यक्षता आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले करेंगे। परंपरागत रूप से प्रांत प्रचारक बैठक वह जगह होती है जहां संघ पूर्णकालिक प्रचारकों की भूमिकाओं की समीक्षा करता है, और कभी-कभी उन्हें भाजपा में प्रतिनियुक्त करता हैफ। हालांकि ऐसा काम किए हुए कुछ समय हो गया है। बैठक का समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ऐसे समय में हो रही है जब भाजपा द्वारा अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। यह उच्च स्तरीय बैठक संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, आंतरिक समन्वय को मजबूत करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने पर केंद्रित होगी। एक प्रमुख एजेंडा संघ के शताब्दी समारोह की तैयारी होगी, जिसमें देश भर में बड़े पैमाने पर भागीदारी की योजना बनाई गई है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं : रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम में कई स्तरों पर खामियां हैं और विभिन्न शहरों में इसके तहत आवंटित धन का पूरा उपयोग भी नहीं किया गया।

पूर्व पर्यावरण मंत्री रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम कई स्तरों पर नीतिगत खामियों से ग्रसित है। इसकी सबसे बड़ी कमी यह रही है कि इस कार्यक्रम का फोकस पीएम 2.5 (2.5 माइक्रोन से छोटे कणों) के बजाय पीएम10 (10 माइक्रोन से छोटे कणों) को मापने और निगरानी तक सीमित कर दिया गया, जबकि हर साल हजारों लोगों की मौत का मुख्य कारण पीएम 2.5 होता है। .

उन्होंने कहा कि अब यह भी सामने आ रहा है कि कार्यक्रम का दायरा सीमित किए जाने के बावजूद धन का उपयोग बेहद निराशाजनक रहा है। रमेश के अनुसार, इस योजना के तहत धन पाने वाले 130 शहरों ने औसतन केवल 70 से 78.5 प्रतिशत तक ही धन का उपयोग किया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहर में जहां हर साल वायु प्रदूषण एक सार्वजनिक स्वास्थ्य की आपात स्थिति और राष्ट्रीय शर्म का विषय बन जाता है, यहां भी इस योजना के तहत मिले धन का महज 33 प्रतिशत से भी कम खर्च किया गया है।कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि फरीदाबाद ने सिर्फ 26.7 प्रतिशत, नोएडा ने 10 प्रतिशत से भी कम, और यहां तक कि प्रधानमंत्री का निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी भी सिर्फ 48.85 प्रतिशत धन का उपयोग कर पाया, जो कि राष्ट्रीय औसत से काफी कम है।

मेघालय 'हनीमून मर्डर' मामला: पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर को किया गिरफ्तार, काले बैग के बारे में करेगी पूछताछ

-राजा की हत्या के बाद विशाल को ब्रोकर जेम्स ने फ्लैट किराए पर दिया था

शिलांग (एजेंसी)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में अब एक और गिरफ्तारी हुई है। शिलॉन्ग पुलिस ने शनिवार रात प्रॉपर्टी ब्रोकर सिलोम जेम्स को गिरफ्तार किया है। ये ब्रोकर वही है, जिसने राजा हत्याकांड के आरोपी विशाल को इंदौर के देवास नाका का फ्लैट किराए पर दिया था। सरेंडर से पहले इसी फ्लैट में सोनम ने फरारी काटी थी। सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूत छिपाने, नष्ट करने के मामले में सहआरोपी बनाया है।

प्रॉपर्टी ब्रोकर ने फ्लैट के गार्ड के साथ मिलकर उस बैग को गायब किया था, जिसमें पिस्टल और पांच लाख रुपए के साथ राजा के जेवर होने की बात कही थी। उधर, सोनम और राज को 13 दिनों की न्यायायिक हिरासत में भेजा गया है। शिलॉन्ग पुलिस ने सोनम के परिवार, ऑफिस, गोदाम के कर्मचारियों और राजा के परिजन के बयान दर्ज किए हैं। शिलॉन्ग पुलिस उस काले रंग के बैग की तलाश में इंदौर आई थी, जिसके बारे में सोनम ने बताया था।

सोनम ने पुलिस से कहा था कि राज कुशवाहा ने राजा को ठिकाने लगाने के लिए एक पिस्टल खरीदी थी। पहले पिस्टल से ही राजा को मारने का प्लान था। बाद में धारदार हथियार से मारा। पिस्टल और पांच लाख रुपए काले बैग में कपड़ों के बीच छिपाकर रखे थे। ये बैग सोनम के प्रेमी राज कुशवाह ने विशाल के जरिए ऑटो रिक्शा बुक करके सोनम के पास देवास नाका के फ्लैट में भेजा था। 8 जून को इंदौर से निकलते समय सोनम बैग फ्लैट में छोड़कर आई थी। फ्लैट की चाबी गार्ड को सौंपकर दी थी। सोनम के जाने के बाद 10 जून को सिलोम जेम्स अपनी कार से फ्लैट में पहुंचा और बैग उठाकर ले गया।

शनिवार को शिलांग पुलिस ने ड्राइवर से पूछताछ के बाद सिलोम को दबोच लिया जो दिल्ली भागने की फिराक में था। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। शिलॉन्ग पुलिस उसे साथ में ले जा सकती है। वहीं, पुलिस को अब काले बैग की तलाश है, जिसके बारे में सिलोम जेम्स जानता है। गार्ड को भी शिलॉन्ग पुलिस तलाश रही है। वह भी शक के दायरे में है। इस मामले में इंदौर पुलिस ने बताया कि सिलोम जेम्स को शिलॉन्ग पुलिस ने सबूतों के आधार पर गिरफ्तार किया है।

एडिशनल डीसीपी ने बताया कि शिलॉन्ग से आई एसआईटी सिलोम जेम्स की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ कर रही है। पूछे जाने पर कि क्या शिलॉन्ग पुलिस जेम्स के अपने साथ लेकर मेघालय जाएगी? उन्होंने कहा कि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, अगर ऐसा होता है तो पहले उन्हें ट्रांजिट रिमांड लेनी पड़ेगी, उसके बाद लेकर जा सकते हैं।

अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि... नीतीश कुमार को लेकर ऐसा क्यों बोले तेजस्वी यादव

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले राज्य में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि यह तय हो चुका है और गठबंधन की रणनीति के अनुसार इसका खुलासा किया जाएगा। एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में, जब सीएम के चेहरे के बारे में पूछा गया, तो यादव ने कहा कि सब कुछ तय हो चुका है। हम अपनी रणनीति के अनुसार इसका खुलासा करेंगे।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि भाजपा कहेगी कि चुनाव के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। उन्हें अमित शाह से हलफनामा लिखवाना चाहिए कि पांच साल तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। भाजपा जिस भी पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे खत्म कर देती है। पूरे देश में किसी भी क्षेत्रीय पार्टी को देख लीजिए... देखिए भाजपा ने चिराग पासवान की पार्टी के साथ क्या किया। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि 'भक्तों' को नहीं पता कि इरज एक संस्कृत शब्द है। इसका मतलब है 'पवनपुत्र', जो हनुमान का नाम है। भाजपा के लोगों को सनातन के बारे में कुछ नहीं पता। उन्हें संविधान या धर्म के बारे में कुछ नहीं पता।

अपने दूसरे बच्चे के नाम को लेकर उठे विवाद पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव जवाब दे रहे थे। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के 'तेजस्वी यादव से पूछो कि वह 10वीं की परीक्षा कब पास करेंगे' वाले तंज पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'इससे मुझे कोई दुख नहीं होता। एक डिग्री आपको हर गुण नहीं दे सकती। व्यावहारिक जीवन का अनुभव भी उपयोगी होता है। मैं एक खिलाड़ी था... लेकिन अगर डिग्री की बात करें तो हमारे देश के लोगों को पता ही नहीं है कि पीएम नरेंद्र मोदी के पास कौन सी डिग्री है।'

यादव कहते हैं, 'अगर चिराग पासवान मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं तो उन्हें खुलकर कहना चाहिए. उन्हें ये सब ड्रामा करने की क्या ज़रूरत है कि 'बिहार बुला रहा है।' क्या बिहार ने उन्हें इतने सालों तक भगाया? कुछ तो तर्क होना चाहिए। वो बिहार से जीते हैं। वो बिहारी हैं। अब वो कह रहे हैं 'बिहार बुला रहा है.'... मैं हमेशा कहता हूं कि मुझे सरकार भी नहीं बनानी है, मैं बिहार का विकास करना चाहता हूं. मुझे एक मौका दीजिए ऐसा करने का।'

योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी: अखिलेश यादव

- अखिलेश ने सरकार पर किया वार... फिर खोला चुनावी पिटारा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हाल ही में अपने संसदीय क्षेत्र कन्नौज पहुंचे। यहां पर मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने योगी आदित्यनाथ सरकार पर कड़ी आलोचना की और कई मुद्दों पर अपनी विचार रखे।

अखिलेश ने कहा कि योगी सरकार के स्कूल मर्जर योजना का सपा पुरजोर विरोध करेगी। अगर स्कूलों को मर्ज कर दूर-दूर किया गया तो बेटियों को पढ़ाई में बहुत दिक्कत होगी। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है और हर जिले से भ्रष्टाचार की शिकायतें आ रही हैं। इसलिए सरकारी कर्मचारी ट्रांसफर-पोस्टिंग के जरिए अपना निजी फायदा करने में लगे हुए हैं। अगर उनकी पार्टी 2027 में सरकार बनती है तो वे ई-रिक्शा और तांगा फ्री करने का वादा करेंगे। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण पर भी उन्होंने सवाल उठाए। मीडिया इस पर सवाल नहीं कर सका इसलिए सरकार ने हवाई दौरा किया। उन्होंने कहा कि कोई भाजपाई गाय का दूध नहीं पीता। इन्हें गोबर से प्यार है, गोबर गिफ्ट में दें तो बहुत अच्छा लगेगा। योगा को लेकर भी उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि ये लोग केवल दिखावे के लिए योगा कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा कि जो भाजपा वाले सिंदूर यात्रा निकाल रहे थे, वे झांसा दे रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के मामलों में हम सब एक हैं और फौज के साथ हैं। उन्होंने बताया कि 'सिंदूर' शब्द का मतलब है 'पाप' और 'दूर'। उनका कहना था कि भाजपा की ये यात्रा अपनी कमियां छिपाने की कोशिश थी। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम के दौरान अखिलेश यादव मकरन्द नगर स्थित पूर्व चेयरमैन सुनील कुमार गुप्ता के शोरूम भी गए और वहां के कारोबारियों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे कारोबारियों की मदद करेंगे।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने के लिए रेडियो सशक्त माध्यम: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि रेडियो दशकों से अस्तित्व में है और वर्तमान समय में भी उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने इसे एक प्रभावशाली माध्यम बताया जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकता है। वह महाराष्ट्र रेडियो महोत्सव और आशा रेडियो पुरस्कार समारोह में बोल रहे थे, जहां प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले भी मौजूद थीं।

फडणवीस ने छह रेडियो जॉकी से भी बातचीत की। फडणवीस ने रेडियो से अपने जुड़ाव, संगीत के प्रति अपने प्रेम और गीत लिखने के अपने शौक को याद किया। विश्व संगीत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने एक कविता भी सुनाई और एक गीत भी गुनगुनाया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रेडियो के गहन प्रभाव को पहचाना और प्रत्येक नागरिक से सीधे जुड़ने के साधन के रूप में 'मन की बात' की शुरुआत की। कार्यक्रम में आशा भोसले ने कहा, ''अगर रेडियो नहीं होता, तो मैं आज इस मुकाम पर नहीं होती।''

रेडियो की प्रासंगिकता पर जोर देते हुए फडणवीस ने कहा कि यह दशकों से अस्तित्व में है, लेकिन आज भी यह उतना ही प्रभावशाली है। उन्होंने कहा, ''हमारी सुबह हमेशा रेडियो से शुरू होती थी। हम कभी भी विविध भारती के गाने नहीं भूलते - यहीं से रेडियो से मेरा असली जुड़ाव शुरू हुआ।''

उन्होंने कहा, ''मेरा लंबे समय से मानना रहा है कि हमें रेडियो उद्योग में काम करने वालों के योगदान को सार्थक रूप से स्वीकार करना चाहिए। इन पुरस्कारों की स्थापना उस दिशा में एक सार्थक कदम है। भले ही हम रेडियो पर बोलने वाले व्यक्ति को नहीं देख सकते, लेकिन उनके शब्द जीवंत छवि बनाते हैं। रेडियो में ध्वनि के माध्यम से चित्र बनाने की शक्ति है।''

कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में उत्कृष्टता को सम्मानित करने के लिए इन पुरस्कारों की शुरुआत की है।

उन्होंने बताया कि भारत का पहला रेडियो प्रसारण 1923 में 'रेडियो बॉम्बे' के रूप में शुरू हुआ था। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र देश का पहला राज्य है जो इस तरह के सम्मान के माध्यम से रेडियो उद्योग में योगदान को औपचारिक रूप से मान्यता और सम्मान दे रहा है। इस कार्यक्रम में 12 श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए।

तपती गर्मी और सुरक्षा

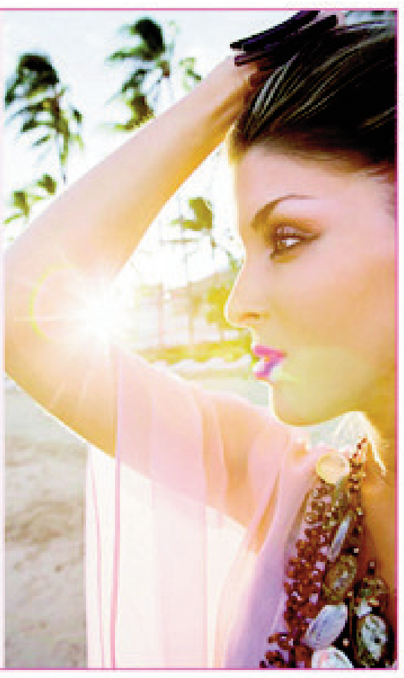

गर्मियाँ आते ही ठंडा वातावरण मन को भाने लगता है। घर और कार्यालयों को भी ठंडा रखने की कवायदें शुरू हो जाती हैं, लेकिन पूरे समय तो आप घर या दफ्तर की चहारदीवारी से घिरे नहीं रह सकते तो कौन से सुरक्षा के तरीके अपनाएँ, जब बाहर सूर्य से मुकाबला करना हो, आइए जानें।

■ **उबला पानी :** अक्सर पानी का बदलाव शरीर पर दुष्प्रभाव छोड़ता है। इससे बचने के लिए अपने साथ उबला हुआ पानी ले जाएँ या सादे पानी में एक हल्दी की गाँठ डाल लें।

■ **नीबू, नमक, शकर और खाने का सोडा :** अपने साथ नीबू, शकर, नमक व खाने का सोडा भी रखें। जब अधिक गर्मी सताए या जी मिचलाए तो एक कप पानी में एक चम्मच शकर, नीबू का रस व एक चुटकी सोडा मिलाकर पी लें। नीबू चूसना भी फायदेमंद रहेगा। सादा नमक का पानी बार-बार पीने से भी गर्मी अधिक परेशान नहीं करेगी।

■ **सेंधा नमक और अजवाइन :** यदि आपको पित्त गिरने की शिकायत रहती है तो अपने साथ सेंधा नमक और अजवाइन मिलाकर रखें। दो-तीन बार खा लें।

■ **प्याज :** लू से बचने के लिए एक प्याज अपने पॉकेट या पर्स में लपेटकर रखें। इसे बार-बार सूँघने से लू नहीं लगेगी।

■ **कच्चे आम का पना :** कच्चे आम को उबालकर उसको ठंडा कर लें। ठंडे पानी में गूदे को मैश करके छान लें। थोड़ी-सी हींग, सौंफ और जीरा भूनकर पीस लें। सूखा पुदीना, शकर, काला और सेंधा नमक इस शरबत में मिलाएँ। इस शरबत को बाहर जाने से पहले पी लेने से लू नहीं लगेगी या गंतव्य स्थान पर पहुँच कर पी लें।

■ **गीला तौलिया व आँवला :** गर्मी में खासतौर पर सफर के दौरान एक गीला तौलिया हमेशा सिर पर रखें या हो सके तो एक गीला कपड़ा खिड़की पर बाँध लें। यदि अचानक नकसीर फूट जाए तो गीला कपड़ा नाक पर रख लें और ठंडा पानी सिर पर डालें। यदि आपको नकसीर की बीमारी है तो शुद्ध घी में आँवला पीसकर बराबर मात्रा में मिला लें और इसे भी साथ रख लें। इसे लगाने से खून रुक जाएगा।

■ **त्रिकुटी चूर्ण :** कम से कम खाइए। फिर भी अपचन न हो, इसके लिए त्रिकुटी का चूर्ण शहद के साथ सुबह ही खा लीजिए। काली पीपल, काली मिर्च व सौंठ को बराबर मात्रा में लेकर पावडर बना लीजिए। सफर में शहद के साथ यह चूर्ण खाने से आपको पेट संबंधी समस्या परेशान नहीं करेगी।

■ **आई ड्रॉप व कॉटन :** यदि आपकी आँखें जल्दी लाल हो जाती हैं तो आँखों को साफ करने का लोशन व रुई भी साथ में रखिए। लोशन में रुई का फाहा भिगोकर थकी और लाल आँखों पर रखिए। आपको बहुत आराम मिलेगा।

■ **धूप का चश्मा :** एक बड़ी फ्रेम वाला धूप का चश्मा भी गर्मी से बचाव की जरूरत को पूरा करता है। यह आँखों के साथ-साथ चेहरे की धूप से रक्षा करेगा।

■ **बड़ा स्कार्फ :** तैलीय मेकअप बिलकुल न करें, क्योंकि यह पसीने के साथ मिलकर आपके चेहरे को बदसूरत बना देगा। खुले बाल सफर में उड़-उड़कर उलझ जाते हैं तो बाद में ज्यादा टूटते हैं। एक बड़ा स्कार्फ बालों पर बाँध लें तो आप इस मुसीबत से भी बच जाएँगी।

फायदे गर्मी के

- शाम को इडली डोसा बनाना है, रात में दाल-चावल भिगोना भूल गए। याद भी आया तो सुबह 10 बजे। एक काम कीजिए उबलने जितना गर्म पानी कर दाल चावल भिगो दें। 1 बजे तक अच्छी तरह भीग जाएँगे। पीसकर घोल को ढँककर धूप में रख दें या स्टेबीलाइजर पर रख दें। सिर्फ 3 से 4 घंटों में अच्छा खमीर वाला घोल तैयार हो जाएगा। जब चाहें इडली-डोसा बना लें।
- रोज दही चाहिए? रात में जमाना भूल गए। सुबह उठकर दूध को कुनकुना गर्म करें। जामन थोड़ा अधिक डालें। अच्छी तरह मिलाकर ढक्कन बंद डिब्बे में धूप में रखें या स्टेबीलाइजर पर और यह लीजिए 12 बजे तक दही तैयार है।
- छोले या राजमा रात में भिगोना भूल गए हों तो सुबह तेज गर्म पानी में डाल दें। तीन घंटे में ही भीग जाएँगे।
- गर्मियों में भी कुनकुने पानी से नहाने की आदत है तो बाल्टी भर पानी तेज धूप में रख दें।
- कभी भी बाहर से आने पर पना पीना चाहिए। उबली हुई केरियाँ फ्रीज में अवश्य रखें और तुरंत इनसे पना बना लें।

नई ताजी केरी का मुरब्बा या छुंदा चाहिए तो केरी किसकर शकर मिलाकर सोलर कुकर में रख दें। एक दिन में तैयार हो जाएगा। या पतीले पर कपड़ा बाँधकर धूप में रखें तीन दिन में चाशनी तैयार हो जाएगी।

मैंगो लस्सी

सामग्री : 2 कप दही, 1 कप मैंगो पल्प (आम का गूदा), आधा टी स्पून इलायची पावडर, आधा कप शकर, आधा कप आम (बारीक कटा), 1 बड़ा चम्मच पिस्ता कतरन, बर्फ (अंदाज से)।

विधि : सर्वप्रथम ब्लैंडर में आम का गूदा एवं शकर मिलाकर चलाएँ। फिर इसमें दही, इलायची पावडर एवं बर्फ मिलाकर पुन: एक बार चलाएँ। मैंगो लस्सी तैयार है। इसे काँच के गिलासों में भरें। ऊपर से प्रत्येक गिलास में बारीक कटे आम के टुकड़े डालें। पिस्ता कतरन छिड़ककर ठंडी-ठंडी मैंगो लस्सी पेश करें। पीने वाले आपकी तारीफ किए बिना नहीं रहेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली 4092

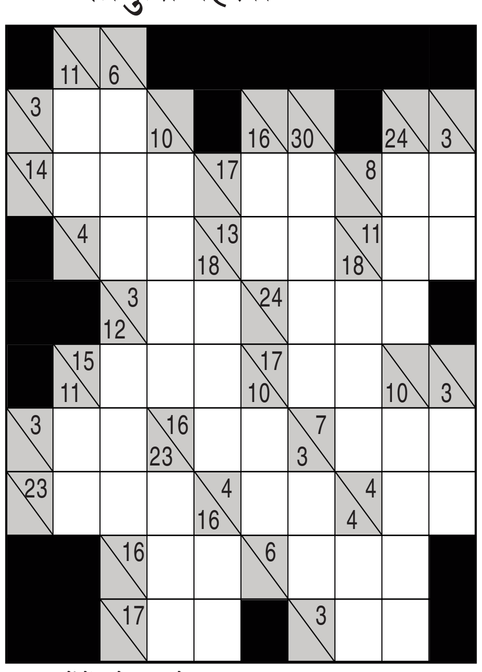

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

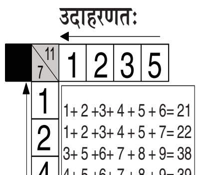

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो 4091 का हल

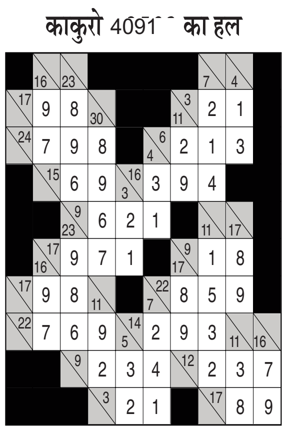

हंसी के फूव्वारें

एक पागलखाने में एक दर्शक का गाइड ने बताया-'यह जो पागल आपके सामने खड़ा है, इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसे उस लड़की ने ठुकरा दिया, जिसे वह प्यार करता था.'

'और वह!' दर्शक ने एक अन्य पागल की तरफ इशारा करते हुए पूछा.

'ओह !' गाइड बोला-'इसकी यह दशा इसलिए हुई कि इसने उसी लड़की से विवाह कर लिया.'

□ □ □

पहला-'पत्नी हर जन्म में वही पति क्यों पाना चाहती है?'

दूसरा-ताकि उस पति को सुधारने का परिश्रम बेकार न चला जाए.

□ □ □

'दुर्लभ पुस्तक किसे कहते हैं ?'

'जिसे पढ़कर सगे संबंधी, मित्र और पड़ोसी सुरक्षित लौटा दें.'

□ □ □

बाजार से आते ही मालकिन नौकरानी पर बिगड़ गई-''कल से तू काम पर मत आना !''

''जी ! क्या बात हो गई ?''

''जब मैं बाजार गई थी तो तेरे हाथ में चार चूड़ियां थीं, अब दो ही रह गई हैं.''

''जी. वह काम करने में टूट गई !''

''वह तो ठीक है. मगर पलंग पर तू क्या काम करने गई थी?''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 4092

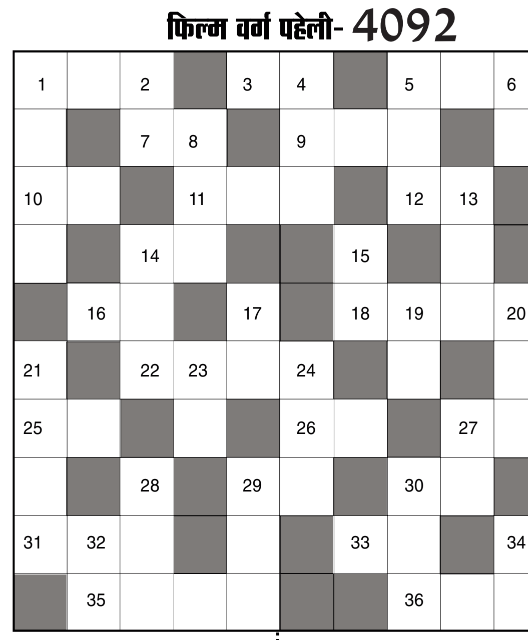

ऊपर से नीचे:-

१. 'हय्या हू' गीत वाली गोविंदा, ऐश्वर्या की फिल्म-४
२. एलबम 'मैं भी मैडोना' का गायक?-२
४. 'शहर की लड़की' गीत वाली फिल्म-३
५. नासिर खान, मीनाकुमारी की फिल्म-३
६. अमिताभ वाली 'याराना' की नायिका?-२
८. 'कुर्बानी' में फिरोज की नायिका?-३
१३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
१४. अनिल, जूही, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अरविंद स्वामी, मधु की 'दिल है छोटा सा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख, पूनम की फिल्म-२
१९. 'एहसास' में सुनील शेट्टी की नायिका-२
२०. फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३
२१. अनिल, मीनाक्षी की 'जिंदगी हर कदम' गीत वाली फिल्म-२,२
२३. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२७. उमादेवी के गाये 'अफसाना लिख रही हूँ' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'तितली उड़ी' गीत राजेंद्रकुमार की किस फिल्म का है-३
२९. जीतेंद्र, रणधीर, राकेश, रेखा की फिल्म-३
३०. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीतवाली फिल्म-३
३२. विवेक, दीया मिर्जा की फिल्म-२
३४. अमिताभ की 'खाइके पान' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अमृता की 'मैं माटी का गुड्डा' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता की फिल्म-२
५. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीतवाली फिल्म-३
७. 'धीरे धीरे आप मेरे दिल में' गीत वाली आमिर, जूही की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, सुनीलदत्त, संजय, सनी, रवीना, दिव्या की बहु सितारा फिल्म-३
१०. 'कोयल सी तेरी बोली' गीत वाली फिल्म-२
११. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
१२. 'फूल माँगूं ना' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'आजा जाने जाँ' गीतवाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-२
१६. 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली देव आनंद, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, संजयदत्त, जूही की 'ढूंढ रही थी' गीत वाली फिल्म-४
२५. सनी वाली फिल्म 'जाल' में तब्बू के साथ दूसरी नायिका-२
२६. दिलीप, रेखा, ममता की फिल्म-२
२७. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली संजय, सलमान, रवीना की फिल्म-२
२९. 'नशा ये प्यार का नशा है' गीत वाली फिल्म-२
३०. अल्ताफ रजा के गीत 'पीलो प्यार दी विस्की' वाली फिल्म-२
३१. सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
३३. 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
३५. अमिताभ, परवीन की 'आदमी जो कहता है' गीत वाली फिल्म-४
३६. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 4091

सूडोकु -4092

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4091 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 4092

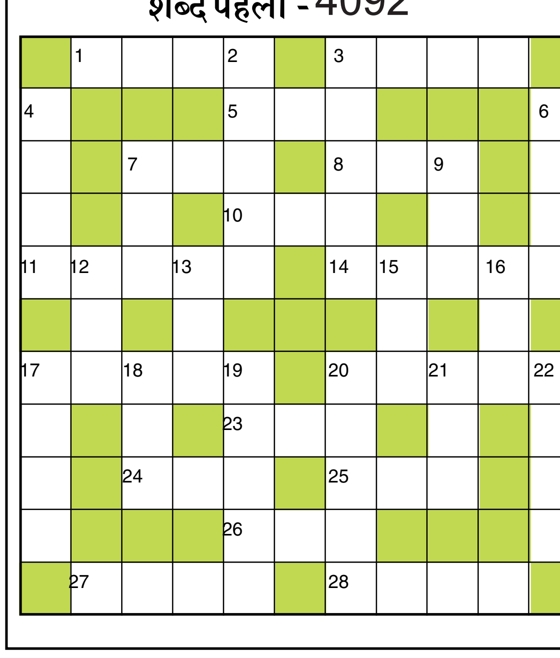

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 4091 हल

मौलाना बद्रे आलम की आपत्ति के बाद भाजपा नेताओं ने किया पलटवार

एजेंसी

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के बीच सूर्य नमस्कार को लेकर सियासी घमासान मचा है। एक मुस्लिम धर्मगुरु बद्रे आलम ने सूर्य नमस्कार पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई। अब भाजपा के नेताओं ने मौलाना बद्रे आलम को जवाब दिया है। केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि मौलाना का आरोप बिल्कुल निराधार और बेतुका है। भाजपा सांसद साक्षी महाराज ने भी मौलाना बद्रे आलम की टिप्पणी पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा, कुछ लोगों को आपत्ति जताने की आदत होती है या फिर वो बस मीडिया की सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। हालांकि, मैं दुनियाभर के उन सभी देशों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने योग को स्वीकार किया है। मौलाना बद्रे आलम की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए राकेश त्रिपाठी ने कहा, चाहे योग हो या सूर्य नमस्कार, ये कोई आध्यात्मिक या धार्मिक अनुष्ठान नहीं है। ये हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। दुर्भाग्य से कुछ लोग जानबूझकर कट्टर बने रहना और अंधविश्वास में फंसे रहना पसंद करते हैं। अपनी कठोर मानसिकता के कारण वो लोगों को योग से दूर रखने की कोशिश करते हैं, जो बीमारियों को रोकने और अच्छे स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करता है।

निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी निंदनीय और अलोकतांत्रिक - सचिन पायलट

जयपुर। राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने इस मामले में राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला करार देते हुए सरकार की मंशा पर सवाल उठाए। पायलट ने कहा कि सरकार विरोध की आवाज को दबाने के लिए प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग कर रही है। सचिन पायलट ने तल्ख लहजे में कहा, सरकार का यह रवैया साफ है, जो हमारे खिलाफ बोलेगा, जो लड़ेगा, उसे कुचल देंगे। यह निंदनीय और अलोकतांत्रिक है। शांतिपूर्ण प्रदर्शन और धरना देना हर नागरिक का संवैधानिक हक है और विपक्ष का दायित्व है कि वह जनता की आवाज उठाए। लेकिन सरकार ऐसी कार्रवाइयों से गलत संदेश दे रही है। यह लोकतंत्र के लिए खतरा है। सरकार इस तरीके की कार्रवाई करके जो संदेश देने का काम कर रही है, उसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। वह निंदनीय है। उदयपुर संभाग के सबसे बड़े एमबी चिकित्सालय स्थित दिलशाद हॉस्टल में एक युवा डॉक्टर रवि शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला गर्मा गया है।

तीज उत्सव होगा इस बार और भी भव्य, शिल्पग्राम के पुनर्विकास की बनेगी उत्कृष्ट कार्ययोजना - दिया कुमारी

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शासन सचिवालय, जयपुर में पर्यटन विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों पर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में तीज महोत्सव, शिल्पग्राम का पुनर्विकास, जमवाय माता मंदिर क्षेत्र का विकास, तथा राजस्थान के ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस बार तीज उत्सव को दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में और अधिक भव्यता से मनाया जाए, ताकि राज्य की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर और भी मजबूती से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने जवाहर कला केन्द्र परिसर स्थित शिल्पग्राम के पुनर्विकास को लेकर एक उत्कृष्ट कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए, जिससे वहाँ के कलाकारों को वर्ष भर कला प्रदर्शन के अवसर मिल सकें और उनकी आजीविका को स्थायित्व मिले। शिल्पग्राम को एक जीवंत सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में यह अहम कदम माना जा रहा है। तीज उत्सव को इस वर्ष दो दिवसीय और अधिक भव्य स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। शिल्पग्राम के पुनर्विकास की योजना में कलाकारों को केंद्र में रखकर एक दीर्घकालिक विज़न तैयार किया जाएगा। जमवाय माता मंदिर क्षेत्र के विकास कार्यों में प्रगति लाई जाएगी।

राजस्थान को सड़क विकास के लिए केंद्र से 14,811 करोड़ की सौगात

जयपुर। केंद्र सरकार ने वार्षिक एक्शन प्लान 2025-26 के तहत राजस्थान को सड़क उन्नयन और विकास कार्यों के लिए ?14,811 करोड़ की बड़ी सौगात दी है। इस ऐतिहासिक बजट को लेकर राज्य की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का हृदय से आभार जताया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि- प्रदेश को डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है। यह बजट राजस्थान की अधोसंरचना को नई दिशा और रफ्तार देगा। आने वाले समय में गांव-गांव तक पक्की और चौड़ी सड़कों का

जाल बिछेगा, जिससे विकास और रोज़गार दोनों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह फंड राज्य के प्रमुख मार्गों, ग्रामीण संपर्क सड़कों, औद्योगिक कॉरिडोर और यातायात दबाव वाले इलाकों के उन्नयन में उपयोग होगा, जिससे परिवहन व्यवस्था अधिक सुगम और सुरक्षित हो सकेगी।

छत्तीसगढ़ में मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने की अनूठी पहल, सीएम साय ने 'गजरथ यात्रा' का किया शुभारंभ

एजेंसी

जशपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर के रणजीता स्टेडियम परिसर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 'गजरथ यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। यह अभिनव पहल छत्तीसगढ़ में मानव-हाथी द्वंद को कम करने और वन्यजीव संरक्षण के लिए जनजागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इस यात्रा के माध्यम से स्कूलों, ग्राम पंचायतों और हाट-बाजारों में पहुंचकर हाथियों के व्यवहार, सुरक्षा उपायों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा, मानव और हाथियों के बीच बढ़ते टकराव को कम करने के लिए सामुदायिक भागीदारी और जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

'गजरथ यात्रा' इस दिशा में एक सार्थक कदम है, जो लोगों को शिक्षित कर मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने वन विभाग के उन कर्मचारियों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री साय ने स्टेडियम परिसर में सिंदूर का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत नागरिकों से अपील की कि वे अधिक से अधिक पौधरोपण करें। पेड़ न केवल जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि जल संरक्षण, जैव विविधता और जलवायु संतुलन के लिए भी आवश्यक हैं। मुख्यमंत्री साय ने वन विभाग की ओर से तैयार एक लघु फिल्म और पुस्तिका का विमोचन भी किया, जिसमें हाथियों से संबंधित सावधानियां, उनके व्यवहार को समझने और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई है। यह स्कूली बच्चों, ग्रामीणों और स्थानीय समुदायों में वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

केदारनाथ हेली सेवा सातवें दिन भी ठप, श्रद्धालु लौटे बैरंग

एजेंसी

रुद्रप्रयाग। गुप्तकाशी, फाटा और शेरसी से सातवें दिन भी केदारनाथ के लिए हेलीकॉप्टर सेवा संचालित नहीं हो सकी। इससे बाबा केदारनाथ के दर्शन की आकांक्षा लेकर पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौटने को मजबूर हो गए। केदारनाथ हेलीकॉप्टर सेवा के नोडल अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। उन्होंने बताया कि सभी हेली कंपनियों के वापस लौटने की संभावना है। सुबह से ही केदारनाथ सहित केदारघाटी में हल्का कोहरा छाया रहा, जिस कारण गुप्तकाशी से ट्रांस भारत, फाटा व शेरसी से पवन हंस, ग्लोबल वेक्ट्रा, हिमालयन हेली और एरौ हेली कंपनी के हेलिकॉप्टर ने उड़ान नहीं भरी। इस दौरान इन कंपनियों के पास कुल 658 टिकट बुक थीं, जिन्हें रद्द कर

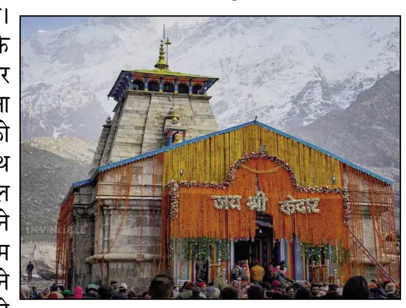

दिया गया। हेलीकॉप्टर का संचालन नहीं होने से बाबा केदार के दर्शनों को आये ज्यादातर श्रद्धालु बैरंग ही अपने घरों को लौट गये। बीते 15 जून से हेली कंपनियों के हेलिकॉप्टर अपने-अपने हेलिपैड पर खड़े हैं।

एयर इंडिया की लापरवाही, चेन्नई से लगेज बिना पटना पहुंचीं फ्लाइट, यात्रियों ने किया हंगामा

एजेंसी

पटना। जय प्रकाश नारायण (जेपी) पटना हवाई अड्डे पर विमान कंपनियों की लापरवाही से यात्रियों को लगातार परेशानी झेलनी पड़ रही है। सुबह एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट IX-2936, चेन्नई से पटना पहुंची। फ्लाइट में 186 यात्री सवार थे, लेकिन करीब दो दर्जन से अधिक यात्रियों का सामान चेन्नई में ही छोड़ दिया गया। इससे नाराज यात्रियों ने हंगामा किया। विमान ने जैसे ही पटना हवाईअड्डे पर लैंड किया तो अनाउंसमेंट किया गया कि यात्रियों का लगेज 4 नंबर बेल्ट पर आएगा। लेकिन जब यात्री वहां पहुंचे तो उन्हें सामान नहीं दिखा।

एयर इंडिया की ओर से बाद में बताया गया कि विमान में वजन अधिक होने की वजह से लगेज लोड नहीं किया जा सका। इस पर नाराज यात्रियों ने पटना एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एयर इंडिया के ग्राउंड स्टाफ और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों को हस्तक्षेप करना पड़ा। एयर इंडिया के एक अधिकारी ने मीडिया से

बातचीत में बताया कि विमान पर 186 यात्री सवार थे। इस कारण वजन अधिक हो गया था। समर शेड्यूल में हवा गर्म रहती है। ओवरवेट होने से फ्लाइट के टेकऑफ होने में परेशानी हो सकती है। ऐसे में कार्गो और पेसेंजर की क्षमता कम की जाती है, जिसे टोल पैनेल्टी भी कहते हैं। इस कारण यात्रियों का लगेज नहीं लाया जा सका। एयर एंडिया के अधिकारी ने बताया कि जिन यात्रियों का स्टॉपेज पटना था, उनके घर तक लगेज पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। जिनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूटी है, उन्हें दूसरे विमान से एयर इंडिया की तरफ से भेजा जाएगा।

तेजस्वी यादव मानसिक रूप से बीमार, कराएं इलाज - शंभू शरण पटेल

एजेंसी

पटना। पीएम मोदी के सिवान दौरे को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के 100 करोड़ खर्च करने वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा सांसद शंभू शरण पटेल ने तेजस्वी यादव के बयान की घोर निंदा करते हुए इसे गलत करार दिया है।

शंभू शरण पटेल ने समाचार एजेंसी से बातचीत की। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव मानसिक रूप से बीमार हैं और उन्हें इलाज की सख्त जरूरत है। मेरी राय है कि वह अपने दिमाग का इलाज जरूर कराएं और जल्द ही एक अच्छे मनोचिकित्सक से मिलें। बिहार के सिवान में पीएम मोदी की रैली में आई भीड़ को देखकर तेजस्वी यादव घबरा गए हैं। पीएम मोदी को बिहार के लोगों से मिल रहे प्रेम से तेजस्वी यादव यह मान चुके हैं कि 2025 में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में हार तय है। अब जब हार तय है तो हताशा में पीएम मोदी के खिलाफ कुछ भी बयान दे देते हैं। तेजस्वी यादव के इस घटिया बयान को पूरा बिहार देख रहा है। इसका जवाब विधानसभा चुनाव में जनता अपने

वोट से देगी।

पटना की सड़कों पर हो रहे पोस्टर वॉर पर उन्होंने कहा कि भाजपा कभी पोस्टर लगाकर वॉर नहीं करती है। लेकिन, चारा घोटाला, रेलवे घोटाला के बारे में तो पूरी दुनिया जानती है। घोटाले में तेजस्वी यादव के परिवार के सदस्य बेल पर हैं।बता दें कि बिहार के सिवान में शुक्रवार को पीएम मोदी की जनसभा थी। इस जनसभा में पीएम मोदी को सुनने के लिए लोगों का सैलाब उमड़ा था। पीएम मोदी ने भी लोगों को इतनी तादाद में आने के लिए धन्यवाद किया था। पीएम मोदी ने इस दौरान राजद और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने उस घटनाक्रम का भी जिक्र किया, जब लालू प्रसाद यादव पर संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर के अपमान का आरोप लगा था। पीएम मोदी ने प्रदेश में नीतीश कुमार के नेतृत्व में हो रहे कार्यों की सराहना की। वहीं, दूसरी ओर राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि पीएम मोदी के भाषण में कोई नया कंटेंट नहीं था, वही पुरानी बातों को दोहराया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रैली में भीड़ जुटाने के लिए प्रशासन को लगाया गया और जबरदस्ती भीड़ बुलाई गई। ऐसा तमाशा 2005 से पहले नहीं होता था।

बिहार की भलाई के लिए सत्ता परिवर्तन होना चाहिए : पशुपति कुमार पारस

एजेंसी

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने बिहार की नीतीश सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में अब सत्ता परिवर्तन जरूरी है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि बिहार में जंगलराज है, सुशासन नहीं है। पटना में एक प्रेस वार्ता में उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि बिहार में महिलाओं पर लगातार अत्याचार हो रहा है, जिसमें दलित महिलाओं की संख्या सबसे अधिक है। बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है। स्थिति यह है कि वीवीआईपी इलाके में फायरिंग की जा रही है। भ्रष्टाचार का आलम है कि अंचल कार्यालय से लेकर सचिवालय तक बिना पैसे के कोई काम नहीं हो रहा है। बिहार के लोग भी इस सरकार से

परेशान हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में सत्ता परिवर्तन अब जरूरी है। कानून व्यवस्था खराब होने का एकमात्र कारण है कि 20 साल से बिहार में एक ही व्यक्ति की सरकार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है, उनका इलाज चल रहा है। जिस मुख्यमंत्री का इलाज चल रहा हो, वह राज्य को कैसे संभालेंगे? बिहार की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया है। अभी तक 25 जिलों में कार्यकर्ता सम्मेलन हो चुका है। बिहार के लोग भी अब नई सरकार चाहते हैं। बिहार में डबल इंजन की सरकार है, लेकिन बिहार के लिए कोई बड़ा काम नहीं हो रहा है। बिहार कई मामलों में पिछड़ा हुआ है। चुनाव लड़ने को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने कहा कि वे उसी गठबंधन के साथ जाएंगे जिनकी विचारधारा उनकी पार्टी से मिलती-जुलती होगी। उनकी पार्टी सामाजिक न्याय का समर्थन करती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गठबंधन में जो भी सीटें मिलेंगी, उस पर पार्टी लड़ेगी और जीत दर्ज करेगी।

बोकारो में अवैध हथियार फैक्ट्री का भंडाफोड़, बिहार के दो आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने खुफ़िया सूचना के आधार पर झारखंड एंटी टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) और बोकारो जिले के गांधीनगर ओपी पुलिस के साथ मिलकर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। 20 जून को बोकारो के जरीडीह अपर बाजार स्थित कबेरी मैरेज हॉल के पास एक गोदाम में चल रही अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया गया। यह जानकारी एसटीएफ के डीसी वी सोलेमन नेशा कुमार ने अपराह्न दी है। छापेमारी में एक सक्रिय 'इम्प्रोवाइज्ड फायरआर्म फैक्ट्री' का खुलासा हुआ, जहां से बड़ी मात्रा में हथियारों के पुर्जे और निर्माण में प्रयुक्त मशीनें बरामद की गईं। जब्त किए गए सामान में छह अधबने पिस्तौल, नौ पिस्तौल बॉडी, छह पिस्तौल स्लाइडर, 13 पिस्तौल बैरल प्लेट, तीन स्क्रैप मेटल प्लेट, लगभग एक लाख नकद, एक लेथ मशीन, एक मिलिंग मशीन, एक ड्रिल मशीन और एक ग्राइंडिंग व पॉलिशिंग मशीन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रिल बिट्स, ग्रूविंग मशीन, स्केल, ज़ीरोइंग टूल्स समेत कई विशेष निर्माण उपकरण और कच्चा माल भी बरामद किया गया है। यह अस्थायी फैक्ट्री कबेरी मैरेज हॉल के सामने स्थित गोदाम में चल रही थी, जो एक अर्धशहरी इलाके में लोगों की नजरों से छिपकर संचालित हो रही थी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से दो लोगों को रंगे हाथों हथियारों की असेंबलिंग करते गिरफ्तार किया। जिनकी पहचान खगड़िया निवासी केशव कुमार (उम्र 35 वर्ष) और मुंगेर के रहने वाले प्रवीण कुमार (उम्र 53 वर्ष) के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में दोनों आरोपितों के एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है।

भजनलाल शर्मा ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों से किया संवाद

एजेंसी

जैसलमेर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जांबाज हर तरह की परिस्थितियों में अड़िग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं। शर्मा भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट स्थित मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की बीएसएफ ने जल, थल और वायु सुरक्षा इकाइयों का

गठन कर दुनिया भर के सभी सीमा सुरक्षा बलों में अग्रणी बनाया है। बीएसएफ आज दुनिया का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सीमा सुरक्षा बल बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सुरक्षा बलों को बेहतर आवास, स्वास्थ्य सुविधाएँ, शिक्षा और आधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान प्रदेश के अंतराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के रिक्त पद भरे तथा लगातार संपर्क बनाए रखा। यहां के नागरिकों से भी देशभक्ति का जज्बा, देशप्रेम और बीएसएफ के कार्यों की सराहना देखने को मिलती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा हमारी सेना को सशक्त बनाया गया है। वर्ष 2014 के बाद देश में गरीब कल्याण की योजनाओं, सीमाओं की बढ़ती सुरक्षा से लेकर आतंकवाद और नक्सलवाद का खात्मा एवं दुनिया भर में देश का बढ़ता हुआ सम्मान के रूप में अभूतपूर्व परिवर्तन आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रधानमंत्री की प्रेरणा से विकास और विरासत के विजन को साथ लेकर कार्य कर रही है। इसी दिशा में शौर्य की धरा पर मां तनोट राय का भव्य और सुंदर मंदिर बनेगा और 200 कमरों का विश्राम गृह भी बनेगा। तनोट यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा किशनगढ़ फोर्ट पहुंचे। इस दौरान शर्मा ने 1100 वर्षों से अधिक प्राचीन किशनगढ़ फोर्ट के स्थापत्य और सामरिक महत्व की जानकारी ली। सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक ने इस फोर्ट के इतिहास एवं सामरिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

विमान दुर्घटना : अब तक कुल 247 मृतकों के डीएनए सैंपल हुए मैच, 232 शव परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी

गांधीनगर। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में 247 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है। अब तक कुल 232 पार्थिव देह परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। यह जानकारी सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने दी। डॉ. राकेश जोशी ने कहा कि 15 परिवारों को उनके स्वजनों के पार्थिव देह जल्द से जल्द सौंपने के लिए प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग लगातार परिजनों के संपर्क में हैं।

उन्होंने बताया कि 247 मृतकों में से 175 भारत के नागरिक, 7 पुर्तगाल के, 52 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई और 12 गैर-यात्री शामिल हैं। डॉ. जोशी के अनुसार, 209 शवों को सड़क मार्ग से और 23 शवों को हवाई मार्ग से उनके निवास स्थान तक पहुंचाया गया है।

डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि उदयपुर 07, वडोदरा 22, खेड़ा 11, अहमदाबाद 66, मेहसाणा 07, बोटाद 01, जोधपुर 01, अरावली 02, आणंद 26, भरूच 07, सूरत 12, पालनपुर 01, गांधीनगर 07, महाराष्ट्र 02, दीव 14, जूनागढ़ 01, अमरेली 02, गीर सोमनाथ 05, महीसागर 01, भावनगर 01, लंदन 08, पटना 01, राजकोट 03, राजस्थान 01, मुंबई 10, नडियाद 01, जामनगर 02, पाटन 02, द्वारका 02, साबरकांठा 01, नागालैंड 01, मोडासा 01, खंभात 02 और पुणे 01 के शव परिजनों को सौंपे गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि परिजनों को उनके स्वजनों के शव शीघ्रता से सौंपने के लिए फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी तथा इससे जुड़ी संस्थाएं, स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार के स्वास्थ्य और अन्य विभागों सहित कई एजेंसियां दुर्घटना के दिन से लेकर अब तक निरंतर तत्परता से कार्य कर रही हैं।

मेघालय हनीमून हत्याकांडः सोनम रघुवंशी और राज कुशवाहा 14 दिन की न्यायिक हिरासत में

एजेंसी

शिलांग। मेघालय की एक स्थानीय अदालत ने इंदौर निवासी राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान हत्या के मामले में आरोपित सोनम रघुवंशी और राज कुशवाहा को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस सनसनीखेज हत्याकांड ने देशभर में आक्रोश फैला दिया है। मामले में कुल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले गुरुवार को राज कुशवाहा के तीन साथी- विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी - को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। अब पांचों आरोपित जेल में हैं।उल्लेखनीय है कि राजा रघुवंशी ने 11 मई को सोनम से विवाह किया था। दोनों 20 मई को हनीमून पर मेघालय पहुंचे थे, लेकिन महज तीन दिन बाद राजा रहस्यमय तरीके से लापता हो गए। बाद में 2 जून को उनका क्षत-विक्षत शव पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा इलाके में एक जलप्रपात के पास खाई में मिला। मामले में तब तेजी आई जब 8 जून को सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद राज कुशवाहा समेत अन्य तीनों आरोपित मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किए गए। फिलहाल मेघालय पुलिस की एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच कर रही है, जिसे हाल के वर्षों के सबसे चौंकाने वाले हत्याकांडों में से एक माना जा रहा है।

गांधीनगर बना देश का पहला नगर निगम जिसके बॉन्ड्स एनएसई पर 9 गुना ओवरसब्सक्राइब हुए

एजेंसी

गांधीनगर। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी) ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जीएमसी देश का पहला नगर निगम बन गया है, जिसके बॉन्ड को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर भारी निवेश मिला। आज केवल एक घंटे के लिए 25 करोड़ के म्युनिसिपल बॉन्ड्स जारी किए गए थे, जिन्हें निवेशकों ने जबरदस्त उत्साह के साथ खरीदा। यह बॉन्ड इश्यू 9 गुना ओवरसब्सक्राइब होकर 225 करोड़ की बोलियों तक पहुंच गया। यह उपलब्धि ऐसे समय में मिली है जब गुजरात अपने 20 वर्षों की शहरी विकास यात्रा का जश्न मना रहा है। वर्ष 2005 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अर्बन डवलपमेंट ईयर की शुरुआत हुई थी, जिसने राज्य में शहरी विकास की नई दिशा तय की। गांधीनगर नगर निगम (त्रस्ष्ट) की स्थापना 2010 में हुई थी। अब यह अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट के बाद गुजरात का पाँचवां और पूरे भारत में 17वां ऐसा नगर निगम बन गया है, जिसने म्युनिसिपल बॉन्ड के ज़रिए पूंजी जुटाई है। गौरतलब है कि अपने पहले ही प्रयास में गांधीनगर के 25 करोड़ के बॉन्ड को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और यह 9 गुना ओवरसब्सक्राइब हो गया जो इसे देश का ऐसा पहला नगर निगम बनाता है जिसे पहली बार में इतनी बड़ी सफलता मिली हो। 7.65त्न की कूपन दर वाले इस बॉन्ड ने गांधीनगर को नगरीय वित्तीय नवाचारों के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक खास पहचान दिलाई है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पहले गांधीनगर नगर निगम (जीएमसी) ने दो वर्षों तक कठिन और विस्तृत प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। इसमें ऑडिट, वित्तीय अनुशासन, क्रेडिट रेटिंग और नियामकीय स्वीकृतियाँ शामिल थीं। जीएमसी को CRISIL द्वारा 'AA' और CARE Edge द्वारा 'AA'' रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसके मजबूत वित्तीय प्रबंधन और विश्वसनीयता को दर्शाती है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जीएमसी ने पारंपरिक लेखा प्रणाली को हटाकर 'एक्रूअल बेस्ड अकाउंटिंग' प्रणाली अपनाई और वैधानिक ऑडिट के माध्यम से पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को और मजबूत किया। जीएमसी द्वारा बॉन्ड्स के माध्यम से जुटाई गई 25 करोड़ की यह राशि नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएँ, यातायात सुधार और यात्री सुविधाओं के उन्नयन जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में उपयोग की जाएगी। इस बॉन्ड की सफलता से गांधीनगर नगर निगम को केंद्र सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं का भी लाभ मिलने की संभावना है।

मुंह के छालों से राहत पाने के लिए अपनाएं ये 4 नुस्खें

आजकल मुंह में छाले होना एक आम समस्या हो गई है। पुरूषों के मुकाबले यह समस्या ज्यादातर महिलाओं में अधिक होती है। इसका मुख्य कारण उनके हारमोन्स में अधिक उतार-चढाव आना है। यह छाले अपने आप ही कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। इनके निकलने के कई कारण हो सकते हैं।

पेट के साफ न होने और खाना खाते समय अचानक दांतों से मुंह के अंदर की झिल्ली के कट जाने से छाले हो जाते हैं। मासिक धर्म या मेनापॉज के सामय हारमोन्स में बदलाव तथा वायरस, बैक्टीरिया या फंगस संक्रमण से निकल सकते हैं। इसके अन्य कारणें में शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता कम होना, एलर्जी होना भोजन में विटामिन सी और बी12 की कमी होना आदि शामिल हैं। कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में भी मुंह में छाले निकल सकते हैं।

बचाव के उपाय

- खाना धीरे-धरी चबा-चबा कर खाएं। खाते समय बात न करें, ताकि दांतों से मुंह के अंदर की परत को नुकसान न पहुंचे।
- नींबू को आधा काटें, इसे छाले पर लगाएं, इससे थोडी जलन तो होगी, परंतु यह सुन्न हो जाएगा, जो अच्छा है। आखिर में थोडा शहद छाले पर लगाएं।
- शरीर की सफाई, संतुलित भोजन और पीने के साफ पानी पर भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।
- कुछ दिनों तक लगातर विटामिन सी और विटामिन बी12 की गोलियां खाएं।
- माउथवाश का प्रयोग करें-कई बार कुल्ला करने से यह आपके मुख में बढने वाले जीवाणुओं को साफ करता है और इसके साथ-साथ कई मामलों में छाले में दर्द से राहत देता है। किसी बिना नुस्खा घोल का उपयोग करें, कोई भी माउथवाश इस प्रयोजन के लिए कार्यकारी है। सुबह और शाम कुल्ला करें और हो सके तो दिन के खाने के बाद भी कुल्ला करें।

स्टेरॉयड इन्हेलर्स का उपयोग रोकने से अस्थमा के बिगड़ने का खतरा

मौजूदा महामारी में सेहत व स्वास्थ्य को महत्व देना होगा। यह खासकर तब बहुत जरूरी है, जब आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर है या फिर आपको किसी बीमारी का इतिहास है। अस्थमा इन्हीं में से एक है। अस्थमा बिगड़ने का मुख्य कारण श्वास की नली में वायरल संक्रमण होना है। अस्थमा के जोखिम वाले लोगों या फिर मौजूदा अस्थमा पीड़ितों के लिए सांस की नली में वायरल संक्रमण बहुत घातक हो सकते हैं। एक अनुमान के अनुसार सामान्य या फिर गंभीर अस्थमा के मरीजों को बीमारी के और ज्यादा गंभीर होने का खतरा ज्यादा होता है। भारत में लगभग 9.3 करोड़ लोग सांस की क्रोनिक समस्या से पीड़ित हैं। इनमें से लगभग 3.7 करोड़ एस्थमेटिक हैं। अस्थमा के वैश्विक भार में भारत का हिस्सा केवल 11.1 प्रतिशत है, जबकि विश्व में अस्थमा से होने वाली मौतों में भारत का हिस्सा 42 प्रतिशत है, जिस वजह से भारत दुनिया की अस्थमा कैपिटल बन गया है। अस्थमा पर सांस के वायरस के प्रभाव के चलते यह बहुत आवश्यक हो गया है कि मौजूदा समय में अस्थमा पीड़ित बहुत ज्यादा सावधानी बरतें। वायरस निर्मित समस्याओं की रोकथाम के लिए अस्थमा को अच्छी तरह से नियंत्रित करना बहुत आवश्यक है।'' मौजूदा समय में किसी बीमारी के उपचार के लिए आपातकालीन विभाग या अत्यावश्यक इलाज के लिए जाना पड़ता है ,जहां पर मरीज को किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का जोखिम भी ज्यादा होता है। अस्थमा पीड़ितों को कभी भी अपने कॉर्टिकोस्टेरॉयड इन्हेलर तब तक लेना बंद नहीं करना चाहिए, जब तक कोई मेडिकल प्रोफेशनल उनसे ऐसा करने को न कहे। स्टेरॉयड इन्हेलर का प्रयोग बंद करने से मरीज को संक्रमण का ज्यादा खतरा हो जाएगा क्योंकि इससे अस्थमा का नियंत्रण खराब हो जाता है।'' यदि अस्थमा नियंत्रण में है, तो हॉस्पिटल के क्लिनिक जाने से बचें। आप टेलीफोन पर अपने डॉक्टर से संपर्क कर सकते हैं और उन्हें अपनी प्रगति के बारे में बता सकते हैं। एस्थमेटिक मरीजों को बिना योजना के क्लिनिक नहीं जाना चाहिए। सामान्य से गंभीर अस्थमा से पीड़ित लोगों को वायरल संक्रमण से बहुत ज्यादा बीमारी पड़ने का खतरा रहता है। ये संक्रमण आपकी सांस की नली (नाक, गला, फेफड़ों) को प्रभावित करते हैं, अस्थमा का अटैक लाते हैं और इनकी वजह से निमोनिया या एक्यूट रेस्पिरेटरी डिजीज हो सकती है। एक्यूट लक्षणों से आराम के लिए स्पेसर के साथ एमडीआई का उपयोग किया जा सकता है। नेबुलाईजर्स का उपयोग करने से बचें क्योंकि उनमें वायरल संक्रमण फैलने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। नेबुलाईजर्स एयरोसोल्स बनाते हैं, जो संक्रमित ड्रॉपलेट्स को कई मीटर तक फैला सकते हैं। आपका डॉक्टर आपको इन विधियों के बारे में परामर्श देगा। सुनिश्चित करें कि आपके पास नॉन-प्रेस्क्रिप्शन दवाईयों एवं सप्लाई का 30 दिनों का स्टॉक हो, ताकि यदि लंबे समय तक आपको घर में रहने की जरूरत पड़े, तो आपको कोई परेशानी न हो।

कई गुणों से भरपूर है नारियल तेल

नारियल तेल के इस्तेमाल के कई फायदे हैं। कई गुणों से भरपूर यह तेल स्वास्थ्यपरक फायदों के लिए पीढियों से इस्तेमाल में लाया जा रहा है।

- नारियल तेल त्वचा के लिए नैचुरल मॉइश्चराइजर का काम करता है, यह मृत त्वचा को हटाकर रंग निखारता है, चूंकि इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है, तो इसका इस्तेमाल त्वचा रोग, डर्मेटाइटिस, एक्जिमा और स्किन बर्न में किया जा सकता है। नारियल तेल स्ट्रेच माक्र्स हटाने में भी मदद करता है और होंठ को फटने से बचाने के लिए भी इसे नियमित रूप से होंठ पर लगाया जा सकता है।
- नारियल तेल बालों को घना, लंबा और चमकदार बनाने में काफी मददगार साबति होता है। सिर का मसाज सिर्फ पांच मिनट नारियल तेल से करने से न सिर्फ रक्त संचार में वृद्धि होती है, बल्कि खो चुके पोषक तत्वों की भी भरपाई करता है, नियमित रूप से नारियल तेल से मसाज करने से बालों में रूसी नहीं होता है।
- नारियल तेल को मुंह में करीब 20 मिनट तक रखने के बाद थूक देने से मुंह के कीटाणु और मसूड़ों की समस्याएं दूर होती है। स्वस्थ मसूड़ों के लिए सप्ताह में कम से कम तीन बार ऐसा करें।
- आयुर्वेद में पित्त वृद्धि के कारण नारियल तेल का इस्तेमाल गठिया, जोड़ों के दर्द को कम करने के लिए किया जाता है। यह हड्डियों में कैल्शियम और मैग्नीशियम अवशोषित करने की क्षमता में सुधार करता है।
- नारियल तेल के इस्तेमाल से वजन भी कम किया जा सकता है। ताजे नारियल से निकाले गए तेल में अन्य नारियल तेलों की अपेक्षा ज्यादा मीडियम चेन फैटी एसिड्स (70-85 प्रतिशत) होता है। मीडियम चेन फैटी एसिड्स आसानी से ऑक्सीडाइज्ड लिपिड्स होते हैं और एडीपोज ऊतक में संग्रहित नहीं होते हैं। इस प्रकार, मुख्य रूप से मीडियम चेन फैटी एसिड युक्त नारियल का तेल वजन घटाने में मददगार साबित होता है।
- नारियल तेल लॉरिक एसिड और कैप्रिक एसिड की तरह एंटीमाइक्रोबियल लिपिड का एक समृद्ध स्रोत होता है, जो एंटीफंगल और जीवाणुरोधी होते हैं।
- खाना पकाने में नारियल का तेल ज्यादा अच्छा रहता है। इसका तेल ऑक्सीकरण के प्रति कम असुरक्षित होता है, जो इसे खाना पकाने के लिए सबसे सुरक्षित बनाता है।

औषधीय गुणों से भरपूर है लहसुन

औषधीय गुणों से भरपूर लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद है और वैसे भी भारतीय रसोईघर में लहसुन से मिल जायेगा । इसमें विटामिन, प्रोटीन, खनिज, लवण और फॉस्फोरस, आयरन व विटामिन ए, बी व सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। तो आज लहसुन के कुछ स्वास्थ्य संबंधी गुणों के बारें में जानते हैं. लहसुन बैक्टिरीअल और वायरल संक्रमण को रोकने में बहुत कारगार साबित होता है। यह फंगस, यीस्ट और कीडा से इन्फेक्शन को रोकने में मदद करता है। लहसुन कानों में दर्द हो, तो लहुसन के तेल को गर्म करके दो बूंदें रोजाना दो बार 5 दिनों तक कानों में डालें। लहसुन में मौजूद जर्मेनियम, सेलेनियम और सल्फर तत्व दर्द उत्पन्न करने वाले बैक्टीरिया को खत्म करने में सक्षम हैं। लहसुन का तेल तैयार करने के लिए लहसुन की 3 कलियों को कूटकर आधा कप ऑलिव ऑयल तेल में मिलाकर धीमी आंच पर 2 मिनट के लिए पकाएं। छालनकर 2 हफ्तों तक फ्रिज में रखें इस्तेमाल में लाने से पहले हल्का-सा गर्म कर लें। लहसुन खाने से जुकाम नहीं होता है। साथ ही इसमें एन्टीबैक्टिरीअल गुण गले के दर्द से राहत दिलाता हैं। अगर आप अपने बढते मोटापे से परेशान है तो अपनाएं ये लहसुन की दो कलियां को अच्छे से भून लें और फिर उसमें जीरा सैंधा नमक मिलाकर चूर्ण बना लें। इसको आप रोजाना खाली पेट गर्म पानी से लें। कुछ ही दिनों में मोटापा कम हो जाएगा।

स्वस्थ बनाने के साथ सुंदरता भी बढ़ाती है चीनी

इस भाग-दौड भरी जिन्दगी में हर किसी के कंधों पर काम की जिम्मेदारी इतनी अधिक हो जाती है। कि यह टेंशन कभी-कभी डिप्रेशन का विक्राल रूप धारण कर लेती है जिससे व्यक्ति के सोचने समझने की शक्ति खत्म हो जाती है। लेकिन अब परेशान होने की जरूरत नहीं है और ना ही डिप्रेशन से बचने के लिए ढेर सारी दवाइयाँ खाने की जरूरत है। आपको जानकर ताज्जुब हो कि सिर्फ चीनी खाने से ही आपको डिप्रेशन से राहत मिल सकती है।

चीनी का प्रयोग फिकेपन को दूर करने को किया जाता है। जब भी आपको शरीर में थकावट या लो महसूस हो तो शुगर से बने पदार्थों का सेवन करें। यह शरीर में शुगर के लेवल को ठीक कर नई ऊर्जा देता है। जैसे फूरड कस्टर्ड, जूस का एक ग्लास, केक का एक टुकडा वगैहर खा कर आप पहले से ज्यादा तरोताजा फील कर सकते हैं।

ब्यूटी बेनेफिट्स

चीनी और नींबू : अगर आप फेस पर कील-मुहांसों से परेशान है तो चीनी में नींबू की कुछ बूंदे मिला ले और इससे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से स्क्रब करें। अगर आपकी त्वचा धूप की कारण त्वचा काली पड गई है तो 2 चम्मच कॉफी में 1 चम्मच चीनी मिला कर थोडा सा पानी मिलाएं फिर इस पेस्ट को अपने चेहरे को लगाएं। यकीन मानिये इससे आपको चेहरा साफ और ग्लोंइन हो जाएगा।

सन टैनिंग से परेशान है तो आप चीनी के साथ दही का पेस्ट बना लें फिर इसी पेस्ट से अपने चेहरे को स्क्रब करें, कुछ ही दिनों में सन टैनिंग से राहत मिलेगी।

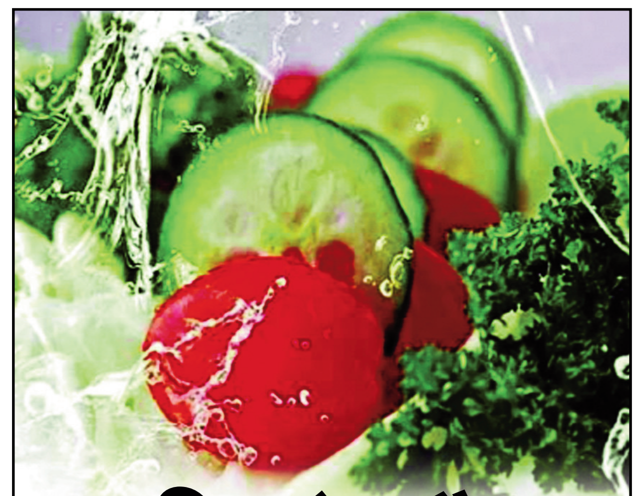

बारिश के मौसम में न करें इन फूड्स का सेवन

बारिश के मौसम में कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है और इसीलिए इस दौरान हमें खाने-पीने से जुड़ी हुई चीजों पर भी ज्यादा ध्यान देना चाहिए। यहां पर आपको कुछ ऐसे ही फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका बारिश के दौरान सेवन करने से बचना चाहिए।

बारिश के मौसम में न करें इन 5 फूड्स का सेवन होगा, नहीं तो पड़ जाएंगे बीमारबारिश के मौसम में हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन करने के दौरान विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। इसमें जरा-सी की गई लापरवाही हमारी सेहत के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर देती है। बारिश के मौसम में ज्यादातर लोगों को बीमार पड़ते हुए देखा जाता है क्योंकि गर्मी का मौसम खत्म होने के बाद से तापमान नीचे जाता है और तरह-तरह की स्वास्थ्य समस्याएं शुरू हो जाती हैं। बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा नुकसान खाद्य पदार्थों से पहुंचता है और कई प्रकार के फूड्स का सेवन करना बीमारी की प्रमुख वजह भी बन जाता है। इसीलिए यहां पर कुछ ऐसे फूड्स के बारे में बताया जा रहा है जिनका सेवन बारिश के दौरान या फिर सावन के मौसम में आप नहीं करेंगे तो यह आपको बीमारियों से बचाए रखेगा। आपको इसका कारण भी बताया जाएगा कि क्यों इन फूड्स का सेवन नहीं करना चाहिए।

पालक

पालक आपको बारिश के मौसम में भी बड़ी आसानी से मिल जाएगी लेकिन इसका सेवन ना करने की सलाह दी जाती है। इसके वैज्ञानिक कारण को अगर समझने की कोशिश करेंगे तो यह बेहद आसान है। दरअसल बारिश के मौसम में छोटे-छोटे कीटाणु वायरस और बैक्टीरिया जो आंखों से दिखाई भी नहीं देते हैं वह पालक के पत्तों में चिपके रहते हैं। इन कीटाणुओं को भगाने के लिए हानिकारक कीटनाशक का भी प्रयोग किया जाता है, जो कि सेहत के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है।

बैंगन

बारिश के मौसम में कई लोगों के द्वारा बैंगन का चोखा बनाकर भी खाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जबकि इसका सेवन करने से बचना चाहिए। दरअसल, बारिश के मौसम में बैंगन के अंदर छोटे-छोटे कीड़े पड़ना शुरू हो जाते हैं। यह कीड़े पेट दर्द और पेट से जुड़ी कई प्रकार की समस्याओं का प्रमुख कारण भी बन सकते हैं। यही वजह है कि सावन के मौसम में खासकर बैंगन का सेवन करने से बचना चाहिए।

दूध

दूध सेहत के लिए बेहतरीन फायदे पहुंचाता है और हम कई प्रकार की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से भी बचे रहते हैं। बारिश के दिनों में दूध का सेवन न करने की सलाह देने के अलग-अलग कारण

बताए जाते हैं। मुख्य रूप से ध्यान देने वाली बात यह है कि बारिश के मौसम में जानवरों को खिलाया जाने वाला हरा चारा बैक्टीरिया और कीटाणुओं का घर बन जाता है। यह दूध की अच्छी क्वालिटी को भी प्रभावित करता है। इस कारण बारिश के दिनों में दूध का सेवन करने से पहले इसे खूब अच्छी तरह उबालना चाहिए। जितना कोशिश हो सके इस दौरान दूध का सेवन करने से बचे रहें और दूध से मिलने वाले पौष्टिक तत्वों की पूर्ति के लिए किसी अन्य फूड का सहारा लें।

तले-भुने और स्ट्रीट फूड से करें परहेज

तली भुनी हुई चीजों और खासकर स्ट्रीट फूड का सेवन बारिश के दिनों में नहीं करना चाहिए। इनसे भी संक्रमण का खतरा ज्यादा रहता है। स्ट्रीट फूड का सेवन करने के कारण आप विभिन्न प्रकार की परेशानी से जूझ सकते हैं। खासकर यदि आप पानीपुरी का सेवन करते हैं तो पानीपुरी का दूषित पानी डायरिया या फिर लूज मोशन की समस्या खड़ी सकता है। इसलिए बारिश के दिनों में खाने पीने की चीजों में विशेष सावधानी जरूर बरतें।

मांस और मछली

मांस और मछली मुख्य रूप से बारिश के दिनों में नहीं खाना चाहिए। सावन के महीने में खासकर इसका सेवन न करने की सलाह दी जाती है और इसका वैज्ञानिक कारण भी है। इस दौरान हवा में भी कई ऐसे हानिकारक बैक्टीरिया मौजूद रहते हैं जो मांस और मछलियों को दूषित कर देते हैं। इसके अलावा बारिश के दिनों में मछलियों के अंडे देने का वक्त होता है। अंडा एक विशेष प्रकार की फूड एलर्जी का भी गुण रखता है जो गले में इंफेक्शन हो सूजन का मुख्य कारण हो सकता है। इसलिए बारिश का सीजन खत्म होने तक नॉनवेज फूड का सेवन करने से बचें।

आजकल की कॉमेडी फिल्मों में बार-बार दोहराई जा रहे जोक्स और पंचलाइन

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की आने वाली हॉरर फिल्म मां रिलीज के लिए तैयार है। काजोल ने सिनेमा में कॉमेडी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार साझा किए। काजोल ने कहा कि कॉमेडी फिल्मों में नयापन और गहराई की कमी है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें कोई अच्छी स्क्रिप्ट मिलती है, तो वह कॉमेडी फिल्मों में दोबारा काम करना चाहेंगी। उनका मानना है कि वह कॉमेडी फिल्मों के लिए कुछ नया पेश कर सकती हैं।

बातचीत में उन्होंने साफ कहा कि अगर कंटेंट दमदार होगा, तो वह जरूर कॉमेडी में वापसी करेंगी। काजोल ने बताया कि कॉमेडी एक ऐसी शैली है, जो हर इंसान के लिए अलग है, जो बात एक इंसान को हंसाती है, जरूरी नहीं कि वही बात दूसरे को भी हंसाए। आज की फिल्मों में जो कॉमेडी दिखाई जाती है, वह ज्यादातर आम लोगों के ध्यान को आकर्षित करने के मकसद से बनाई जाती है, न कि किसी नए विचार से। दिलवाले फिल्म की एक्ट्रेस ने कहा कि आजकल एक ही तरह के जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराए जा रहे हैं, जिससे कॉमेडी में नयापन रहा ही नहीं है।

काजोल ने कहा, मैं कॉमेडी फिल्म करना चाहती हूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे मौका मिला, तो मैं उसमें बेहतरीन काम करूंगी। कॉमेडी हर इंसान के लिए अलग होती है, जो बात उन्हें मजेदार लगे, जरूरी नहीं कि वही बात किसी और को भी हंसाए। इसलिए कॉमेडी एक व्यक्तिगत पसंद की चीज है। आजकल ज्यादातर कॉमेडी फिल्में बड़ी संख्या में लोगों का ध्यान खींचने के लिए बनाई जाती हैं, न कि किसी अलग सोच या खास नजरिए से। फिल्मों में वही जोक्स और पंचलाइन बार-बार दोहराई जा रही हैं, जिससे कॉमेडी में कोई नयापन नहीं बचा। बेहतरीन कॉमेडी फिल्म बहुत समय से देखने को नहीं मिली है। काजोल ने पुरानी फिल्मों की भी तारीफ की। उन्होंने ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी फिल्मों में जो हास्य होता था, वह न सिर्फ मजेदार बल्कि समझदारी भरा और दिल से जुड़ा हुआ होता था। आजकल ऐसी दिल को छूने वाली कॉमेडी फिल्में कम ही बन रही हैं। अफसोस कि अब ऐसी स्मार्ट और सच्ची कॉमेडी फिल्मों की कमी हो गई है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, काजोल इन दिनों अपनी पहली हॉरर फिल्म मां के प्रमोशन में बिजी हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सलमान खान की गलवान घाटी पर आधारित फिल्म में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह

हाल ही में सलमान खान सिकंदर फिल्म में नजर आए। फिल्म को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पांस नहीं मिला। इसके बाद सलमान खान अब अपनी नई फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं। निर्माताओं ने जानकारी दी है कि फिल्म में सलमान खान के विपरीत कौन सी एक्ट्रेस रहेगी। फिल्म में देशभक्ति के अलावा भरपूर एक्शन है। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष पर आधारित है। एक खबर के मुताबिक फिल्म में सलमान खान के विपरीत चित्रांगदा सिंह को लिया गया है। यह पहली बार है, जब दोनों बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। चित्रांगदा सिंह को हजारों ख्वाहिशें ऐसी के लिए जाना जाता है। इसके बाद वह देसी ब्यॉज और गब्बर इज बैक के गाने आओ राजा में नजर आईं थीं।

सलमान निभाएंगे कर्नल बी का किरदार

सलमान खान की अपकमिंग फिल्म का टाइटल अभी सामने नहीं आया है। यह फिल्म शिव अरूर और राहुल सिंह के उपन्यास इंडियाज मोस्ट फियरलेस 3 पर आधारित है। फिल्म में कथित तौर पर सलमान खान कर्नल बी का किरदार निभाएंगे। यह वही अफसर हैं जिन्होंने गलवान संघर्ष के दौरान भारतीय सैनिकों का नेतृत्व किया था।

मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे सलमान खान

पिंकविला के मुताबिक फिल्म की फोटोग्राफी जुलाई 2025 से शुरू होगी। बताया ये भी जाता है कि फिल्म अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। सलमान खान इन दिनों अपनी बॉडी पर काम कर रहे हैं। वह फिल्म में रोल को निभाने के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ले रहे हैं।

अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' का एलान

अभिषेक बच्चन के फैंस के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही हैं। अभिनेता ने अपनी अपकमिंग फिल्म का एलान कर दिया है और उसका पोस्टर भी जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज तारीख की भी घोषणा कर दी है। आइए जानते हैं पूरी डिटेल। हाल ही में अभिनेता अभिषेक बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म कालीधर लापता का एलान किया है। फिल्म के पोस्टर में अभिनेता किसी बच्चे के साथ एक पेड़ पर बैठे दिख रहे हैं। इसमें वो किसी उम्रदराज और अनुभवी इंसान की भूमिका में दिख रहे हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस पोस्टर को शेयर करते हुए अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, 'चर्चाओं पर अब फुल स्टॉप! कभी-कभी, खो जाना कोई चक्कर नहीं होता, बल्कि यहीं से असली कहानी शुरू होती है। सपने, ट्विस्ट और इसे सार्थक बनाने वाले लोगों से भरपूर।' साथ ही अभिनेता ने बताया कि यह फिल्म 4 जुलाई को जी5 पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन मधुमिता ने किया है और इसे जी स्टूडियो द्वारा सहयोग प्राप्त है। यह फिल्म गांव की कहानी पर आधारित है। हालांकि आपको बताते चलें कि बीते दिनों अभिनेता ने एक पोस्ट करते हुए बताया था कि वो लापता होना चाहते हैं, जिससे उनके फैंस चिंतित हो उठे थे। जबकि अभिनेता का इशारा उनकी आगामी फिल्म कालीधर लापता की ओर था।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म की कहानी की बात करें तो यह कालीधर नाम के इंसान के आस-पास घूमती है, जो एक उम्रदराज व्यक्ति है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसका परिवार उसे छोड़ने वाला है। इस वजह से वह भाग जाता है और उसकी मुलाकात एक बच्चे से होती है। इसके बाद कहानी में असली मोड़ आता है।

अनुपमा ने टार्गेटेड ट्रोलिंग पर की बात

एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन की गिनती साउथ की टॉप अभिनेत्रियों में होती है। मलयाली होने के बावजूद अनुपमा ने तेलुगु सिनेमा में अपना एक अलग नाम कमाया है। अब अनुपमा सुरेश गोपी की फिल्म 'जानकी बनाम केरल राज्य' के साथ मलयालम सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद किया। 'जानकी बनाम केरल राज्य' के ऑडियो लॉन्च इवेंट में अनुपमा परमेश्वरन अपनी आलोचनाओं को लेकर भी खुलकर बात की। साथ ही करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया। अभिनेत्री ने कहा, कई लोगों ने मुझे मलयालम में यह कहते हुए खारिज कर दिया कि मुझे अभिनय करना नहीं आता। मुझे बहुत ज्यादा टार्गेटेड ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा। लोगों ने जानबूझकर मेरी आलोचना की और मुझे निशाना बनाया। इन सबके बावजूद इस फिल्म के निर्देशक प्रवीण नारायणन ने मुझे मुख्य किरदार के रूप में कास्ट किया। इस फिल्म में एक दिल है और वह जानकी है। मुझे उसे सौंपने के लिए प्रवीण नारायणन का धन्यवाद।

अनुराग बसु के साथ पंकज त्रिपाठी की खास केमिस्ट्री बोले- उनकी और भी फिल्मों में काम करना चाहूंगा

अभिनेता पंकज त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म मेट्रो...इन दिनों की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में उन्होंने निर्देशक अनुराग बसु के साथ काम किया। एक्टर ने उन्हें अपना पसंदीदा डायरेक्टर बताया। अनुराग बसु और फिल्म मेट्रो...इन दिनों के बारे में बात करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, वह एक बेहतरीन डायरेक्टर हैं। मैं कई सालों से उनके साथ काम करना चाहता था। अगर वह मुझे अपनी फिल्मों में लेते हैं, तो मैं उनके साथ और भी फिल्में करना चाहूंगा। वह मेरे पसंदीदा डायरेक्टर हैं। उनके सेट पर हम आराम से जाते हैं। हमें न तो ज्यादा तैयारी करनी पड़ती है और न ही कोई प्लानिंग होती है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे अपने तरीके से काम करना अच्छा लगता है, इसलिए मैं ज्यादा तैयारी नहीं करता। किरदार और कहानी का ढांचा पहले से तय होता है, लेकिन सीन को कैसे करना है, यह हम वहीं सेट पर तय करते हैं। पंकज ने फिल्म के बारे में बताते हुए कहा कि यह फिल्म आज के दौर के रिश्तों को दिखाएगी। एक्टर ने कहा, यही तो मेट्रो...इन दिनों की कहानी है। यह फिल्म आज के नजरिए से प्यार और रिश्तों को दिखाती है और वह भी अलग-अलग उम्र के लोगों के बीच। अनुराग बसु के निर्देशन में बनी फिल्म मेट्रो...इन दिनों आज के समय के उलझे और बदलते रिश्तों को दिखाती है। इसमें आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता अहम किरदार में हैं। मेट्रोज्इन दिनों साल 2007 में आई मशहूर फिल्म लाइफ इन एज मेट्रो का सीक्वल है। फिल्म के गाने प्रीतम ने बनाए हैं। इसे भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अनुराग बसु और तानी बसु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 4 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

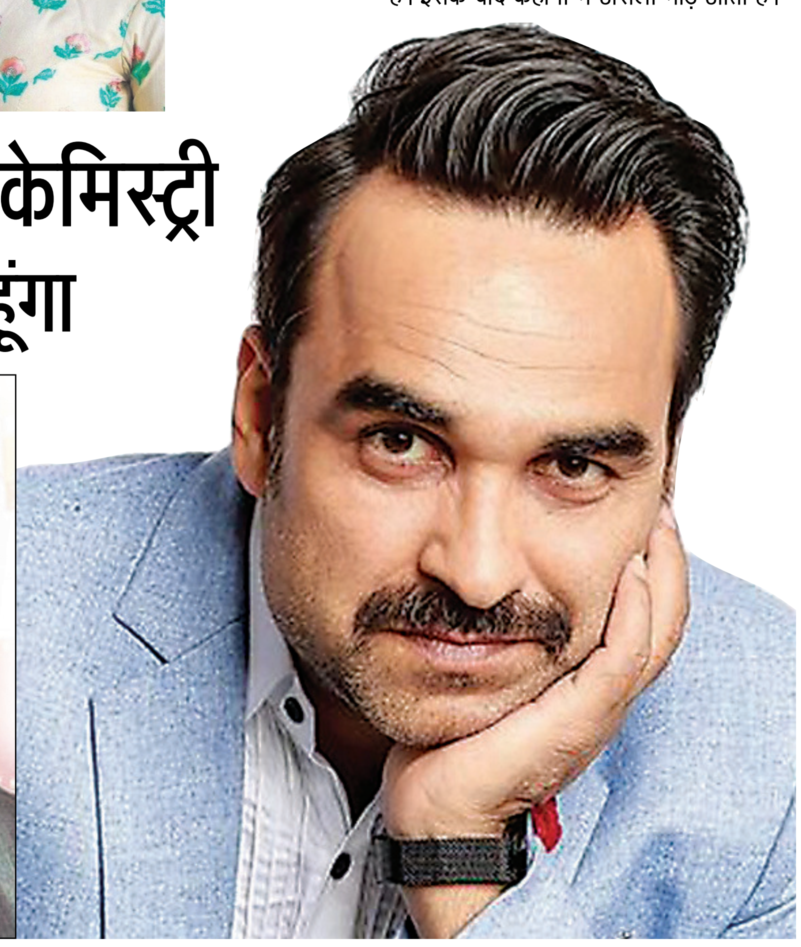

रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है तो उसका टूट जाना ही बेहतर

दंगल की गीता फोगट हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा, मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी या धक धक की बिंदास स्काई, ऐक्ट्रेस फातिमा सना शेख ने पर्दे पर हमेशा मजबूत लड़कियों के किरदार निभाए हैं। इन दिनों वह चर्चा में हैं, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो...इन दिनों के लिए। ऐसे में, हमने उनसे प्यार, रिश्ते, शादी आदि पर की खास बातचीत।

एक दौर था, जब बॉलिवुड अपनी रोमांटिक फिल्मों के लिए जाना जाता था। मगर कुछ सालों से क्राइम, ऐक्शन, थ्रिलर पर ज्यादा जोर दिख रहा है। आपको लगता है कि लोग रोमांटिक फिल्में मिस कर रहे हैं?

सौ फीसदी। हम सब मिस कर रहे हैं, क्योंकि सिनेमा को इतना सीरियस भी नहीं ले सकते। हम सबकी जिंदगी में वैसे ही इतनी मुश्किलें, इतनी सीरियस चीजें हैं कि आप पर्दे पर कुछ हल्का-फुल्का देखना चाहते हैं। रोमांटिक फिल्में हमेशा हमारी जिंदगी का हिस्सा रही हैं। हमने अपनी जिंदगी में जितना भी रोमांस किया है, उस पर कुछ न कुछ प्रभाव हमारी फिल्मों का रहा ही है। हमने फिल्मों में देखा कि शाहरुख ने ऐसा कुछ किया तो उसे अपनी असल जिंदगी में अप्लाई किया, तो वो चीज़ मुझे लगता है कि अभी मिसिंग है। हमारी फिल्म मेट्रो इन दिनों से शायद वो कमी थोड़ी दूर हो, क्योंकि इसमें अलग-अलग उम्र, अलग-अलग किस्म के प्यार की कहानी है, तो हर इंसान किसी ना किसी इमोशन रिलेट करेगा।

आजकल प्यार बहुत जटिल हो गया है, जैसा कि फिल्म में भी एक डायलॉग है। शादी की संस्था से भी युवा पीढ़ी का भरोसा उठ रहा है। आपका प्यार और शादी को लेकर क्या नजरिया है?

फातिमा ने कहा, प्यार को लेकर हम लोग जो इतना सोचते हैं कि हम प्यार ऐसे करेंगे, वैसे करेंगे, मगर असल जिंदगी में जब आप प्यार में पड़ते हैं, तो उस पर कुछ कंट्रोल नहीं होता। आपके जितने भी सिद्धांत या नियम होते हैं सब खिड़की के बाहर चले जाते हैं। उसी तरह, मैं शादी में यकीन रखती हूं और मुझे लगता है कि शादी तब ज्यादा चलती है, जब बच्चा होता है। क्योंकि हमारे देश में अगर मां, बाप और बच्चा एक परिवार के रूप में साथ होते हैं, तो सरकार बहुत सारी सुविधाएं और सुरक्षा देती है। कानून भी प्रोटेक्ट करता है, तो बहुत सारे फायदे हैं। इसके अलावा, शादी को तोड़ने के लिए बहुत सोचना पड़ता है। आप ऐसे उठकर अलग नहीं हो जाते।

फिर भी इन दिनों तो तलाक के मामले बहुत ज्यादा सामने आ रहे हैं...

यह भी अच्छी बात है ना। पहले तलाक एक टैबू था। दूसरे, बहुत सारी औरतें कमाती नहीं थीं। वे अपने पति पर ही निर्भर होती थीं। उनके पास कोई सपोर्ट सिस्टम नहीं होता था, इसलिए वे तलाक लेने की सोचती भी थीं तो हमारा समाज उन्हें हतोत्साहित ही करता था। मगर आज वे आत्मनिर्भर हैं। ऐसे में, अगर दो लोगों के बीच जम नहीं रहा है, तो हमें एक समाज के तौर पर उन्हें सपोर्ट करना चाहिए, क्योंकि ऐसे साथ रहने का क्या मतलब है? बाहरवालों के लिए बोलना आसान होता है कि शादी को निभाना चाहिए, मगर हमने बहुत देखा है कि अगर घर में क्लेश होता है तो बच्चे पर भी खराब असर ही पड़ता है। मेरे हिसाब से ऐसे में तलाक एक एंपवारमेंट है। अगर रिश्ता बिल्कुल टॉक्सिक है, तो उसका टूट जाना ही बेहतर है।

आपने दंगल हो या ठग्स ऑफ हिंदोस्तान, धक धक या मॉडर्न लव, पर्दे पर ज्यादातर दमदार लड़कियों के किरदार ही निभाए हैं। क्या यह आपकी सोची-समझी कोशिश होती है कि ऐसे मजबूत किरदार ही निभाने हैं?

100 पर्सेंट। मुझे वो करैक्टर्स पसंद ही नहीं हैं जिसको बोलो- उठो तो उठ जाए, जिसको बोलो बैठो, तो बैठ जाए, क्योंकि मैं असल जिंदगी में वैसे नहीं है। ऐसा हो ही नहीं सकता कि मुझे कोई लड़का बोले कि ये पहन, तो मैं पहन लूं। मुझे नहीं पहनना है तो मैं नहीं पहनूंगी, मेरी मर्जी है। जब मेरे मां-बाप ने मुझे कभी कुछ नहीं बोला है, तो मैं किसी और की नहीं सुनूंगी। इसलिए, हां, ऐसे किरदार मैं सोचकर ही करती हूं, क्योंकि मुझे ऐसे किरदार पसंद ही नहीं आते, जिसमें रीढ़ की हड्डी न हो। देखिए, अगर एक सहमी लड़की है, जो अपने फैसले खुद नहीं ले सकती, मुझे उसे करने में भी कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन आखिर में उसमें बदलाव आना चाहिए, उसे सशक्त होना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है तो वह मेरे लिए बहुत बोरिंग किरदार है।

आपके लिए एक रिश्ते में सबसे बड़ा डील ब्रेकर क्या है? दूसरे, आप अपने पार्टनर में तीन खूबियां क्या चाहेंगी?

एक्ट्रेस फातिमा ने कहा, मेरे लिए डील ब्रेकर रिश्ते में बेईमानी और भरोसा ना होना है, क्योंकि अगर भरोसा नहीं है ना तो कुछ भी करो उस रिश्ते का कोई मतलब नहीं है। मेरे लिए बहुत जरूरी है कि मेरा पार्टनर ऐसा हो, जिस पर भरोसा किया जा सके। रही बात उसकी खूबियों की, तो उसे प्यार को जताने से कतराना नहीं चाहिए। ऐसा न हो कि अगर आई लव यू बोलना है तो उसमें 10 दिन लगते हैं। ईगो नहीं होना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि जब हम रिलेशनशिप में होते जाते हैं, तो मर्द यह उम्मीद करता है कि आप बदल जाओ। अपनी चॉयसेज बदल लो। अपना रहन सहन, कपड़ा पहनना जो भी है, वो नहीं होना चाहिए।

अब बीसीसीआई की अनुमति के बाद ही जीत का जश्न मना सकेंगे राज्य क्रिकेट बोर्ड

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कर्नाटक में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के बाद जश्न के दौरान मची भगदड़ से सबक लेते हुए अब सख्त दिशानिर्देश जारी किये हैं। पिछले माह आरसीबी के इस जश्न के दौरान बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 11 लोगों की मौत हो गयी थी। बीसीसीआई का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो इसके लिए अब सभी राज्यों के क्रिकेट बोर्डों को नियमों का पालन करना पड़ेगा। इसके तहत जीत के बाद कोई भी इवेंट या रोड शो के लिए बीसीसीआई से अनुमति लेनी होगी।

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की कि बोर्ड बेंगलुरु भगदड़ मामले को पूरी गंभीरता से ले रहा है और भविष्य में किसी भी हादसे से बचने के लिए हर बात पर गंभीरता से विचार किया है। सैकिया के अनुसार आईपीएल के बाद जश्न मनाने के लिए सभी टीमों को उसके नियमों का पालना करना होगा। इसके तहत

कोई भी टीम ट्रॉफी जीतने के 3 से 4 दिन तक समारोह आयोजित नहीं कर सकेगी। जल्दबाजी में किसी जश्न का आयोजन नहीं होगा और खराब प्रबंधन से वह बच नहीं सकेगी। किसी भी इवेंट के आयोजन से पहले टीमों को बीसीसीआई से औपचारिक अनुमति लेनी होगी। बोर्ड की मंजूरी के बाद ही कोई इवेंट आयोजित किया जाएगा। किसी भी इवेंट में 4 से 5 स्तर की सुरक्षा होगी। इर स्तर पर एक स्थल यात्रा के दौरान बीच में होना चाहिये।

एयरपोर्ट से इवेंट स्थल तक सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं होनी चाहिये। खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए पूरे इवेंट के दौरान सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिये। जिला पुलिस, राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन से इवेंट के लिए अनुमति जरुरी रहेगी। इवेंट को सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए नागरिक और कानून प्रवर्तन निकायों की भी अनुमति जरुरी रहेगी। वहीं इससे पहले कर्नाटक सरकार ने भी जश्न को लेकर कड़े दिशानिर्देश दिये थे जिन्हें तोड़ने प जुर्माने के साथ ही सजा भी मिलेगी।

उबली हुई सब्जियां, नारियल पानी शामिल हैं नीरज चोपड़ा की डाइट में

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन खास रहा, जब ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पेरिस डायमंड लीग का खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में 88.16 मीटर दूर भाला फेंककर मुकाबले में बढ़त बना ली, जो अंत तक कायम रही। उनके पुराने प्रतिद्वंद्वी जूलियन वेबर 87.88 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। यह जीत नीरज के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि इससे पहले वह दोहा डायमंड लीग और जानुज कुसोसिंस्की मेमोरियल में लगातार दो बार दूसरे स्थान पर रहे थे, जिनमें स्वर्ण पदक वेबर ने जीता था। नीरज की यह वापसी सिर्फ तकनीकी नहीं, मानसिक रूप से भी प्रेरणादायक रही। टोक्यो ओलंपिक 2020 में स्वर्ण पदक जीतकर वह ऐसा करने वाले पहले एशियाई भाला फेंक एथलीट बने थे। इसके बाद उन्होंने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड जीतकर इतिहास रचा और फिर पेरिस ओलंपिक में रजत पदक हासिल किया। लगातार अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शन करते हुए नीरज ने खुद को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों में शामिल कर लिया है। खेल में उत्कृष्टता के पीछे सिर्फ अभ्यास नहीं, बल्कि अनुशासित जीवनशैली और सटीक डाइट का भी बड़ा योगदान होता है। नीरज चोपड़ा इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। कभी पूर्ण रूप से शाकाहारी रहे नीरज अब प्रोटीन युक्त और बैलेंस्ड डाइट लेते हैं। उनका दिन नाश्ते में ओट्स, अंडे, फल और नारियल पानी से शुरू होता है। दोपहर को वे दही-चावल, दाल, सब्जियां और ग्रिल्ड चिकन लेते हैं, जबकि ट्रेनिंग के बीच चिया सीड्स, सूखे मेवे और फल उनके ऊर्जा स्रोत होते हैं। रात को उबली सब्जियां, सूप और सलाद लेते हैं और सोने से पहले दूध और खजूर से दिन खत्म करते हैं। नीरज मानते हैं कि प्राकृतिक और संतुलित आहार ही फिटनेस की कुंजी है। उनका कहना है कि यह डाइट सिर्फ एथलीट्स के लिए नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए भी उपयोगी है, जो एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं। तले-भुने भोजन से परहेज और पौष्टिक विकल्पों की प्राथमिकता ही उनके निरंतर प्रदर्शन का मूल मंत्र है।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड की टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद

– आखिरी मुकाबले को बनाया लक्ष्य

लंदन (एजेंसी)। भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही इंग्लैंड टीम को तेज गेंदबाजों की चोट ने परेशान कर रखा है। 20 जून से शुरू हुए पहले टेस्ट में भी इंग्लैंड अपनी पूरी ताकत के साथ मैदान पर नहीं उतर सका। अब टीम के अनुभवी पेसर मार्क वुड ने अपनी संभावित वापसी को लेकर बड़ी जानकारी दी है। घुटने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे वुड को उम्मीद है कि वह 31 जुलाई से ओवल में खेले जाने वाले सीरीज के पांचवें और आखिरी टेस्ट तक फिट होकर चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। 35 वर्षीय मार्क वुड को साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान बाएं घुटने में चोट लगी थी, जिसके बाद मार्च में उनकी सर्जरी कराई गई थी। वुड ने एक मीडिया से बात करते हुए कहा, 'रिहैब अच्छा चल रहा है। मैंने हल्की गेंदबाजी शुरू कर दी है, इसलिए अब मैं वापसी की राह पर हूं।'

वुड ने माना कि वह अब भी भारत के खिलाफ इस सीरीज में खेलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं और उनकी नजरें सीरीज के आखिरी टेस्ट पर टिकी हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे अब भी इस सीरीज में खेलने की उम्मीद है, इसलिए मैं उन खिलाड़ियों पर नजर रख रहा हूं जिनसे मेरा सामना हो सकता है। मेरा ध्यान फिलहाल पांचवें टेस्ट पर है।'

हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि ओवल टेस्ट में खेलना तय नहीं है और अंतिम फैसला उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। ÷हो सकता है कि मैं आखिरी टेस्ट में भी नहीं खेल पाऊं, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस पर है कि मैं उस मैच में टीम के लिए योगदान दे सकूं,÷ वुड ने कहा। इंग्लैंड के लिए वुड की वापसी अहम साबित हो सकती है, खासकर तब जब जोफ्रा आर्चर, ओली स्टोन और मैथ्यू पॉट्स जैसे अन्य गेंदबाज भी चोटों से जूझ रहे हैं। ऐसे में वुड की फिटनेस टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को मजबूती दे सकती है।

जसप्रीत बुमराह ने वसीम अकरम का रिकॉर्ड तोड़ा, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई बने

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा जैसे गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। बुमराह ने भारत के 471 रन पर ऑल आउट होने के बाद महत्वपूर्ण सफलताएं दिलाईं और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट और जैक क्रॉली के विकेट लिए। ऐसा करके बुमराह ने स्श्वह्न देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में सबसे ज़्यादा विकेट लेने के मामले में पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने दूसरे दिन के अंत तक कुल 2 विकेट झटके और स्श्वह्न देशों में 60 पारियों में 148 विकेट लिए। उन्होंने स्श्वह्न देशों में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 146 विकेट लिए थे। इसके बाद अनिल कुंबले (141), इशांत शर्मा (130) और मोहम्मद शमी (123) का नम्बर आता है। इससे पहले इंग्लैंड के मार्क वुड ने मौजूदा 'दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' जसप्रीत बुमराह की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह 'खेल को बदलने' की क्षमता रखते हैं। खेल के सभी प्रारूपों में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बन गए हैं। 31 वर्षीय बुमराह को भारत की युवा टीम में इंग्लैंड के लिए सबसे बड़ा खतरा माना जाता है। वुड ने इस बात पर जोर दिया कि 'खतरनाक' बुमराह किसी भी खेल चरण में कहर बरपा सकते हैं। वुड ने कहा, 'वह सभी प्रारूपों में एक बेहतरीन गेंदबाज हैं जो वास्तव में खतरनाक हैं। मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि उन्हें समझना और उनका सामना करना वाकई मुश्किल है। वह जितना आप सोचते हैं उससे कहीं ज़्यादा तेज़ हैं। वह इस समय दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और वह मैच के किसी भी हिस्से में खतरनाक हैं। बुमराह खेल को बदल सकते हैं।'

तीसरे दिन काली पट्टी बांधकर मैदान में उतरे खिलाड़ी

लीड्स । भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पूर्व तेज गेंदबाज डेविड लॉरेंस के सम्मान में रविवार को यहां पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन काली पट्टियां बांधी। लॉरेंस का रविवार को 61 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लॉरेंस ने 1988 से 1992 के बीच इंग्लैंड के लिए पांच टेस्ट (18 विकेट) और एक वनडे (चार विकेट) खेला। लॉरेंस को सिड उपनाम से जाना जाता था। लॉरेंस इंग्लैंड की तरफ से खेलने वाले ब्रिटिश मूल के पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। वह पिछले साल से मोटर न्यूरॉन बीमारी (एमएनडी) से जूझ रहे थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'दोनों टीमों के खिलाड़ी इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड 'सिड' लॉरेंस को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए काली पट्टी बांधकर खेल रहे हैं। लॉरेंस का रविवार को निधन हो गया था।' लॉरेंस को 2024 में इस रोग का पता चला, जिसका कोई उपचार नहीं है। यह बीमारी मस्तिष्क और तंत्रिकाओं को प्रभावित करती है, जिससे मांसपेशियां कमजोर पड़ जाती हैं। ग्लूस्टरशर के दिग्गज खिलाड़ी लॉरेंस ने 185 प्रथम श्रेणी मैच में 515 विकेट और 113 लिस्ट ए मैच में 155 विकेट लिए। तेज गेंदबाज लॉरेंस 1992 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंदबाजी करते समय चोटिल हो गए थे जिसके बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं खेल पाए।

कनाडा ने भारत-श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए किया क्वालीफाई

ओंटारियो - कनाडा की पुरूष क्रिकेट टीम ने अमेरिकी क्वालीफायर में बहामास को सात विकेट से हराकर अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया। कनाडा की यह लगातार पांचवीं जीत थी। कनाडा ने पिछले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में हुआ टी20 विश्व कप भी खेला था। बीस टीमों के टूर्नामेंट में गत चैम्पियन भारत, श्रीलंका, अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी खेलेंगे। आईसीसी ने एक बयान में कहा, 'सात और टीमें अभी इन टीमों से जुड़ेंगी जिनमें से दो यूरोपीय क्वालीफायर (पांच से 11 जुलाई), दो अफ्रीकी क्वालीफायर (19 सितंबर से चार अक्टूबर) और तीन एशिया ईएपी क्वालीफायर (एक से 17 अक्टूबर) से आएंगी।' कनाडा ने यहां खेले गए क्वालीफायर में 57 रन का लक्ष्य छह ओवरों में हासिल कर लिया। पहले गेंदबाजी करते हुए कनाडा ने स्पिनर कलीम सना और शिवम शर्माके तीन तीन विकेट की मदद से बहामास को 19.5 ओवर में आउट कर दिया। इसके बाद दिलप्रीत बाजवा के नाबाद 36 रन की बदौलत लक्ष्य 5.3 ओवर में हासिल कर लिया।

ऋषभ के गुलाटी लगाने पर बोले शास्त्री ये उसका अपना स्टाइल

लीड्स । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इमसें वह शतक लगाने के बाद गुलाटी लगाते हुए दिखे। अब इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री और दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा व पूर्व क्रिकेटकीप दिनेश कार्तिक की प्रतिक्रिकेया सामने आयी है। शास्त्री ने कहा कि यह उनका अपना ही स्टाइल है। ऋषभ ने 178 गेंदों में 134 रन बनाने के साथ ही अपना सातवां शतक लगाया। शास्त्री ने कहा कि पंत शायद बहुत कम उम्र से ही जिम्नास्टिक कर रहे हैं। शास्त्री ने कहा, 'इसमें कुछ गलत नहीं है । वह ऐसा ही है और उसे ऐसा ही रहने दें। वह अलग है। बहुत कम उम्र से ही उसने काफी जिम्नास्टिक किया है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अगर मैने भी कोशिश की होता तो शायद सीधे पूल में जाता। ऋषभ ने साल 2022 में हुए कार हादसे के बाद वापसी करते हुए जिस प्रकार से खेल पर मैदान पर वापसी की है। इससे खेल के प्रति उनके जुनून का अंदाजा होता है। इतनी सारी सर्जरी के बाद इस तरह से उन्हें गुलाटी लगाते हुए देखकर सभी हैरान हुए हैं। वहीं बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा, 'ऋषभ तो ऋषभ है और हमेशा कुछ अलग करता है। वह बहुत अच्छे से यह करता है। किसी ने सोचा नहीं था कि वह ऐसा करेगा। मैने कभी कोशिश नहीं की। इसके लिए मुझे काफी अभ्यास करना होगा। वहीं पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा, 'मैं ऐसा कुछ नहीं कर सकता और न ही उसकी तरह बल्लेबाजी कर सकता हूं। दोनों मोर्चों पर विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी वह अपेक्षाओं से परे प्रदर्शन करता है।

जो कुछ मिला उससे खुश हूं : रोहित

–25 साल पहले कुछ नहीं था

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उन्हें अपने करियर में किसी बात का पछतावा नहीं है। रोहित ने कहा कि उन्होंने जो भी हासिल किया उससे वह खुश हैं क्योंकि 25 साल पहले उनके पास कुछ नहीं था जबकि आज उन्होंने काफी कुछ हासिल कर लिया है। रोहित का कहना है कि जो भी लिखा गया है, वह हो रहा है और मैं इससे खुश हूं। किसी बात का पछतावा उनको नहीं है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने दो आईसीसी ट्रॉफी जीती हैं हालांकि 2023 एकदिवसीय विश्वकप के फाइनल में वह टीम को जीत नहीं दिला पाये थे। रोहित ने दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह और गीता बसरा के हू इज द बॉस? शो में कहा, मुझसे कई बार पूछा गया कि आपको जीवन में किस बात का पछतावा है? तो मैंने हमेशा सामने वाले से पूछा है कि किस बात का पछतावा? अगर मैं 25 साल पीछे जाऊं तो मुझे पता है कि मैं कहां था और मेरा जीवन कैसा था। मैं बहुत खुश हूं कि भगवान ने मुझे इतना सब कुछ दिया है, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इन सभी पुरस्कारों और हर चीज के साथ यहां बैठा रहूंगा। आपको केवल वही मिलता है जो आपके लिए लिखा गया है, इसलिए यह लिखा गया था और मैं इससे बहुत खुश हूं।रोहित ने साल 2007 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। इससे पहले वह अंडर 19 विश्व कप में भी खेले। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद उन्हें टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का अवसर मिला। उनकी कप्तान में भारत को दो एशिया कप, एक टी20 विश्व कप और एक चैंपियंस ट्रॉफी के अलावा कई सीरीज में जीत मिली।

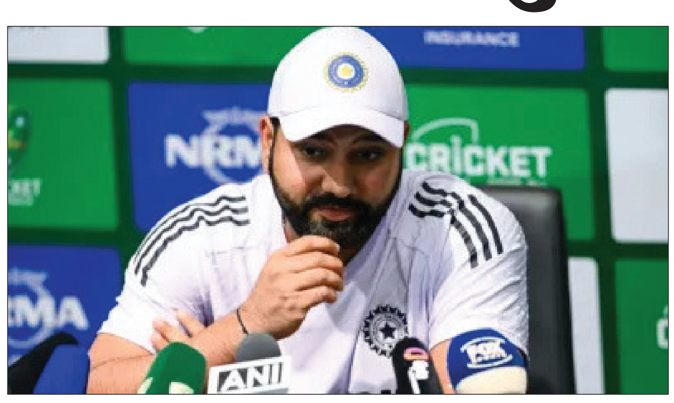

तीन शतक के बाद भी 500 से कम रन बनाने वाली तीसरी टीम बनी टीम इंडिया

लीड्स । यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल 147 के अलावा यशस्वी जायसवाल 101 और ऋषभ पंत 134 ने भी शतक लगाये। इसके बाद भी भारतीय टीम के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड दर्ज हुआ है। वह है तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी पहली पारी में काफी कम स्कोर 471 रन बनना। इस प्रकार वह तीन शतकों के बाद भी 500 रन न बना पाने वाली तीसरी टीम बनी है। इससे पहले तीन खिलाड़ियों के शतकों के बाद 500 से कम स्कोर पर आउट होने वाली टीमें है। दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज। इससे पहले दक्षिण अफ्रीकी टीम ने साल 2016 में तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम स्कोर बनाया था। इसके अलावा तीन बल्लेबाजों के शतक के बाद भी सबसे कम रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की टीमों का भी नाम है, ये सभी टीमें भी तीन बल्लेबाजों द्वारा शतक लगाने के बाद भी एक बार 500 रनों तक नहीं पहुंच पायीं थी। भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने सर्वाधिक 147 रनों की पारी खेली, वहीं ऋषभ पंत ने 134 तो यशस्वी जायसवाल ने 101 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के खिलाफ सेंचुरियन में साल 2016 में तीन शतक के बाद भी 475 रन जबकि ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में साल 1924 में तीन शतक के बाद भी 494 और वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ कोलकाता में साल 2002 में 497 रन ही बनाये थे।

बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

लीड्स। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विवार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया।'शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये।

बुमराह को बार-बार गेंदबाजी के लिए लगाने से उनपर दबाव पड़ेगा : कार्तिक

लीड्स । पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक ने कहा है कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर जरुरत से अधिक दबाव नुकसानदेह रहेगा। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन ने 13 ओवर गेंदबाजी की थी और तीन विकेट लिए थे। वहीं अन्य गेंदबाज मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, रवींद्र जडेजा और शार्दुल ठाकुर ने 36 ओवर किये पर एक भी विकेट नहीं ले पाये। ऐसे में विकेट के लिए बार-बार उन्हें लाना पड रहा था। कार्तिक ने इसी को लेकर चिंता जताई और कहा है कि कप्तान को बुमराह पर ज्यादा दबाव नहीं डालने अन्य गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना होगा। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, 'बुमराह और बाकी गेंदबाजों के बीच बहुत ज्यादा अंतर रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को देखकर लग रहा था कि वे किसी प्रका बुमराह का स्पेल निकला देना चाह रहे थे जिससे उनके पास बाद के ओवरों में अधिक अच्छा अवसर रहे।' इससे भारतीय कप्तान पर दबाव पड़ेगा और वह बुमराह के पास जाएंगे।' साथ ही कहा कि बुमराह को अपने शरीर का भी ध्यान रखना होगा.' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के पांचवें टेस्ट में थकान के कारण ही बुमराह ने कप्तानी की दौड़ से अपने को बाहर कर लिया था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे के पहले ही घोषणा कर दी है कि वह इस सीरीज में केवल तीन टेस्ट ही खेल सकते हैं। एक दिन में जब बड़ी मुश्किल से 60 ओवर फेंके जाते हैं तब बुमराह ने पहले ही दिन 13 ओवर फेंक दिए। इससे साफ है कि हर बार जब आपको विकेट की जरूरत होती है, तो बुमराह को लाना पड़ा।' कार्तिक ने साथ ही कहा, 'वह हमेशा टीम के लिए अधिक से अधिक विकेट लेते हैं। इसलिए आप उस आदत में पड़ जाते हैं पर दूसरों को निश्चित रूप से प्रेरित करने का तरीका अब कप्तान को तलाश होगा। वहीं अन्य गेंदबाजों को भी कहना होगा कि मैं तैयार हूं, मुझे गेंद दो, यह मेरी योजना है, मैं गेंदबाज करना चाहता हूं।

जो रूट ने जयसूर्या को पछाड़ा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बने

लीड्स (यूके) (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट श्रीलंका के दिग्गज सनथ जयसूर्या को पछाड़कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले 9वें खिलाड़ी बन गए। रूट ने लीड्स में भारत के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के दौरान चार्ट में यह बढ़त हासिल की। ??अपनी पारी के दौरान उन्होंने 58 गेंदों में दो चौकों की मदद से 28 रन बनाए। वे अंततः 25 पारियों में 10वीं बार जसप्रीत बुमराह का शिकार बने, उनके खिलाफ उनका औसत 29 रहा।

रूट ने 366 अंतरराष्ट्रीय मैचों की 479 पारियों में 49.30 की औसत से 21,053 रन बनाए हैं जिसमें 54 शतक और 112 अर्द्धशतक शामिल हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है। वे टेस्ट और वनडे सहित सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अब तक के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। दूसरी ओर, श्रीलंका के दिग्गज जयसूर्या ने 651 पारियों में 34.14 की औसत से 42 शतकों और 103 अर्द्धशतकों की मदद से 21,032 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 340 है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भारतीय आइकन सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 664 मैचों की 782 पारियों में 48.52 की औसत से 100 शतकों और 164 अर्द्धशतकों की मदद से 34,357 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 248* है। टेस्ट क्रिकेट में रूट ने 154 मैचों की 280 पारियों में 50.71 की औसत से 36 शतकों और 65 अर्द्धशतकों की मदद से 13,034 रन बनाए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 262 है।

रूट ने वनडे में 180 मैचों और 169 पारियों में 49.14 की औसत से 7,126 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक और 42 अर्द्धशतक शामिल हैं। 32 टी20आई और 30 पारियों में उन्होंने 35.72 की औसत से 893 रन बनाए हैं, जिसमें 126.30 की स्ट्राइक रेट और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 90* है।

मैच की बात करें तो इंग्लैंड ने दूसरे दिन 209/3 के स्कोर पर दिन का अंत किया जिसमें ओली पोप (100*) और हैरी ब्रुक (0*) नाबाद रहे। बेन डकेट (94 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 62) के अर्धशतक और पोप के साथ उनकी शतकीय साझेदारी ने जैक क्रॉली के जल्दी आउट होने के बाद इंग्लैंड को बढ़त दिलाई। जसप्रीत बुमराह (तीन विकेट) ने समय पर स्ट्राइक देकर इंग्लैंड के लिए मुश्किलें खड़ी कीं, लेकिन उन्हें अन्य गेंदबाजों से बमुश्किल ही सहयोग मिला। इंग्लैंड अभी 262 रन से पीछे है।

इससे पूर्व पहले दिन इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यशस्वी जायसवाल (159 गेंदों में 101 रन, 16 चौके), कप्तान शुभमन गिल (227 गेंदों में 147 रन, 19 चौके और एक छक्का) और ऋषभ पंत (178 गेंदों में 134 रन, 12 चौके और छह छक्के) के शतकों की बदौलत भारत ने 471 रन बनाए। एक समय स्कोर 430/4 था, कप्तान बेन स्टोक्स (4/66) और जोश टंग (4/86) ने टीम को ढेर कर दिया। लेकिन जायसवाल और पंत की पारियों ने टीम को संभाला और 471 रन बनाने में मदद की।